नई दिल्ली
रविवार 24 मई 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 30, अंक : 35
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 43
न्यून. 32

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

दर्शन करते जवान

## बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर आई
# पवित्र गुफा में 6 से 7 फीट का शिवलिंग बना, यात्रा 3 जुलाई से

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

सुरक्षा में तैनात जवानों ने दर्शन किए

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बाबा बर्फानी की पहली तस्वीरें सामने आ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि 6 से 7 फीट का शिवलिंग अपना आकार ले चुका है। इस दौरान सुरक्षा के लिए तैनात जवानों ने सबसे पहले शिवलिंग के दर्शन भी किए। अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी। इन दिनों रास्ते में सामान्य जगहों पर 6 से 8 फीट और हिमस्खलन वाले इलाकों में 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है। बालटाल मार्ग पर ▶▶ शेष पेज 5 पर

## ट्विशा के पति समर्थ की भोपाल जिला कोर्ट में पेशी, 7 दिन की पुलिस रिमांड पर

# एम्स की टीम देर रात भोपाल पहुंची आज शव का 'दोबारा' पोस्टमार्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ट्विशा शर्मा केस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ सुनवाई करेगी। वहीं, शनिवार दोपहर जेपी अस्पताल में आरोपी पति समर्थ सिंह का मेडिकल ▶▶ शेष पेज 4 पर

### सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, कल सुनवाई

### समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने का आदेश

### फरारी के दौरान समर्थ ने बदला अपना हुलिया

पहचान छिपाने के लिए समर्थ ने फरारी के दौरान अपना हुलिया भी बदल लिया था। हमेशा क्लीन शेव रहने वाला समर्थ हल्की दाढ़ी में नजर आया। आमतौर पर फॉर्मल लुक में रहने वाला समर्थ इस बार कैजुअल जींस-शर्ट और कैप में दिखाई दिया। उसने चेहरे पर मास्क भी लगा रखा था। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार का कहना है कि जब तक मामला किसी दूसरी जांच एजेंसी को ट्रांसफर नहीं किया जाता, तब तक पुलिस हर एंगल से जांच जारी रखेगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

### पोस्टमॉर्टम का विषय जीएडी विभाग देख रहा

कमिश्नर ने कहा कि ट्विशा के शव का सेकंड पोस्टमार्टम भोपाल एम्स में ही कराया जाएगा। यह विषय जीएडी विभाग देख रहा है, पुलिस लगातार उनके संपर्क में है। मामले में जो भी वैधानिक प्रक्रिया होगी, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। परिजनों का आरोप है कि ट्विशा की ▶▶ शेष पेज 4 पर

भोपाल पुलिस कमिश्नर बोले

### हम गिरिबाला सिंह से भी पूछताछ करेंगे

मामले में शनिवार दोपहर 1 बजे भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें कहा कि रिमांड मिलने के बाद पुलिस उससे घटना वाली रात, पारिवारिक विवाद, मोबाइल चैट, कॉल डिटेल और फरारी के दौरान की गतिविधियों ▶▶ शेष पेज 4 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155 | airtel चैनल न. 366

IPL आज का मुकाबला
एमआई आरआर
दोपहर 3.30 बजे से
केकेआर डीसी
शाम 7.30 बजे से

## अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पीएम से मुलाकात में दिया निमंत्रण

# राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को किया अमेरिका यात्रा के लिए आमंत्रित

*रविवार को हैदराबाद हाउस में होगी भारत-अमेरिका के विदेश मंत्रियों की द्विपक्षीय बैठक*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच शनिवार को क्वाड की बैठक में भाग लेने के लिए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो नई दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी एक विशेष मुलाकात हुई है। जिसमें रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से पीएम को निकट भविष्य में अमेरिका की यात्रा करने का निमंत्रण दिया है। यह जानकारी प्रधानमंत्री ने अपनी एक 'एक्स' पोस्ट के जरिए देते हुए बताया कि अमेरिका के विदेश मंत्री का स्वागत करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हुई है। हमारे बीच दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी में लगातार हुई प्रगति और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शांति-सुरक्षा से जुड़े हुए मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। भारत और अमेरिका समूचे विश्व के कल्याण के लिए अपना निकट सहयोग बनाए रखेंगे। पीएम ने अपनी पोस्ट में कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। जिसमें भारत से विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिस्री शामिल हुए। जबकि अमेरिकी पक्ष से राजदूत सर्जियो गोर और अमेरिकी दूतावास के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। अपनी भारत यात्रा का आगाज अमेरिकी विदेश मंत्री ने कोलकाता से ▶▶ शेष पेज 5 पर

### संवाद-कूटनीति से खत्म होंगे संघर्षः पीएम मोदी

दोनों की मुलाकात में विदेश मंत्री रुबियो ने पश्चिम-एशिया की स्थिति के साथ ही विभिन्न क्षेत्रीय-वैश्विक विषयों पर अमेरिका के दृष्टिकोण को साझा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी विदेश मंत्री से राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी हार्दिक शुभकामनाएं देने का अनुरोध किया और कहा कि वे उनके बीच लगातार आदान-प्रदान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने शांति स्थापना के लिए जारी प्रयासों के लिए भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की और बातचीत-कूटनीति के माध्यम से संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के आह्वान को दोहराया। इस दौरान हुई वार्ता में विदेश मंत्री रुबियो ने पीएम को रक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकियों, व्यापार-निवेश, ऊर्जा सुरक्षा कनेक्टिविटी, शिक्षा और जन संबंधों के साथ ही तमाम क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में निरंतर हुई प्रगति के बारे में भी अवगत कराया।

### 14 अप्रैल को हुई थी मोदी-ट्रंप की बातचीत

यहां बता दें कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए सबसे ज्यादा टैरिफ की वजह से दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। लेकिन हालिया समय में दोनों देशों ने इनमें तेजी से सुधार की कवायद शुरू की है। ईरान के साथ युद्ध के बाद पिछले महीने 14 अप्रैल को पहली बार राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ टेलीफोन पर कुल 40 मिनट तक लंबी बातचीत की थी। जिसमें भारत-अमेरिका व्यापक रणनीतिक साझेदारी को पहले की तुलना में और मजबूत बनाने, पश्चिम-एशिया की स्थिति, ईरान के मौजूदा हालात, अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए बेहद अहम जलमार्ग होर्मुज ▶▶ शेष पेज 5 पर

### आज जयशंकर संग होगी बैठक

क्वाड चार देशों का एक समूह है। जिसकी बैठक अगले सप्ताह मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में होगी। लेकिन इससे पहले रविवार 24 मई को भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हैदराबाद हाउस में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी। जिसमें आपसी संबंधों के तमाम पहलुओं के अलावा साझा हितों-चिंताओं से जुड़े क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर चर्चा की जा सकती है। बैठक के अलावा वह अमेरिकी दूतावास में आयोजित किए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगे। अगले सप्ताह सोमवार को रुबियो आगरा और जयपुर जाएंगे। फिर वह क्वाड की बैठक के लिए दिल्ली लौटेंगे। जिसमें शिरकत करने के लिए वह चार दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। रुबियो के बाद आगामी ▶▶ शेष पेज 5 पर

# अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भारत यात्रा पर ईरान ने कसा तंज

*एक्स पोस्ट में लिखा, 'थोड़ा सीख लो यार, सभ्यता का क्रैश कोर्स फ्री में मिल जाएगा'!*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

क्वाड की बैठक में भाग लेने के लिए शनिवार को कोलकाता पहुंचे अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भारत में मौजूदगी अगर सबसे ज्यादा किसी को खली है, तो वो ईरान है। स्वाभाविक है, क्योंकि दोनों देशों के बीच पिछले करीब ढाई महीने से अधिक वक्त से भीषण युद्ध जो चल रहा है। रुबियो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट की कि भारत पहुंच गया हूं और अब एक अच्छी यात्रा के लिए आगे बढ़ रहा हूं। जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुंबई में ईरान के महावाणिज्य दूतावास ने हैशटैग इंडिया, ट्रंप और रुबियो के साथ पोस्ट करते हुए लिखा 'थोड़ा सीख लो यार, 'सभ्यता का क्रैश कोर्स' फ्री में मिल जाएगा'! अमेरिका, इजरायल के साथ पश्चिम-एशिया ▶▶ शेष पेज 5 पर

### ईरान का ट्रंप को करारा जवाब

ईरानी दूतावास की अमेरिकी विदेश मंत्री पर की गई सभ्यता वाली टिप्पणी को लेकर पूरी तरह से कोई स्पष्टता नहीं हैं। लेकिन इसका संबंध कहीं न कहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले अप्रैल महीने में ईरान को दी गई उस टिप्पणी से हो सकता है। जिसमें उन्होंने कहा था कि 'अगर ईरान शांति समझौते और होर्मुज की खाड़ी को खोलने के लिए राजी नहीं हुआ तो आज रात एक पूरी सभ्यता नष्ट हो जाएगी। जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। मैं यह नहीं चाहता हूं कि यह सब कुछ हो। लेकिन यह सब होगा। जिसके साथ ▶▶ शेष पेज 5 पर

## खबर संक्षेप

### 26 मई से सिक्किम के तीन दिनी दौरे पर राष्ट्रपति

**गंगटोक।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 26 मई से सिक्किम के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति 26 मई की दोपहर लिबिंग आर्मी हेलीपैड पर उतरेंगी और वहां से लोक भवन जाएंगी। वह गंगटोक के देवराली स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी और रिज पार्क स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगी। वह 27 मई की सुबह भारत-चीन सीमा पर स्थित नाथू ला का दौरा करेंगी, जिसके बाद सिक्किम विवि के सातवें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

### ईडी की गिरफ्त में पंजाबी रियल एस्टेट कारोबारी

**चंडीगढ़।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब सरकार से भूमि उपयोग परिवर्तन की मंजूरी हासिल करने के लिए कथित फर्जी सहमति पत्र जमा करने से जुड़े धन शोधन मामले में एक रियल एस्टेट कारोबारी को गिरफ्तार किया है। 'इंडियन कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी' के सचिव अजय सहगल को केंद्रीय एजेंसी के जालंधर कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत शुक्रवार को हिरासत में लिया। ईडी ने इस महीने की शुरुआत में सहगल द्वारा विकसित 'सनटेक सिटी' परियोजना से जुड़े परिसरों और कुछ अन्य स्थानों पर छापे मारे थे।

## सीबीएसई का सर्वर डाउन
# पेमेंट गेटवे में गड़बड़ी से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बेहद नाराज!

### सीबीएसई से मांगा जवाब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीबीएसई का सर्वर डाउन होने और पेमेंट गेटवे में गड़बड़ी से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बेहद नाराज है। 12वीं के री-इवैल्यूएशन फॉर्म भरने में छात्रों को हो रही परेशानी पर मंत्रालय ने सीबीएसई से जवाब मांगा है और तुरंत ऐक्शन लेने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई के री-इवैल्यूएशन और आंसरशीट प्रक्रिया को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। बोर्ड के पोर्टल पर तकनीकी गड़बड़ियों के कारण छात्रों और अभिभावकों को अलग-अलग और चौंकाने वाली फीस दिखाई देने लगी। किसी छात्र को ▶▶ शेष पेज 5 पर

# हर खेत तक पानी पहुंचाने के लिए टैंक बनवाकर माइक्रो इरिगेशन को लागू करें: नायब

मुख्यमंत्री सैनी ने हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अगले 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार हर खेत तक सिंचाई का पर्याप्त पानी पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प है। इसके लिए सिंचाई विभाग किसानों के ग्रुप बनाकर प्रत्येक 10 एकड़ या इससे अधिक भूमि के लिए सामूहिक टैंक बनवाए। इन टैंकों को नहरी पानी से भरा जाएगा। इन टैंकों से जुड़े खेतों की माइक्रो इरिगेशन से सिंचाई की जाए। सामूहिक टैंक बनाने पर सरकार द्वारा 85 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री सैनी ने शनिवार ▶▶ शेष पेज 5 पर

## हादसे की जगह पर सेल्फी के साथ दिखाया विक्ट्री का साइन

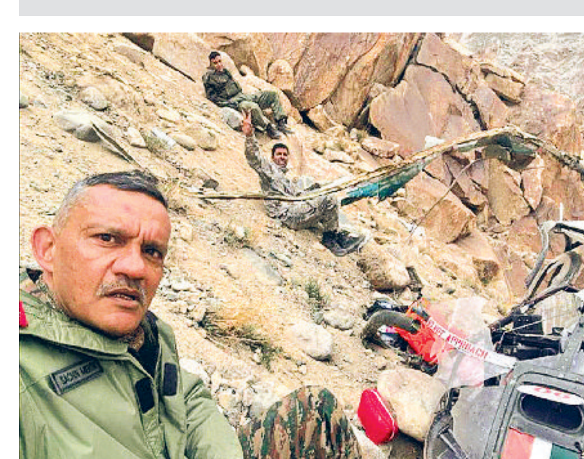

*सेना ने दिए हादसे की जांच के आदेश, जिससे साफ हो जाएगी घटना की असली वजह*

### लेह में क्रैश हुआ सेना का चीता हेलीकॉप्टर, बाल-बाल बचे तीन अधिकारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

'जाको राखे साइयां मार सके ना कोई, बाल न बांका करि सके, जो जग बैरी होय'...हिंदी भाषा की यह कहावत इस सप्ताह 20 मई (बुधवार) को पूर्वी लद्दाख के तांगसे (लेह) इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुए सेना के चीता हेलीकॉप्टर पर बिलकुल सटीक बैठती है। जिसमें बल के तीन अधिकारी बाल-बाल बचे हैं। ऊंचे पहाड़ पर ▶▶ शेष पेज 5 पर

# भाजपा की यात्रा राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्राः नवीन

*कहा, भाजपा का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोच्च रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शनिवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर बिहार के पटना में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026' के अंतर्गत आयोजित पटना महानगर जिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह का उद्घाटन किया और उद्घाटन सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

नवीन ने 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' के अंतर्गत आयोजित पटना महानगर जिला प्रशिक्षण वर्ग के दौरान एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी संगठन को सींचने में अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले महान ▶▶ शेष पेज 5 पर

## आम आदमी को महंगाई का झटका दर झटका.... हर जरूरी चीजों की बढ़ेंगी कीमतें

# 10 दिन में पांच रुपए तक महंगा हुआ तेल, इस बार पेट्रोल पर 87और डीजल पर 91 पैसे बढ़े

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को एक और बड़ा झटका लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में एक बार फिर इजाफा कर दिया है। पिछले 10 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में करीब पांच रुपए प्रति लीटर तक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चुनाव के बाद कीमतों में लगी रोक हटने से परिवहन लागत बढ़ने और अर्थव्यवस्था पर महंगाई का दबाव बढ़ने की चिंताएं गहरा गई हैं। इस बार पेट्रोल की कीमतों में 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर ▶▶ शेष पेज 5 पर

फाइल फोटो

*अप्रैल में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.48% व थोक महंगाई दर 42 महीने के उच्चतम स्तर 8.3% पर पहुंची*

### अभी भी तेल कंपनियों को नुकसान

हालिया बढ़ोतरी के बाद भी तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल पर 10 रु. और डीजल पर 13 रु. प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। ईंधन महंगा होने से सीधा असर माल ढुलाई और परिवहन लागत पर पड़ता है, जिससे हर जरूरी चीज महंगी हो सकती है। अप्रैल में खुदरा महंगाई दर बढ़कर ▶▶ शेष पेज 5 पर

### इधर, गडकरी का दावा- अब 25 रु. वाले ईंधन से ही दौड़ेंगी गाड़ियां

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपनी गाड़ी का उदाहरण देते हुए बताया कि मैं जिस गाड़ी से चलता हूं, वह 100 प्रतिशत बायो-इथेनॉल से चलती है। इथेनॉल की कीमत अभी 65 रुपए प्रति लीटर है। यह गाड़ी चलते समय 60 प्रतिशत बिजली भी बनाती है। अगर पेट्रोल और डीजल से इसकी तुलना की जाए, तो गाड़ी चलाने का असल खर्च करीब 25 रुपए प्रति लीटर ही आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे फ्लेक्स-फ्यूल इंजन वाली गाड़ियां जल्द ही बड़े पैमाने पर बाजार में उतारी जाएंगी।

नितिन गडकरी

**खबर संक्षेप**

### महिपालपुर में बस में आग लगी, कोई हताहत नहीं

**नई दिल्ली।** दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के महिपालपुर में शनिवार दोपहर को एक प्राइवेट बस में आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर कुछ ही देर बाद काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन विभाग के मुताबिक दोपहर करीब 3:15 रंगपुरी चौक पर एक बस में आग लगने की सूचना मिली। बस खाली खड़ी हुई थी। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रही है। गौरतलब है कि महिपालपुर इलाके में डीटीसी बस में भी आग लगने की घटना पहले सामने आ चुकी हैं, जिसमें शॉर्ट सर्किट या इंजन में खराबी के कारण बसें अचानक आग का गोला बन गई थी। हालांकि, गनीमत यह रहती है कि ज्यादातर घटनाओं में ड्राइवर की सूझबूझ या धुआं निकलने पर यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाता है, जिससे कोई बड़ा जानमाल का नुकसान नहीं होता।

### गोविंदपुरी दोहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में पकड़ा

**नई दिल्ली।** दक्षिण पूर्वी जिले के गोविंदपुरी में एक महिला और उसके किशोर बेटे की हत्या के मुख्य आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सौरभ महिला का दूर का रिश्तेदार है। शुक्रवार देर रात हुई मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी। पुलिस के अनुसार बृहस्पतिवार तड़के गोविंदपुरी में शारदा साहू (38) और उनके 13 वर्षीय बेटे की चाकू से हमला कर हत्या करने के मामले में सौरभ वांछित था। आरोपी के घाटी पार्क इलाके में मौजूद होने की खुफिया सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे घेरने की कोशिश की। आरोपी वहां पर स्मैक का सेवन करता मिला। पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कई बार कहा गया लेकिन उसने भागने की कोशिश के दौरान पुलिस टीम पर चार गोलियां चलाई। आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की गई और एक गोली सौरभ के पैर में लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया। इसके बाद आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुठभेड़ में किसी पुलिसकर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है। जांचकर्ताओं द्वारा सीसीटीवी फुटेज के जरिए सौरभ की पहचान किए जाने के एक दिन बाद उसकी गिरफ्तारी की गई है। पुलिस ने पहले कहा था कि आरोपी महिला के परिवार का परिचित था और संभवतः बिना किसी विरोध के घर में दाखिल हुआ था। पुलिस को संदेह है कि नशे के आदी सौरभ ने पहले शारदा पर चाकू से हमला किया, फिर बीच-बचाव करने आए उसके बेटे की हत्या कर दी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या हत्या के पीछे लूट की नीयत थी, क्योंकि घर से नकदी और कीमती सामान गायब है।

### फैक्टरी में कंप्रेसर फटने से दो श्रमिक घायल

**नई दिल्ली।** उत्तर पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में शनिवार सुबह एक फैक्टरी में कंप्रेसर फटने से दो श्रमिक घायल हो गए। पुलिस को घटना की सूचना सुबह नौ बज कर 50 मिनट पर मॉडल टाउन के विनायक अस्पताल से मिली, जहां घायलों को इलाज के लिये लाया गया था। पुलिस के अनुसार यह विस्फोट जीटी करनाल रोड औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक फैक्टरी में हुआ। सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। फैक्टरी के अंदर दीवार पर लगा एक कंप्रेसर फट गया था, जिससे उस समय वहां मौजूद दो श्रमिक घायल हो गए। घायलों के नाम अरविंद (35) और संतोष (50) बताये गये हैं। पुलिस के मुताबिक दोनों घायल श्रमिकों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह विस्फोट फैक्टरी के भीतर काम के दौरान हुआ। दोनों घायल व्यक्तियों की हालत खतरे से बाहर हैं। पुलिस ने बताया कि क्राइम और फोरेंसिक टीमों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

रणहौला इलाके में वारदात, नाबालिग समेत पांच दबोचे

# कई मामलों में शामिल रहे शख्स की चाकुओं से गोदकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बाहरी जिले के रणहौला इलाके में एक आपराधिक प्रवृत्ति के शख्स को आधा दर्जन लोगों ने चाकुओं से गोद दिया। गंभीर हालत में चलते उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां कई घंटे चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुये नाबालिग समेत पांच आरोपियों को पकड़ा है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार 22 मई को रात लगभग 11:28 बजे माता रूप रानी माग्गो अस्पताल से बॉबी (23) निवासी सैनिक एन्क्लेव के बारे में जानकारी मिली। उसे चाकू लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उसके रिश्तेदारों द्वारा उसे राठी अस्पताल ले जाया गया। जांच अधिकारी राठी अस्पताल पहुंचे, जहां घायल व्यक्ति आईसीयू में भर्ती मिला। वह बयान देने की स्थिति में नहीं था। एमएलसी रिपोर्ट के अनुसार घायल को उत्तम नगर, रघुबीर सिंह रोड, गुरुद्वारा वाली गली के पास हुए हमले के कारण चोटें आई थी। पूछताछ के दौरान पीड़ित के दोस्तों सुमित कुमार, पवन और रितिक ने बताया कि वे एक जनरल स्टोर के पास खड़े थे। तभी 5-6 लोग बाइक व स्कूटी पर सवार होकर वहां पहुंचे। उन्हें देखते ही बॉबी ने अपने दोस्तों को भाग जाने की चेतावनी दी, क्योंकि उसे हमले की आशंका थी और वह उन लोगों को जानता था। बाकी लोग भाग निकलने में सफल रहे लेकिन बॉबी पकड़ा गया। उस पर धारदार हथियारों तथा ईंटों से हमला किया गया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, और बॉबी को उसके दोस्त माता रूप रानी माग्गो अस्पताल ले गए। इसके अलावा यह भी पता चला कि पीड़ित बॉबी पहले भी झपटमारी, लूट और चोरी से जुड़े लगभग 17 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। बाद में शनिवार को सुबह लगभग 5:29 बजे, राठी अस्पताल से बॉबी की मृत्यु के संबंध में सूचना पुलिस को मिली। प्रत्यक्षदर्शी के बयान के आधार पर धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत दर्ज की गई। रनहौला थाने की टीम ने त्वरित कार्रवाई की और तकनीकी निगरानी की मदद से चार आरोपियों तथा एक नाबालिग को पकड़ लिया। आरोपियों के नाम गब्बर उर्फ अंशु (25), नवीन (23), रामजीत उर्फ टीनू (19), प्रेम गुप्ता (19) बताये गये हैं। अपराध में शामिल अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

## फर्नीचर बाजार में लगी आग, दमकल गाड़ियों पर फूटा लोगों का गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क स्थित फर्नीचर बाजार में शुक्रवार रात को भीषण आग लग गई। इससे कई दुकानें जलकर खाक हो गई और लाखों का माल स्वाहा हो गया। घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। लेकिन मौके पर देरी से की गई कार्रवाई को लेकर लोगों का गुस्सा दमकल वाहनों पर फूट पड़ा। लोगों ने वाहनों पर जमकर पथराव किया। हालांकि डीएफएस ने देरी के आरोपों को खारिज किया है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी देते हुये बताया कि आग न्यू सीलमपुर मेट्रो स्टेशन के निकट स्थित फर्नीचर बाजार में लगी थी। लकड़ी के फर्नीचर एवं प्लाईवुड जैसी अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैली। दमकल विभाग को रात 11 बजकर 57 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर रवाना किया गया। बाद में आग को मध्यम श्रेणी की आग के रूप में वर्गीकृत किया गया। आग बुझाने के काम में लगभग 25-26 दमकल गाड़ियों को लगाया गया। अभियान के दौरान कुछ लोगों ने दमकल कर्मियों पर पथराव किया, जिसके बाद रात लगभग 12 बजकर 50 मिनट पर पुलिस सहायता मांगी गई। कुछ लोगों ने दावा किया कि दमकल गाड़ियां मौके पर देर से पहुंचीं, जिसके कारण ईद-उल-अजहा से पहले व्यापारियों को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि पूरा बाजार आग से तबाह हो गया है और केवल लगभग 20 दुकान बची हैं। सभी को भारी नुकसान हुआ है। यह हमारे त्योहार का समय है। लोगों ने दावा किया कि वह आग लगने के लगभग 45 मिनट बाद मौके पर पहुंचे और तब तक केवल दो दमकल गाड़ियां ही बाजार में पहुंची थी।

## रिश्तेदार के खातों से पैसे निकालने का आरोपी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

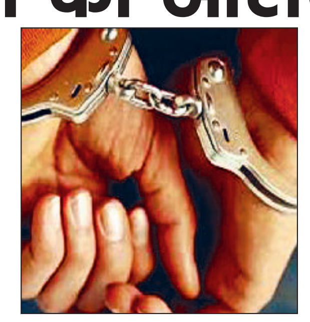

उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी में अपने रिश्तेदार के बैंक खातों से 1.48 लाख रुपये निकालने के आरोप में 26 वर्षीय एक व्यक्ति को साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी शुभम जैन जनवरी से बुराड़ी में शिकायतकर्ता के परिवार के साथ रह रहा था और ब्रेन स्ट्रोक के बाद पैरालाइज्ड अपने रिश्तेदार की देखभाल कर रहा था।

पुलिस ने बताया कि शुभम ने रिश्तेदार की देखभाल के दौरान परिवार की बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल कर ली थी। मामला उस समय सामने आया जब रोहन अग्रवाल ने अपने बैंक खातों से अनधिकृत लेनदेन के संबंध में 13 मई को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई। बुराड़ी में ट्यूशन सेंटर चलाने वाले अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि सेंटर से होने वाली आय उनकी मां के बैंक खाते में जमा होती थी। वित्तीय रिकॉर्ड की जांच करने पर परिवार को पता चला कि उनकी जानकारी के बिना खाते से कथित तौर पर 1,48,626 रुपये निकाले गए थे। इसके बाद उत्तरी जिले के साइबर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने शिकायतकर्ता के मोबाइल फोन की जांच की, लेकिन उसमें कोई संदिग्ध ऐप या 'मैलवेयर' नहीं मिला। हालांकि, जांचकर्ताओं ने पाया कि 1.46 लाख रुपये आत्मजीत सिंह के बैंक खाते में भेजे गए थे, जिन्हें बाद में शुभम जैन के खाते में ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार दोनों लगातार संपर्क में थे। पुलिस ने बताया कि शुभम को 20 मई को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में शुभम ने बताया कि वह बेरोजगार था, लेकिन उसने एक प्रतिष्ठित कंपनी में काम करने और अक्सर विदेश यात्रा करने की झूठी छवि बना रखी थी। पुलिस ने बताया कि शुभम ने कथित तौर पर अपने दोस्त से कहा था कि यह पैसा उसका है और वह इसे सीधे अपने खाते में नहीं मंगवा सकता। आरोपी ने इन पैसों का इस्तेमाल यात्रा और निजी खर्चों के लिए किया।

### भीषण गर्मी: बेहोश होकर आसमान से गिर रहे कबूतर समेत अन्य पक्षी

**एजेंसी, नई दिल्ली।** दिल्ली के पशु चिकित्सकों और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि शहर में भीषण गर्मी के कारण कबूतर समेत अन्य पक्षी आसमान से बेहोश होकर गिर रहे हैं और आवारा जानवर भी बेहाल हैं। उनका कहना है कि निर्जलीकरण के कारण कई चीलों को सड़क किनारे पड़े देखा गया है। पशु चिकित्सकों और कार्यकर्ताओं ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में निर्जलीकरण, लू लगने और संक्रमण से पीड़ित पक्षियों और आवारा जानवरों से संबंधित फोन कॉल में तेजी से वृद्धि हुई है। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में भीषण गर्मी पड़ रही है, कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 'अभय दानम पक्षी एवं पशु अस्पताल' के एक चिकित्सक ने बताया कि रोजाना अस्पताल में पक्षियों से जुड़ी गर्मी से संबंधित बीमारियों के लगभग 20 मामले आ रहे हैं, जो हाल के हफ्तों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं।

## 128 करोड़ के जीएसटी फ्रॉड में दो और गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ केस में अब तक कुल आठ आरोपी हो चुके गिरफ्तार

आर्थिक अपराध शाखा द्वारा पकड़े गए जीएसटी धोखाधड़ी रैकेट में गिरफ्तारियों का सिलसिला जारी है। 128 करोड़ के नकली जीएसटी इनवॉइस फ्रॉड में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। केस में अब तक कुल आठ आरोपी गिरफ्तार किये जा चुके हैं। इस रैकेट से जुड़े अन्य लाभार्थियों और संस्थाओं की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार इस संबंध में 24 मार्च 2026 को केस दर्ज किया गया था। यह मामला आर के इंटरप्राइजेज नामक एक नकली प्रोप्राइटरशिप फर्म के धोखाधड़ी से निर्माण और संचालन से संबंधित है। इस फर्म को जीएसटी विभाग में नौकरी दिलाने के झूठे बहाने से एक अनजान व्यक्ति की पहचान और वित्तीय दस्तावेजों का दुरुपयोग करके चलाया जा रहा था। मामले में पहले छह आरोपियों राज कुमार दीक्षित, अमर कुमार, विभाष कुमार मित्रा, नितिन वर्मा, मोहम्मद वसीम और आबिद को गिरफ्तार किया गया था। इन सभी को जांच के उद्देश्य से पुलिस रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान सभी आरोपियों से गहन पूछताछ की गई। आगे यह खुलासा हुआ कि पुनीत नामक एक व्यक्ति जो शिकायतकर्ता का दोस्त था ने किसी तरह शिकायतकर्ता की आईडी हासिल कर ली और उसे मध्य प्रदेश में हेमंत मुलानी नामक एक अन्य व्यक्ति को भेज दिया। उक्त हेमंत मुलानी ने शिकायतकर्ता की आईडी के आधार पर आरोपी फर्म को जीएसटी दिल्ली में पंजीकृत करवाया और आईडी उपलब्ध कराने के बदले पुनीत को 5000 का भुगतान किया। इसके अलावा हेमंत मुलानी ने नकली इनवॉइस बनाने और फर्जी जीएसटी फाइलिंग करने के लिए 50 हजार के बदले आरोपी फर्म के डिजिटल क्रेडेंशियल्स गिरफ्तार आरोपी नितिन वर्मा को सौंपे। सामने आए नए तथ्यों के आधार पर दो और आरोपियों पुनीत और हेमंत मुलानी की सक्रिय संलिप्तता का पता चला है। लगातार प्रयासों के बाद हेमंत मुलानी को 19 मई आरोपी पुनीत को 21 मई को दिल्ली के अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में आगे की जांच जारी है, ताकि इस पूरे रैकेट से जुड़े अन्य लाभार्थियों और संस्थाओं की पहचान की जा सके।

### आदिवासी सभा के कारण आज यातायात रहेगा बाधित

**नई दिल्ली।** यातायात पुलिस ने लाल किले में रविवार को होने वाले 'जनजाति सांस्कृतिक समागम' से पहले एक संशोधित परामर्श जारी कर चेतावनी दी कि मध्य और उत्तरी दिल्ली में भारी यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में लगभग एक लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। यातायात पुलिस द्वारा जारी परामर्श के मुताबिक, जनजाति जागृति समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में श्यामगिरि मंदिर, रामलीला मैदान, राजघाट, कुदेसिया पार्क और अजमेरी गेट से शुरू होकर लाल किले पर आकर समाप्त होने वाली कई 'शोभा यात्राएं' शामिल होंगी। पुलिस ने बताया कि 24 मई को बड़ी शोभायात्राओं के निकलने और प्रतिभागियों के एकत्र होने से कई क्षेत्रों में यातायात प्रभावित होने की संभावना है तथा यात्रियों को प्रभावित मार्गों पर गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। जीटी करनाल रोड, बुलेवर्ड रोड, शाम नाथ मार्ग, लोथियन रोड, नेताजी सुभाष मार्ग, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, आसफ अली रोड, निषाद राज मार्ग और आसपास की कई सड़कों सहित प्रमुख मार्गों पर दोपहर से अलग-अलग समय पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे। नेताजी सुभाष मार्ग पर दिल्ली गेट चौक से छत्ता रेल तक दोनों लेन पर यातायात दोपहर 12 बजे से देर रात तीन बजे तक बंद रहेगा। वहीं निषाद राज मार्ग पर भी देर रात तीन बजे तक प्रतिबंध लागू रहेंगे। राजपुरा रोड, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, सलीमगढ़ बाईपास के पास रिंग रोड, आईटीओ, बीएसजेड मार्ग, डीडीयू मार्ग, मिंटो रोड, चावड़ी बाजार और देश बंधु गुप्ता रोड पर भी यातायात प्रभावित होने की संभावना है। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित अवधि के दौरान बाराखंबा, झंडेवालान और दिल्ली गेट सहित कई स्थानों से बसों व व्यावसायिक वाहनों का मार्ग बदला जाएगा। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन और आईएसबीटी कश्मीरी गेट जाने वाले यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्था व वैकल्पिक मार्गों की सूचना भी जारी की गई है।

### तुगलक रोड इलाके में डकैती का एक और आरोपी पकड़ा

**एजेंसी, नई दिल्ली।** दिल्ली के पॉश तुगलक रोड इलाके में 17 अप्रैल को हुई डकैती के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इसी के साथ मामले में चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एक व्यवसायी और उसके परिजनों को घर में बंधक बनाकर कथित तौर पर लूटपाट की गई थी और इस अपराध में परिवार के नवनियुक्त घरेलू सहायक ने मदद की थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान निहाल हसन उर्फ संजय के रूप में हुई है। उसने बताया कि हसन आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ 20 आपराधिक मामलों में दर्ज हैं।

## पांडव के हत्यारे को बचाने में जुटी पुलिस : सौरभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने उत्तम नगर में पांडव नामक युवक की गोली मारकर की गई हत्या मामले में दिल्ली पुलिस पर आरोपी को बचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आरोपी की पहचान न हो सके, इसलिए पुलिस ने टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड में गोलमाल किया है। पुलिस ने चश्मदीदों के सामने एक जैसे कपड़े, टोपी और नाक-आंखों पर टेप लगाकर 10 लोगों की टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड कराई, ताकि आरोपी की पहचान न हो सके। उन्होंने कहा कि घटना वाली रात आरोपी ने न तो टोपी और ना ही मुंह पर टेप लगा था। वह कैमरे पर पकड़ा गया था। इसके बाद भी मुंह और नाक पर टेप लगाकर टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड कराने से साफ है कि पुलिस उसे बचाने की कोशिश कर रही है। प्रैसवार्ता में शनिवार को सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज से करीब एक महीने पहले दिल्ली में द्वारका के नजदीक उत्तम नगर इलाके में पांडव नाम के एक नवयुवक की हत्या एक स्पेशल सेल के पुलिसकर्मी ने सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि वह बिहार से था। उससे पूछा गया कि वह कहां से है। जब उसने बताया कि वह बिहार से है, तो बिहार के नाम पर गाली देकर उस नौजवान को सर्विस रिवॉल्वर से गोली मार दी गई। उसके साथ मौजूद दूसरा व्यक्ति भी घायल हो गया था। तब से मृतक पांडव का परिवार न्याय मांग रहा है, लेकिन आज इन लोगों से बात करने के बाद कह सकते हैं कि दिल्ली पुलिस इस मामले में लीपापोती करने में लगी हुई है। सौरभ ने कहा कि जिस तरीके से मामला चलाया जा रहा है, उससे पुलिस और जांच एजेंसी की यही कोशिश लग रही है कि इसमें किसी को सजा न हो।

### पुलिसकर्मियों ने आग में फंसे तीन को बचाया

**नई दिल्ली।** शाहदरा जिले के अजीत नगर में पुलिसकर्मियों ने एक घर में लगी आग में फंस गये परिवार को बाहर निकाल समय से अस्पताल पहुंचा उनकी जान बचाने का साहसी कार्य किया है। दरअसल खाना बनाते समय गैस सिलेंडर लीक होने के कारण आग लगी थी। बीट स्टाफ के समय पर हस्तक्षेप से परिवार के लोगों की जान बच गई। सीनियर अफसरों ने भी साहसी पुलिसकर्मियों की पीठ थपथपाई है। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार शाहदरा जिले के अधिकार क्षेत्र में अजीत नगर, गली नंबर 09, मकान नंबर 4332 में आग लगने की एक घटना शनिवार को सामने आई। आग खाना बनाते समय गैस सिलेंडर लीक होने के कारण लगी थी। घटना के समय शाहदरा पुलिस का बीट स्टाफ जिसमें एएसआई कुलदीप, हेड कांस्टेबल राहुल, कांस्टेबल विपिन और सनी शामिल थे आस-पास के इलाके में अपनी नियमित गश्त ड्यूटी पर था। आग को देखते ही और यह पता चलते ही कि अंदर लोग फंसे हुए हैं, पुलिसकर्मी बिना किसी अतिरिक्त मदद का इंतजार किए तुरंत मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचने पर पुलिस टीम ने पाया कि घर की पहली मंजिल पर स्थित एक कमरे में तीन लोग फंसे हुए थे, जो पूरी तरह से आग की लपटों की चपेट में था। असाधारण साहस, सूझ-बूझ और जन सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, पुलिस स्टाफ प्रभावित परिसर में दाखिल हुआ और आग में फंसे तीनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घायलों में अरशद अली (34), अरशाना (28) और एक वर्षीय अरमान अली शामिल है।

एक महीने के दौरान कई आगजनी की घटनाएं सामने आ चुकी है

# अग्निशमन यंत्रों पर नहीं अंकित है वैधता अवधि, सुरक्षा मानकों की हो रही अनदेखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में आगजनी की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकारी विभागों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं। ताजा मामला बवाना विधानसभा क्षेत्र स्थित दिल्ली जल बोर्ड (रा.रा. क्षेत्र दिल्ली सरकार) के 'जल संसोधन संयंत्र 20 एम.जी.डी. बवाना' से सामने आया है, जहां परिसर में लगे अग्निशमन यंत्रों की वैधता और रखरखाव को लेकर गंभीर लापरवाही देखने को मिली है। यह जल संयंत्र बवाना-नरेला रोड पर घोगा डेयरी के पास स्थित है। बता दें कि हाल ही में यहां लोक निर्माण विभाग मंत्री द्वारा नाला निर्माण संबंधी एक कार्यक्रम था और इस अवसर पर सांसद, विधायक, भाजपा कार्यकर्ता, अधिकारी क्षेत्रीय गणमान्य लोग परिसर में मौजूद थे। यहां परिसर में लगाए गए अग्निशमन यंत्रों पर कहीं भी यह अंकित नजर नहीं आया कि इन्हें कब लगाया गया था और इनकी एक्सपायरी या सर्विसिंग की निर्धारित तिथि क्या है। ऐसे में किसी भी आपातकालीन स्थिति में ये उपकरण कार्य करेंगे या नहीं, इस पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। वहीं, इस संबंध में दिल्ली जल बोर्ड प्रवक्ता से संपर्क किया लेकिन उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

गौरतलब है कि दिल्ली में पिछले एक महीने के दौरान कई आगजनी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें जान-माल का भारी नुकसान हुआ। इन घटनाओं के बाद दिल्ली सरकार और संबंधित मंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त करते हुए दावा किया था कि राजधानी में आग की घटनाओं को रोकने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए व्यापक तैयारी की जा रही है। इसके बावजूद दिल्ली जल बोर्ड जैसे महत्वपूर्ण सरकारी संस्थान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी प्रशासनिक कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगा रही है।

**भविष्य में हो सकता है कोई बड़ा हादसा**

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते अग्निशमन उपकरणों की जांच और रखरखाव नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। मांग की जा रही है कि दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित विभाग तत्काल इस मामले की जांच कर परिसर में मौजूद सभी अग्निशमन यंत्रों की वैधता, सर्विसिंग और सुरक्षा मानकों की समीक्षा करे, ताकि कर्मियों और यहां आने वाली जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

**अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

धारा 82 Cr. P.C. / 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **विशाल, पुत्रः शंभू,** पताः म.नं. 53A, ब्लॉक-Z, देवेंद्र पब्लिक स्कूल, नारायणा विहार, प्रेम नगर–2, किरारी दिल्ली, ने **FIR No. 36794/2023 (e-FIR), U/s: 379/411 IPC, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, थानाः प्रेम नगर, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **विशाल,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **विशाल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 36794/2023 (e-FIR), U/s: 379/411 IPC, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, थानाः प्रेम नगर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **विशाल,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शगुन एलडी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी
(उत्तर पश्चिम) कोर्ट नंबर 109,
रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/6336/RD/2026
(Court Matter)

**अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

धारा 82 Cr. P.C./84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **आशीष उर्फ गोलू, पुत्रः राजेश कुमार,** पताः E-5, राजीव नगर एक्सटेंशन, बेगमपुर, दिल्ली, ने **FIR No. 702/2018, U/s: 25/54/59 Arms Act, थानाः शाहबाद डेयरी, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **आशीष उर्फ गोलू,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **आशीष उर्फ गोलू,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 702/2018, U/s: 25/54/59 Arms Act, थानाः शाहबाद डेयरी, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **आशीष उर्फ गोलू,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती बेनीवाल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05,
(उत्तर), कोर्ट रूम नंबर 114, पहली मंजिल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/6464/ON/2026
(Court Matter)

### सीएम रेखा गुप्ता ने किया तीन 'अल्ट्रा-मॉडर्न' एयर प्यूरीफायर्स का निरीक्षण

# फिल्टर-रहित तकनीक से शुद्ध होगी हवा सोर्स पर ही दबोचा जाएगा वाहनों का धुआं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में अब केवल सर्दियों में नहीं, साल के 365 दिन प्रदूषण के खिलाफ जंग जारी रहेगी। जिसमें दिल्ली की हवा को शुद्ध करने के लिए फिल्टर-रहित तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा साथ ही वाहनों के धुएं को उनके सोर्स पर ही दबोचा जाएगा।

सरकार के प्रयास का निरीक्षण करने के लिए शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में स्थापित तीन अत्याधुनिक 'मेड इन इंडिया' एयर प्यूरीफिकेशन टेक्नोलॉजी का निरीक्षण किया। ये सभी तकनीकें विशेष रूप से शहरी वायु प्रदूषण, धूल, धुएं, पीएम 2.5, पीएम 10 और अन्य हानिकारक प्रदूषकों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से विकसित की गई हैं। इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी अत्याधुनिक प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का अवलोकन किया और अधिकारियों से उनकी कार्यप्रणाली, प्रदूषण में कमी लाने की क्षमता तथा प्राप्त परिणामों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने इन तकनीकों के संचालन, रखरखाव, क्षमता और दिल्ली में व्यापक स्तर पर इनके संभावित उपयोग को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि प्रदूषण के विरुद्ध दिल्ली का अभियान केवल सर्दियों के कुछ महीनों तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्ष के 365 दिनों तक स्वच्छ हवा और बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने का संकल्प है। दिल्ली सरकार पारंपरिक उपायों के साथ-साथ नवीन तकनीकों, वैज्ञानिक रिसर्च और इनोवेशन आधारित समाधानों को भी प्राथमिकता दे रही है ताकि राजधानी को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में ठोस और स्थायी परिणाम प्राप्त किए जा सकें।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले सत गुरु राम सिंह मार्ग (रामा रोड) पर लगाए गए एसटीआर 101 फिल्टर-रहित एयर प्यूरीफायर सिस्टम का निरीक्षण किया। इस मार्ग के बीचों-बीच बिजली के खंभों पर इसकी कुल 21 इकाइयां स्थापित की गई हैं। यह आधुनिक आउटडोर एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम हवा में मौजूद धुआं, धूल, पीएम 1, पीएम 2.5, पीएम 10, कार्बन कणों समेत अन्य प्रदूषकों को कम करने में सक्षम है। इसकी हाई-फ्रीक्वेंसी चिप तकनीक हवा में मौजूद बैक्टीरिया और वायरस को भी निष्क्रिय करने का काम करती है, जिससे वायु गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

सीएम ने बताया कि यह प्रणाली प्रति घंटे करीब तीन लाख लीटर हवा को शुद्ध करने की क्षमता रखती है। यह सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों को कम करने में भी मदद करती है।

#### 'मेक इन इंडिया' विजन को भी मजबूती प्रदान करती है यह पहल : सिरसा

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी में वाहनों और वातावरण से होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने के लिए आधुनिक, वैज्ञानिक और प्रभावी तकनीकों का जमीनी स्तर पर परीक्षण कर रही है। रामा रोड पर एसटीआर 101 फिल्टरलेस एयर प्यूरीफायर की 21 इकाइयां लगाई गई हैं, जो प्रति घंटे करीब तीन लाख लीटर हवा को प्रोसेस कर पीएम 2.5, पीएम 10, धूल, धुएं और अन्य हानिकारक गैसों को कम करने का काम कर रही हैं। यह आईओटी आधारित पूरी तरह स्वचालित प्रणाली है, जो मौसम और आर्द्रता के अनुसार खुद संचालित होती है तथा बारिश होने पर स्वतः बंद हो जाती है। उन्होंने बताया कि यह डिवाइस प्रदूषित हवा को खींचकर इलेक्ट्रोस्टैटिक और डस्ट सेपरेशन तकनीक के जरिए उसे शुद्ध करता है और साफ हवा वापस वातावरण में छोड़ता है। इसमें एकत्रित होने वाले पार्टिकुलेट मैटर को सुरक्षित तरीके से निकालकर ईंटों के रूप में निस्तारित किया जाता है, ताकि वह दोबारा वातावरण में न फैल सके।

## अवैध तरीके से खोल दिया बकरा बाजार, लोगों में रोष

मुख्यमंत्री से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

रामलीला मैदान स्थित नेहरु हिल पार्क को अवैध तरीके से बकरा बाजार बनाए जाने से स्थानीय निवासियों में रोष व्याप्त है जिसके चलते दिल्ली गेट वार्ड क्षेत्र के नागरिकों का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को दिल्ली भाजपा नेता अमित गुप्ता के साथ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिला। इस दौरान उन्होंने नेहरू हिल पार्क में लगे अवैध बकरा बाजार को नगर निगम आवंटन रसीद काट करके अवैध बकरा बाजार कब्जे को वैध किए जाने को रद्द करने की मांग की। भाजपा नेता अमित गुप्ता ने कहा कि विगत 70 साल में मिली जुली आबादी वाले इस क्षेत्र के इस नेहरु हिल पार्क में कभी बकरा बाजार नहीं लगा और आज जब दिल्ली सरकार साफ कह रही है कि किसी सार्वजनिक स्थल पर बकरे नहीं काटने दिए जायेंगे, ऐसे में नगर निगम द्वारा पार्क का आवंटन गलत है और हमने मुख्यमंत्री से इसे रद्द करवाने की मांग की है और उन्होंने हमें उचित कार्रवाई करने को लेकर आश्वस्त किया है।

भाजपा नेता अमित गुप्ता ने आरोप लगाते हुए बताया कि दिल्ली नगर निगम अधिकारियों द्वारा दिल्ली गेट वार्ड के माता सुंदरी रोड़ क्षेत्र के कुछ अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े असमाजिक तत्वों के दबाव में रामलीला मैदान स्थित नेहरु हिल पार्क को एक फर्जी आरडब्ल्यूए को आवंटित किया गया और ऐसा होने से यहां की मिली जुली आबादी के क्षेत्र के सभी समुदायों के सभ्य नागरिकों में रोष है। करीब 8 मई 2026 से कुछ असमाजिक तत्वों ने पहली बार रामलीला मैदान के सामने स्थित नेहरू हिल पार्क पर कब्जा कर वहां बकरे बांध कर ईद का बकरा बाजार खोल दिया।

### खबर संक्षेप

#### केंद्र सरकार देशवासियों को दे रही धीमा जहर: केजरीवाल

**नई दिल्ली**। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पिछले 10-15 दिनों में तीसरी बार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाने पर केंद्र सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाकर देशवासियों को धीमा जहर दे रही है। 10-15 दिनों में पेट्रोल-डीजल 4-5 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। देश भर में तेल-गैस के बढ़ते दामों और किल्लत की वजह से हाहाकार मचा है, लेकिन सरकार कुछ देशवासियों को कुछ बताने के लिए तैयार ही नहीं है। उन्होंने कहा कि रूस और ईरान, भारत को सत्ता तेल-गैस देने को तैयार हैं, लेकिन सरकार लेने को तैयार नहीं है।

#### शोरूम में लगी आग

**नई दिल्ली**। दिल्ली के किंग्सवे कैंप मार्केट स्थित एक शोरूम में शनिवार सुबह भीषण आग लगने से भारी मात्रा में सामान जलकर खाक हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस को उत्तर-पश्चिम दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित बाटा शोरूम में लगी आग के संबंध में सुबह लगभग छह बजकर 52 मिनट पर सूचना मिली। एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि आग सबसे पहले शोरूम के भूतल पर लगी थी। पुलिस ने बताया कि दुकान का शटर तुरंत नहीं खोला जा सका, जिसके कारण आग की लपटें तेजी से पहली और दूसरी मंजिल तक फैल गईं। पुलिस ने बताया कि आग से शोरूम को भारी आर्थिक नुकसान हुआ क्योंकि ज्यादातर सामान जलकर खाक हो गया। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

## कुतुबगढ़ कॉलोनी में 4.82 करोड़ की विकास परियोजना का शिलान्यास

*दिल्ली देहात को मिल रही जलभराव और गड्ढों की समस्या से मुक्ति : इंद्राज*

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली देहात में विकास कार्यों की निरंतर चल रही श्रृंखला के तहत शनिवार को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के बवाना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुतुबगढ़ कॉलोनी में लगभग 4 करोड़ 82 लाख रुपये की विकास परियोजना का शिलान्यास मंत्री और स्थानीय विधायक रविंद्र इंद्राज सिंह ने किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, क्षेत्रीय नागरिक एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी पहलों पर विश्वास व्यक्त किया। इस अवसर पर मंत्री इंद्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और दिल्ली देहात का विकास सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार के बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अब ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और जनसुविधाओं के विकास पर केंद्रित किया जा रहा है जिससे गांवों में रहने वाले लोगों को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहात का विकास अब रुकने वाला नहीं है और एक के बाद एक शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्य लगातार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार जनता की अपेक्षाओं से बढ़कर कार्य करने के लिए प्रयासरत है तथा विभिन्न सरकारी एजेंसियों के समन्वय से विकास परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

## पासपोर्ट सेवा केंद्रों की तर्ज पर विकसित होंगे मॉडल रजिस्ट्रार कार्यालय

**प्रॉपर्टी रजिस्ट्री व्यवस्था को पारदर्शी, तकनीक आधारित और जन हितैषी बनाया जाएगा : रेखा**

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार पासपोर्ट सेवा केंद्रों की तर्ज पर राजधानी के सभी रजिस्ट्रार कार्यालयों को विकसित करेगी। यह फैसला हाल ही में अधिकारियों के साथ एक बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि राजधानी के सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में आने वाले नागरिकों को सम्मानजनक, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं मिलनी चाहिए।

इसी उद्देश्य से सरकार ऐसे मॉडल पर काम कर रही है, जिसमें लंबी कतारों, अव्यवस्था, तकनीकी बाधाओं और अनावश्यक हस्तक्षेप को समाप्त किया जा सके। प्रस्तावित मॉडल के तहत रजिस्ट्रार कार्यालयों में नागरिकों को एयरपोर्ट और पासपोर्ट सेवा केंद्रों जैसी आधुनिक सुविधाएं और प्रोफेशनल सेवा अनुभव उपलब्ध कराने की योजना है। मुख्यमंत्री के अनुसार इन मॉडल केंद्रों में वातानुकूलित प्रतीक्षालय, हेल्प डेस्क, डिजिटल सहायता केंद्र, प्रशिक्षित स्टाफ, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, स्मार्ट टोकन प्रणाली और रियल टाइम एप्लीकेशन ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और अधिकतर प्रक्रिया तकनीक आधारित एवं व्यवस्थित तरीके से पूरी हों। मुख्यमंत्री के अनुसार इन आधुनिक कार्यालयों का लुक शानदार होगा और वहां आधुनिक हार्डवेयर और नवीनतम अपडेट से सॉफ्टवेयर सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा।

वहां ऑनलाइन अप्वाइंटमेंट, प्री-चेक सेवाएं, लाइव एप्लीकेशन ट्रैकिंग और स्मार्ट टोकन सिस्टम के माध्यम से लोगों का इंतजार समय कम करने और पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया गया है।

#### एआई, फेस ऑथेंटिकेशन आधारित सुरक्षा व्यवस्था

मुख्यमंत्री के अनुसार भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा और सत्यापन तंत्र पर विशेष फोकस किया गया है। साथ ही एआई आधारित फेस रिकग्निशन तकनीक के माध्यम से आवेदकों की पहचान सुनिश्चित करने, बैकग्राउंड सत्यापन तथा ब्लॉकचेन आधारित रिकॉर्ड सुरक्षा लागू करने की व्यवस्था भी की जाएगी। नई व्यवस्था में संपत्ति दस्तावेजों को छेड़छाड़-मुक्त बनाने, फर्जीवाड़े को रोकने तथा विवादों को कम करने के लिए डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन, जियो-फेंसिंग और सुरक्षित डेटा इंटीग्रेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। निजी भागीदारों की सहायता से नए प्रीमियम मॉडल रजिस्ट्रार केंद्र का वैधानिक अधिकार और अंतिम निर्णय लेने की शक्तियां पूरी तरह सरकारी अधिकारियों के पास ही रहेंगी।

#### दिल्ली नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड द्वारा एटीएम एवं डेबिट कार्ड सेवा शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड ने शनिवार को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बैंक की एटीएम एवं डेबिट कार्ड सेवा शुरू कर दी है। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के समाज कल्याण एवं सहकारिता मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन हिन्दी भवन, विष्णु दिगम्बर मार्ग, आईटीओ, नई दिल्ली में किया गया। इस अवसर पर बैंक द्वारा पहली बार एटीएम सेवा की शुरुआत के साथ-साथ गोल्ड लोन सुविधा का भी शुभारंभ किया गया। बैंक की ओर से डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार तथा ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक एवं आधुनिक बैंकिंग अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न नई पहलों की जानकारी भी साझा की गई। मंत्री इंद्राज ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता क्षेत्र आम नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सहकारिता से समृद्धि' के विजन को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली में सहकारी संस्थाओं को आधुनिक तकनीकों और डिजिटल सेवाओं से जोड़ा जा रहा है।

## अवैध होर्डिंग्स और अतिक्रमण हटाने के नेता सदन ने दिए निर्देश

बख्तावरपुर वार्ड में अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली देहात के इलाकों में बढ़ती अवैध होर्डिंग्स और अवैध अतिक्रमण की समस्या को देखते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नेता सदन जय भगवान यादव ने अधिकारियों को एक्शन लेने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि गुरूवार को नेता सदन ने नरेला ज़ोन के वार्ड नंबर-5 बख्तावरपुर क्षेत्र का दौरा कर सफाई व्यवस्था, नालों की सफाई, नागरिक बुनियादी ढांचे और जनसुविधाओं का निरीक्षण किया। नेता सदन जय भगवान यादव ने लगे अवैध होर्डिंग्स और अतिक्रमण हटाने, पेड़ों की नियमित छंटाई कराने, धूल प्रभावित स्थानों पर पानी का छिड़काव करने तथा मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान उनके साथ क्षेत्रीय पार्षद जनता देवी, अतिरिक्त आयुक्त संजीव कुमार मित्तल, उपायुक्त रघुवेंद्र मीणा तथा एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

#### नालों की समय पर सफाई सुनिश्चित की जाए

निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में चल रहे विकास एवं सफाई कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी संबंधित विभागों के समन्वय से नालों की समय पर सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि जलभराव की समस्या न हो।

#### मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता

नेता सदन जय भगवान यादव ने कहा कि नागरिकों को बेहतर सफाई व्यवस्था और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं और क्षेत्र की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।

#### कई इलाकों में जल निकासी न होने से गल रही पेड़ों की जड़ें

**नई दिल्ली**। देश की राजधानी दिल्ली में हर वर्ष मानसून के आगमन से पहले बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। सरकार और संबंधित विभाग लाखों पौधे लगाने के दावे करते हैं, लेकिन दूसरी ओर वर्षों पुराने हरे-भरे पेड़ों के संरक्षण और रखरखाव की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। राजधानी के कई इलाकों में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण पेड़ों की जड़ें लगातार गल रही हैं, जिससे मजबूत दिखने वाले पेड़ अंदर से कमजोर होकर सूखने और गिरने लगे हैं। जागरूक लोगों को कहना है कि एक परिपक्व हरा-भरा पेड़ तैयार होने में वर्षों लग जाते हैं। यदि सरकार ने समय रहते इनकी सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया तो दिल्ली की हरियाली केवल सरकारी आंकड़ों और पौधारोपण अभियानों तक सीमित होकर रह जाएगी।
बता दें कि दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में गत वर्ष अचानक पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे लोगों की जान जोखिम में पड़ी और कई स्थानों पर वाहन तथा सार्वजनिक संपत्ति भी क्षतिग्रस्त हुई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन नई पौध लगाने के प्रचार में व्यस्त है, लेकिन पहले से मौजूद बड़े और पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पेड़ों की देखभाल पर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही।

### सड़क-नालियों, पार्क सौंदर्यीकरण व सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों का शुभारंभ

## शालीमार बाग-पीतमपुरा में विकास कार्यों को मिली रफ्तार: रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और निरीक्षण कर क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान की। इस दौरान उन्होंने एडी ब्लॉक शालीमार बाग एवं एपी ब्लॉक पीतमपुरा में नागरिक सुविधाओं से संबंधित अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण किया तथा केपी ब्लॉक कॉम्प्लेक्स और मुनक नहर स्थित छठ घाट निर्माण कार्य का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने एडी ब्लॉक शालीमार बाग में सड़कों, नालियों और गलियों के निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। इसके साथ ही पार्कों में वॉक-वे व बाउंड्री वॉल निर्माण, डीडीए मार्केट में सार्वजनिक शौचालय, पार्किंग, सड़क एवं ड्रेनेज सिस्टम के विकास कार्यों का भी शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कार्यों से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि जलभराव की समस्या में कमी आएगी, सार्वजनिक स्थलों की उपयोगिता बढ़ेगी और क्षेत्र का स्वरूप भी बेहतर होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार समय की आवश्यकता है और दिल्ली सरकार इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। रेखा गुप्ता ने पीतमपुरा स्थित केपी ब्लॉक कॉम्प्लेक्स का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता मानकों और समय-सीमा की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित समयावधि में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं ताकि स्थानीय नागरिकों को शीघ्र लाभ मिल सके।

#### मुनक नहर स्थित छठ घाट निर्माण कार्य का सीएम ने किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने मुनक नहर के निकट निर्माणाधीन छठ घाट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्थाओं से जुड़े स्थलों के विकास और आधुनिकीकरण के लिए भी प्रतिबद्ध है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य केवल बड़े स्तर की परियोजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक कॉलोनी, पार्क, बाजार, सड़क और मोहल्ले तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरकार स्थानीय स्तर पर आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

## एमसीडी ने तेज किया 'धूल मुक्त सड़क' अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सभी 12 जोनों में व्यापक "धूल मुक्त सड़क" अभियान एवं विशेष स्वच्छता अभियान तेज कर दिए हैं। इन अभियानों के तहत शहरी स्वच्छता में सुधार और धूल प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों, वाटर स्प्रिंकलरों, जेटिंग मशीनों तथा स्वच्छता कर्मियों की तैनाती की जा रही है।

दिल्ली नगर निगम प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पूरे शहर में नियमित निगरानी, मैकेनाइज्ड स्वच्छता व्यवस्था तथा जनभागीदारी के माध्यम से निगम स्वच्छ, धूल-मुक्त एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। करोल बाग जोन में एमसीडी ने 18 मई से 15 दिवसीय "डस्ट फ्री रोड्स" अभियान शुरू किया, जिसके अंतर्गत गिरधारी लाल गोस्वामी मार्ग, वंदे मातरम् मार्ग, शंकर रोड, रानी झांसी रोड, डीबी गुप्ता रोड एवं नजफगढ़ रोड सहित प्रमुख पीडब्ल्यूडी सड़कों को कवर किया गया। अभियान के दौरान मैकेनाइज्ड सफाई, सड .क किनारे जमा धूल एवं मलबा हटाने, फुटपाथ धुलाई तथा नियमित जल छिड़काव किया गया। 21 मई 2026 तक लगभग 15.2 किमी सड़कों की सफाई की गई तथा करीब 20.8 मीट्रिक टन धूल एवं 9.2 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया।

**खबर संक्षेप**

### जनगणना कर्मी को पड़ोसी ने गोली मारी

**गाजियाबाद।** थाना मुरादनगर में, शनिवार को एक व्यक्ति को उसके पड़ोसी ने गोली मार दी। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवक की गलती सिर्फ इतनी थी, कि उसने जन गणना कर्मी को उसके मकान का पता बता दिया था। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि दिन में करीब 11:00 बजे जरिए 112 सूचना प्राप्त हुई, कि एक व्यक्ति वीरेंद्र त्यागी उम्र करीब 55 वर्ष को उसके पड़ोसी रामपाल चौधरी ने गोली मार दी है। वीरेंद्र त्यागी को तत्काल उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। रामपाल चौधरी को हिरासत में ले लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में रामपाल चौधरी ने बताया कि जनगणना कर्मियों को वीरेंद्र त्यागी उनके घर पर लाया था, इस बात से नाराज था। इसी वजह से उसने घटना को अंजाम दिया है। तहरीर प्राप्त कर अभियोग पंजीकृत किया गया है।

### स्कूल की छत पर गिरी मकान की दीवार, 4 गंभीर

**फरीदाबाद।** नहर पार भारत कालोनी में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया जब प्राइवेट स्कूल के साथ बन रही निर्माणाधीन इमारत की दीवार अचानक स्कूल की छत पर गिर गई। दीवार गिरने से स्कूल की छत टूटकर नीचे आ गिरी। हादसे में 4 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कुछ अन्य बच्चों को भी चोटें आई हैं। इसके तुरंत बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। स्कूल स्टाफ ने किसी तरह बच्चों को निकाला। साथ ही सभी घायलों को इलाज के लिए बीके अस्पताल लेकर जाया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। जानकारी के मुताबिक शनिवार को अचानक तेज आंधी के कारण स्कूल के साथ बनाए जा रहे कई मंजिल के मकान की दीवार का एक बड़ा हिस्सा स्कूल की छत पर आकर गिर गया।

संस्था ने यह शुरुआत की है। उनके सभी सदस्यों ने कहा कि गौ-माता की सेवा करना परम सौभाग्य है।

गाजियाबाद में गौ माता के लिए छप्पन भोग का भंडारा

**खास बातें**

- गौमाता हमारे देश में भूखी नहीं रहेंगी
- उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं
- सनातन धर्म में गौ-माता का स्थान सर्वोत्तम स्थानों में एक है

# 56 प्रकार की सब्जियां, फल, पंचमेवा, छप्पन भोग की मिठाई, गुड़, सेंधा नमक, सात प्रकार के अनाज, एवं हलुवा पूरी प्रसाद का लगाया भोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में गौ माता के लिए छप्पन भोग का भंडारा आयोजित किया गया। जिसमें 56 प्रकार की सब्जियां ,फल आदि भोग लगाया गया। योगाचार्य देवेंद्र हितकारी ने इस मौके पर कहा कि शादियों में बहुत सारा अन्न डस्टबिन में लोग डाल देते है, अन्न का निरादर करने से भगवान जी नाराज होते हैं उसमें से कुछ अन्य गौ माताओं की गौशाला में भिजवा दिया जाए तो और गोमाता हमारे देश में भूखी नहीं रहेंगी, उनकी कोई सुध लेने वाला नहीं है। संस्था के माध्यम से हम आग्रह करना चाहते हैं कि कुछ अपनी कमाई हुए धन में से बचाकर गौ माता की सेवा में हराचारा व भूसा जरूर डालें।

कभी आपके जीवन में अमंगल नहीं होगा। यह एक बहुत अच्छी पहल है परिवार सांवरे की संस्था ने यह शुरुआत की है। उनके सभी सदस्यों ने कहा कि गौ-माता की सेवा करना परम सौभाग्य है। सनातन धर्म में गौ-माता का स्थान सर्वोत्तम स्थानों में एक है। दिनेश गोयल कांति शांति वाले, सुशील प्रधान, अनिल अग्रवाल सांवरिया, प्रदीप सिंघल, सुनील गर्ग, देवेंद्र हितकारी,एमसी गौड़, राजू कंसल,आरबी शर्मा, अंजलि सिंघल, प्रवीण खादी वाले, पं. कुंज बिहारी गोस्वामी, विजय वर्मा निजी सचिव बीएल वर्मा मंत्री कुलदीप त्यागी पार्षद प्रदीप त्यागी समाजसेवी परिवार सांवरे का के मेंबर्स अभय गोयल, अमित गोयल, सौरभ अग्रवाल शामिल रहे।

उपलब्धि: एंटेरो हेल्थकेयर के सहयोग से गंभीर इमरजेंसी सेवाओं को मिली नई ताकत

# अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद में अत्याधुनिक एएलएस एम्बुलेंस का किया गया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सड़क हादसा हो, हार्ट अटैक या कोई गंभीर मेडिकल इमरजेंसी ऐसे हर मुश्किल पल में समय सबसे बड़ी भूमिका निभाता है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद ने अपनी आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करते हुए दो अत्याधुनिक एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस का अनावरण किया। सेक्टर-88 स्थित ट्रॉमा सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में इन एम्बुलेंसों को एंटेरो हेल्थकेयर के सहयोग से अस्पताल सेवा में शामिल किया गया।

कार्यक्रम में एंटेरो हेल्थकेयर के संस्थापक प्रेम सेठी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद के एडमिनिस्ट्रेटिव डायरेक्टर स्वामी निजामृतानंद पुरी और मेडिकल डायरेक्टर

डां. संजीव के. सिंह ने भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। एंटेरो हेल्थकेयर की वरिष्ठ टीम और समर्थानम संस्था की दिल्ली-एनसीआर इकाई के प्रतिनिधि भी इस मौके पर उपस्थित रहे। नई एम्बुलेंस किसी चलती-फिरती आईसीयू से कम नहीं हैं। इनमें वेंटिलेटर, कार्डियक मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑक्सीजन सपोर्ट, डिफिब्रिलेटर, सक्शन मशीन और जरूरी इमरजेंसी दवाइयों जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसारए इन एम्बुलेंसों से गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचने से पहले ही बेहतर इलाज और निगरानी मिल सकेगी। एंटेरो हेल्थकेयर के संस्थापक प्रेम सेठी ने कहा कि इमरजेंसी के समय सही इलाज तक समय पर पहुंचना किसी भी मरीज के लिए सबसे जरूरी होता है। अमृता हॉस्पिटल के साथ मिलकर इस पहल का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है। अमृतापुरी की यात्रा के दौरान मैंने यहां की सेवा और करुणा आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था को बहुत करीब से महसूस किया था। सम्पूज्य स्वामी निजामृतानंद पुरी ने कहाए श्स्वास्थ्य सेवा केवल अस्पताल की चारदीवारी तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि संकट की घड़ी में मरीज तक तेजी और संवेदनशीलता के साथ मदद पहुंचे। ये नई एम्बुलेंस उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। डॉ. संजीव सिंह ने कहा कि कई बार मरीज की स्थिति इतनी गंभीर होती है कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही इलाज शुरू करना जरूरी हो जाता है। ये एम्बुलेंस मरीजों को रास्ते में ही एडवांस मेडिकल सपोर्ट देने में सक्षम हैं और क्षेत्र में ट्रॉमा व इमरजेंसी केयर को और मजबूत करेंगी।

भारतीय उपभोक्ताओं की कोरियन फूड के प्रति बढ़ती रूचि

## कोरियन फूड की बढ़ती डिमांड के बीच भारत में नोंगशिम की एंट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

दक्षिण कोरिया की प्रमुख फूड कंपनी नोंगशिम को लिमिटेड ने भारत में अपना नया प्रीमियम कोरियन नूडल प्रोडक्ट 'शिन राम्युन किमची स्टिर फ्राय' लॉन्च कर दिया है। कंपनी के मुताबिक यह प्रोडक्ट भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस मौके पर नोंगशिम के प्रेसिडेंट एवं सीईओ जो यांग चूल ने कहा, भारत नोंगशिम के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण और तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। भारतीय उपभोक्ताओं में कोरियन फूड के प्रति बढ़ती रुचि हमारे लिए बड़ा अवसर है। शिन राम्युन किमची स्टिर फ्राय के जरिए हम भारतीय उपभोक्ताओं तक असली कोरियन स्वाद पहुंचाना चाहते हैं और देश में अपनी मौजूदगी मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, वर्तमान में चीन हमारा सबसे बड़ा बाजार है, लेकिन बाजार हिस्सेदारी की वृद्धि के लिहाज से अगले पांच वर्षों में भारत नंबर-1 बाजार बन सकता है। वहीं नोंगशिम इंडिया के सेल्स हेड डैनी जियोंग ने कहा कि भारत में कोरियन फूड कैटेगरी अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी संभावनाएं बेहद बड़ी हैं। आज के उपभोक्ता नए और अलग स्वादों की तलाश में हैं। ऐसे में यह हमारे लिए सही समय है कि हम भारत में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करें।

यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल 11 वर्षीय बच्चे की जान बचाई

## यथार्थ फरीदाबाद के डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल बच्चे पर सफल लाइफ सेविंग सर्जरी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

एडवांस सर्जिकल एक्सपर्टीज और समय पर ईलाज का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए सेक्टर-88 स्थित यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल फरीदाबाद के डॉक्टरों ने 11 वर्षीय मास्टर विवान की जान सफलतापूर्वक बचाई। सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए इस बच्चे को अन्य अस्पतालों ने केस की कॉम्प्लेक्सिटी के कारण इलाज देने से मना कर दिया थाए जिसके बाद उसे बेहद क्रिटिकल हालत में यथार्थ अस्पताल लाया गया। अस्पताल पहुंचने पर बच्चे को एक्यूट एब्डॉमेन की स्थिति में पाया गया, जो ब्लंट एब्डॉमिनल ट्रॉमा के कारण हुआ था। जांच में जेजुनल परफोरेशन (नियर पैंक्रियास), ट्रॉमैटिक हर्निया जिसमें ट्रांसवर्स कोलन शामिल थाए और पायोपेरिटोनियम (पेट में पस और ब्लड

जमा होना) जैसी गंभीर समस्याएं सामने आईं। मरीज को तेज दर्द, सूजन, उल्टी और गंभीर इंफेक्शन भी था, जिससे यह मामला बेहद चुनौतीपूर्ण और जानलेवा बन गया था। यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल सेक्टर-88 फरीदाबाद के सर्जिकल डिसिप्लिन्स के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. बालकिशन गुप्ता ने कहा कि यह एक बेहद क्रिटिकल और कॉम्प्लेक्स ट्रॉमा केस था। मरीज में जेजुनल परफोरेशन के साथ ट्रॉमैटिक एब्डॉमिनल हर्निया था, जिसमें आंत के हिस्से फंसे हुए थे, जिससे पेट के अंदर गंभीर इंफेक्शन फैल चुका था। अंदर पस का काफी ज्यादा जमाव और कई जगहों पर चोट होने के कारण तुरंत सर्जरी करना काफी चुनौतीपूर्ण और रिस्की था। बच्चे की हालत अस्थिर थी और अंदरूनी नुकसान काफी ज्यादा था, ऐसे में जरा सी भी गलती की गुंजाइश नहीं थी।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर विजयनगर में नगर निगम ने शुरू की ई व्हीकल पार्किंग

## डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में 50 नए इलेक्ट्रिक व्हीकल का हो रहा उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर गाजियाबाद नगर निगम ने भी पेट्रोल डीजल की खपत कम करने की पहल की जा रही है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा विजयनगर में इलेक्ट्रिक व्हीकल पार्किंग की शुरुआत की गई है। जिसमें एक बारी में 20 से अधिक डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन इलेक्ट्रिक व्हीकल को चार्ज किया जा सकता है। पहल करते हुए प्रथम चरण में 50 इलेक्ट्रिक व्हीकल डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य कर रहे हैं। डीजल और पेट्रोल की खपत को कम करने का प्रयास सफलतापूर्वक नगर निगम द्वारा किया जा रहा है। मौके पर जाकर नगर आयुक्त ने जायजा लिया गया वरिष्ठ प्रभारी स्वास्थ्य अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश भी मौके पर उपस्थित रहे। जेएस एनवायरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निगम का विशेष सहयोग किया गया है।

जीआईएल ने टाटा प्रोजेक्ट्स से मिलाया हाथ

## गोल्फ कोर्स रोड की तीन लग्जरी प्रोजेक्ट्स के लिए 1,100 करोड़ का किया करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड स्थित अपनी तीन लग्जरी रिहायशी परियोजनाओं के निर्माण के लिए टाटा प्रोजेक्ट्स के साथ साझेदारी की है। यह 1,100 करोड़ रुपए का अनुबंध गोदरेज प्रॉपर्टीज द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा एकल निर्माण कान्ट्रैक्ट है।

यह गोदरेज प्रॉपर्टीज और टाटा प्रोजेक्ट्स के बीच पहली साझेदारी है। इसके जरिए उत्कृष्टता, सुरक्षा और गुणवत्ता पर फोकस करने वाले भारत के दो प्रतिष्ठित ब्रांड एक साथ आए हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर संदीप नवलखे ने कहा कि टाटा प्रोजेक्ट्स के साथ साझेदारी हमारी लग्जरी परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की दिशा में रणनीतिक कदम है। गोल्फ कोर्स रोड भारत के सबसे प्रतिस्पर्धी रिहायशी बाजारों में से एक है। यहां सटीकता, बड़े स्तर पर काम और निरंतर गुणवत्ता जरूरी है। हमारा उद्देश्य डिलीवरी की समयसीमा, निर्माण गुणवत्ता और कार्यक्षमता को मजबूत करना है। टाटा प्रोजेक्ट्स के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट बरुण पाल चौधरी ने कहा कि गोदरेज प्रॉपर्टीज के साथ सहयोग कर खुशी हो रही है। टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार परियोजनाएं विकसित करने में हमारी विशेषज्ञता गोदरेज के विजन के साथ मेल खाती है। हम डिजाइन, गुणवत्ता और रहने योग्य सुविधाओं के नए मानक स्थापित करेंगे। 45 वर्षों से अधिक के अनुभव वाली टाटा प्रोजेक्ट्स ने नई दिल्ली में नई पार्लियामेंट बिल्डिंग, प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। इस साझेदारी के तहत टाटा प्रोजेक्ट्स को गोदरेज की तीन आगामी परियोजनाओं गोदरेज सोरा, गोदरेज एस्ट्रा और गोदरेज समारिस में कोर और शेल निर्माण कार्य का अनुबंध मिला है।

निर्धारित ड्राइंग पर किया जाए प्रोजेक्ट निर्माण का कार्यः नगर आयुक्त

## नगर आयुक्त ने मोहन नगर जोनल कार्यालय और शॉपिंग कंपलेक्स का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मोहन नगर जोन में कराए जा रहे निर्माण के कार्यों का जायजा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने लिया। उन्होंने मोहन नगर जोनल कार्यालय तथा शॉपिंग कंपलेक्स पर चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण निर्माण विभाग टीम के साथ किया। मौके पर चल रहे कार्यों की प्रगति पर समीक्षा की। निर्धारित ड्राइंग के क्रम में चल रहे कार्यों को मैच किया गया, कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने, निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी व टीम उपस्थिति रही । मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि मोहन नगर जोन अंतर्गत बन रहे नए मोहन नगर जोनल कार्यालय जिसमें 12 करोड़ लागत आ रही है। लगभग 1800 मीटर में चार मंजिल बिल्डिंग का निर्माण करने की अंतिम तिथि अप्रैल 2027 में है फाउंडेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है इसके अलावा शॉपिंग कंपलेक्स जो की 980 मी क्षेत्रफल में बन रहा है लगभग 6 करोड़ की लागत से तैयार किया जाएगा चार मंजिल का शॉपिंग कंपलेक्स जिसमें 32 दुकान होगी अप्रैल 2027 तक कार्य पूर्ण करने की तिथि निर्धारित है फाउंडेशन का कार्य किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान दोनों प्रोजेक्ट को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए बारीकी से चल रहे कार्यों की मॉनिटरिंग करने के लिए निर्माण विभाग टीम को कहा संबंधित ठेकेदार को भी नियमों का पालन करते हुए प्रोजेक्ट कंप्लीट करने और जन सुविधा को ध्यान में रखने के लिए कहा गया ।

### जीवा पब्लिक स्कूल में सीआईएससीई चैस और कराटे प्रतियोगिता का आयोजन

**फरीदाबाद।** सेक्टर-21 बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में सीआईएससीई द्वारा आयोजित जोनल खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत चैस और कराटे प्रतियोगिता अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट रणनीति, एकाग्रता एवं खेल कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मेजबान विद्यालय के रूप में जीवा पब्लिक स्कूल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता में लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया स्कूल, द स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल, मातृकिरण स्कूल, शिक्षांतर स्कूल, श्रीराम स्कूल अरावली सहित अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रतियोगिता को सफल एवं यादगार बनाया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नरेन्द्र पुत्र धर्म वीर पता मकान नं. आरजेडटी–1, निहाल विहार, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिर्पोट संख्या 571/24 धारा 3/4/9/55 जी एक्ट 1955 के तहत** थानाः निहाल विहार, नई दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नरेन्द्र** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नरेन्द्र** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिर्पोट संख्या 571/24 धारा 3/4/9/55 जी एक्ट 1955 के तहत** थानाः निहाल विहार, नई दिल्ली **के उक्त नरेन्द्र** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
कोमल गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी – 03
वेस्ट जिला, कमरा नं.292, द्वितीय तल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6713/OD/2026

**अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

(धारा 82 सीआरपीसी/
84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि दो अभियुक्तयों **(1) रीना पत्नी सुधीर प्रसाद और एएनआर (2) भगत जी पताः ग्राउंड फलोर, प्लॉट नंबर 133सी के निकट, खसरा नंबर 143/19, निर्मल विहार, ई–ब्लॉक, गली नंबर6, नजफगढ़, नई दिल्ली–110043 ने सीटी केस संख्या 1675/2024 धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम के तहत** थानाः बाबा हरिदास नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **(1) रीना (2) भगत जी** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **(1) रीना (2) भगत जी** फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीटी केस संख्या 1675/2024 धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम के तहत थाना बाबा हरिदास नगर, दिल्ली के उक्त (1) रीना (2) भगत जी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
हरलीन सिंह
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश
विशेष न्यायलय विद्युत
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/6401/DW/2026

भाजपा महानगर गाजियाबाद द्वारा दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारंभ

# राहुल एंड कंपनी अब राजनीतिक रण में रुदाली रंगरूटों की रंगशाला : नकवी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ को आईटीएस डेंटल कॉलेज सभागार, मुरादनगर में हुआ था। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी रहे, जिन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेसी लश्करे लफ्फाजी की लम्पट लॉबी का गगन चुम्बी गुरूर, गटर चुम्बी सुरूर बकवास बहादुरी का बदनाम बसेरा बनता जा रहा है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल एंड कंपनी अब राजनीतिक रण में रुदाली रंगरूटों की रंगशाला बनती जा रही है, जहां रणबांकुरों की जगह रण छोड़ बहादुरी की प्रतिस्पर्धा चल रही है। श्री नकवी ने कहा कि हालिया चुनावों में पराजय के बाद सत्ता के भूखे दल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले फिर सक्रिय हो गए हैं, लेकिन गठबंधन की गठरी में छेद और महत्वाकांक्षी मतभेद चरम पर हैं। जनता ऐसे अवसरवादी गठबंधनों को पूरी तरह नकार देगी। श्री नकवी ने कहा कि जनादेश की सामन्ती लिंचिंग और वोट चोरी के काल्पनिक आरोपों के बावजूद विपक्ष अपनी परिवारवादी राजनीति और आपसी मतभेदों को नहीं बचा पा रहा है। उन्होंने कहा कि जुगाड़ का जमघट भी जनादेश के पनघट पर पटखनी खा रहा है। लोकतांत्रिक मूल्यों और जनादेश के खिलाफ दुष्प्रचार करने वालों को आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर जनता बार-बार उनकी "खुड़पैची सियासत और खुराफाती विरासत को क्यों नकार रही है। संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने वालों को आड़े

हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि संविधान और वोट चोरी को लेकर फैलाया जा रहा भ्रम अब जनता के बीच पूरी तरह टायं-टायं फिस्स हो चुका है। भाजपा और उसके सहयोगी दल आज देश के 22 राज्यों तथा लगभग 78 प्रतिशत आबादी के बीच सुशासन और विकास का ध्वज फहरा रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी नीतियों, समावेशी विकास और सुशासन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग संकट के समाधान के बजाय सियासी व्यवधान में जुट जाते हैं, ऐसे भय और भ्रम फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ समाज को विश्वास मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 के चुनाव से पहले ही विपक्षी दलों की झांसे की झालर में शॉर्ट सर्किट दिखाई दे रहा है और जनता एक बार फिर उन्हें करारा जवाब देगी। कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं वर्ग संचालन परिचय प्रस्तुत करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग भाजपा की संगठनात्मक शक्ति को और अधिक सुदृढ़ बनाने का माध्यम है। दूसरे सत्र में विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा ने कार्यकर्ता विकास, निर्माण, संभाल एवं दायित्व बोध विषय पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी है। संगठन की मजबूती कार्यकर्ता के संस्कार, समर्पण और अनुशासन पर आधारित होती है तीसरे सत्र में पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने वैचारिक अधिष्ठान विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांत आज भी भाजपा की नीतियों का मूल आधार हैं।

## कानपुर में आईटीबीपी जवानों ने पुलिस कमिश्नरेट घेरा

# 40-50 जवान हथियार लेकर पहुंचे, पुलिसवाले पीछे हटे, अस्पताल पर एक्शन न होने से नाराज थे

कानपुर में आईटीबीपी के जवानों ने पुलिस आयुक्त कार्यालय का घेराव किया। यह विरोध कांस्टेबल विकास सिंह की मां के इलाज के दौरान हाथ कटने के मामले में स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट से असंतुष्टि के कारण था।

एजेंसी ▶▶ कानपुर

देश की सरहदों की हिफाजत में तैनात जवान और दूसरी तरफ उनकी मां के लिए सिस्टम की बेरुखी। कानपुर से आई यह तस्वीर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख देने वाली है।

आईटीबीपी का जवान अपनी मां के कटे हाथ को लेकर इंसाफ के लिए दर-दर भटकता रहा। अस्पताल की लापरवाही और फिर स्वास्थ्य व पुलिस विभाग का ढुलमुल रवैया दिखा तो मां के इंसाफ के लिए आईटीबीपी के कमांडो ने शनिवार को कानपुर पुलिस कमिश्नर कार्यालय का घेर लिया। आईटीबीपी के कांस्टेबल विकास सिंह की मां का उपचार के दौरान हाथ कटने के मामले में स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट से नाराज उनके साथी जवानों ने शनिवार सुबह पुलिस आयुक्त कार्यालय घेर लिया। आईटीबीपी के कमांडेंट गौरव प्रसाद और लाइजनिंग अफसर अर्पित पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल से मिलकर कार्रवाई करने को लेकर बात की। पूरा कार्यालय छावनी में तब्दील हो गया। आईटीबीपी के कमांडेंट ने पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल और अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था विपिन ताडा से मिले। इसके बाद आधे से ज्यादा जवान गाड़ियों से परिसर के बाहर चले गए। लगभग एक घंटे से कमांडेंट समेत अफसर अपर पुलिस आयुक्त विपिन ताडा से बात चली।

### जांच से असंतुष्ट थे

*अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था डा. विपिन ताडा ने बताया कि पीड़ित आईटीबीपी जवान जांच रिपोर्ट के कई बिंदुओं पर असंतुष्ट थे। इसको लेकर वह अपने अधिकारियों और कई जवानों को लेकर आए थे। सीएमओ को बुलाया गया था। पीड़ित जिन बिंदुओं पर असंतुष्ट थे। उनकी पुनः जांच के लिए कहा गया है। जांच में जो भी दोषी मिलेगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।*

### कृष्णा हास्पिटल में भर्ती कराया था जवान की मां को

*महाराजपुर स्थित 32 बटालियन के आईटीबीपी जवान विकास सिंह की मां निर्मला देवी को सांस की परेशानी पर 13 मई को टाटमिल स्थित कृष्णा हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि उपचार के दौरान उनका हाथ काला पड़ गया था, जिसमें संक्रमण फैलने की वजह से उन्हें यहां से पारस हास्पिटल में भर्ती कराना पड़ा और 17 मई को उनका हाथ काटना पड़ा था। डिब्बे में अपनी मां का कटा हाथ लेकर पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचा आईटीबीपी का जवान विकास। वीडियो वॉच*

### कटा हाथ लेकर पहुंचे थे कमिश्नर कार्यालय

*20 मई को विकास अपनी मां का कटा हुआ हाथ लेकर इंसाफ के लिए पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे थे। पुलिस आयुक्त ने प्रकरण में सीएमओ से जांच रिपोर्ट मांगी थी। पुलिस आयुक्त के अनुसार, जांच रिपोर्ट में कुछ भी स्पष्ट नहीं है। पूरी रिपोर्ट संभावनाओं पर आधारित है, जिसमें कहा गया है कि हाथ का इंफेक्शन धर्मा एम्बोलिज्म की वजह से हो सकता है।*

## खबर संक्षेप

### स्कूल में मिड-डे मील में मिली मरी हुई मधुमक्खी

**लखीसराय।** प्राथमिक विद्यालय जोकमेला में मिड डे मिल में मधुमक्खी मिलने से हड़कंप मच गया। थाली में मधुमक्खी पाए जाने के बाद अन्य विद्यार्थियों ने अपनी थाली में परोसा गया भोजन फेंक दिया। जानकारी मिलते ही विद्यालय के प्रधानाध्यापक अन्य शिक्षक मौके पर पहुंचे। थाली में पड़े मधुमक्खी की तस्वीर लेकर विभागीय अधिकारियों को भेजी।

### रांची में 15 थाना व टीओपी प्रभारियों का तबादला

**रांची।** राजधानी में पुलिस विभाग में एक बार फिर बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। रांची एसएसपी के निर्देश पर 15 सब-इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों का अलग-अलग थाना, ओपी, टीओपी और यातायात थानों में तबादला किया गया है। इस संबंध में एसएसपी कार्यालय की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है।

## उत्तर प्रदेश में लागू होगी बाल श्रमिक विद्या योजना

# कामगार बच्चों को पढ़ाएगी योगी आदित्यनाथ सरकार
# आधुनिक एवं डिजिटल रोजगार तंत्र बनाने की योजना

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश के सभी बाल श्रमिकों को शिक्षित करेगी। मुख्यमंत्री ने शनिवार को लखनऊ में श्रम एवं सेवायोजन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इसमें तय किया गया कि सभी लेबर अड्डों को सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि श्रमिक केवल उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि श्रमिकों, युवाओं और कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि बाल श्रमिक विद्या योजना को पूरे प्रदेश में लागू होगी। अभी यह योजना 20 जिलों में चल रही है। जिसमें आठ से 18 वर्ष के कामगार बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलाकर उन्हें आर्थिक मदद दी जाती है।

*मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि श्रमिक केवल उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि श्रमिकों, युवाओं और कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध हों।*

### रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के निर्देश

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही औद्योगिक शहरों के लेबर अड्डे श्रमिक सुविधा केंद्र के रूप में विकसित होंगे। श्रमिकों के लिये सुरक्षित आवास व्यवस्था होगी। सरकार ने राज्य के कामगारों के लिये जर्मनी, जापान और स्लोवाक गणराज्य में रोजगार की संभावनायें तलाशी हैं, इसके लिए युवकों को अंग्रेजी सहित इन देशों का भाषा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और रोजगार सृजन योजना की समीक्षा के दौरान बाल श्रमिक विद्या योजना को प्रदेश के 75 जिलों में चलाने, 'सेवामित्र व्यवस्था' और प्रभावी बनाने, रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि श्रमिक सिर्फ उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रगति की शक्ति हैं। यह भी कहा कि कोई बच्चा आर्थिक मजबूरी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। बाल श्रम प्रभावित क्षेत्रों में अभियान चलाकर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ा जाए। उनके पुनर्वास की व्यवस्था हो।

### लेबर अड्डों को सुविधा केन्द्र में बदलें

*मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि निर्माण श्रमिकों के लिए औद्योगिक शहरों में प्रस्तावित 'लेबर अड्डों' को श्रमिकों के एकत्रीकरण स्थल के रूप में नहीं, बल्कि श्रमिक सुविधा केन्द्र के रूप में विकसित किया जाये। दूसरे क्षेत्रों से आने वाले श्रमिकों के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित आवास सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाया जाये। मुख्यमंत्री ने कानपुर में प्रस्तावित औद्योगिक श्रमिक प्रशिक्षण संस्थान और छात्रावास योजना को तेजी से पूरा कराने का का निर्देश दिया। कानपुर के विष्णुपुरी में 200 प्रशिक्षुओं की क्षमता वाला प्रशिक्षण संस्थान प्रस्तावित है। जहां कारपेंटरी, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, प्लंबर, पेंटर और बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन सहित विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। बेनाझाबर में 200 प्रशिक्षुओं की क्षमता वाला छात्रावास प्रस्तावित है।*

### रोजगार मिशन के भर्ती एजेंसी का लाइसेंस मिला

*सीएम योगी ने जुलाई 2025 में गठित 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन' के माध्यम से युवकों को देश और विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि रोजगार मिशन को विदेश मंत्रालय से भर्ती एजेंसी का लाइसेंस मिल गया है। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी और कानपुर में आयोजित रोजगार कार्यक्रमों के माध्यम से 27,555 युवाओं का चयन किया गया। जिनमें 2300 युवाओं का चयन विदेशों में रोजगार हेतु हुआ। वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश में 3030 रोजगार मेलों और कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रमों के माध्यम से 3,74,776 अभ्यर्थियों को रोजगार दिया गया है। इसी अवधि में 4873 करियर काउंसलिंग कार्यक्रमों में 6,80,469 युवाओं ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इसे सरदार वल्लभभाई पटेल इंडस्ट्रियल एंड एम्प्लॉयमेंटजोन से भी जोड़ा जाए।*

## बिजली कटौती पर ऐक्शन में योगी सरकार

# कई अधिकारियों को किया निलंबित कुछ पर लटकी कार्रवाई की तलवार

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी के भीषण गर्मी के बीच हो रही बिजली कटौती को लेकर योगी सरकार अब ऐक्शन में आ गई। योगी सरकार ने यूपी पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन में लापरवाही पर अफसरों पर बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने दो एग्जीकयूटिव इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया है। कुछ अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की तलवार लटकी है। कभी भी इन पर गाज गिर सकती है। बतादें कि यूपी में पिछले कुछ दिनों से आग बरस रही है। तापमान बढ़ने के कारण लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया है। ऐसे में गर्मी से बचने के लिए बिजली ही एक सहारा है, वह भी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रही है। बिजली कटौती को लेकर कई जिलों में प्रदर्शन भी हुए हैं।

### कटौती को लेकर विधायकों ने भी सीएम को पत्र लिखे

कटौती को लेकर कई विधायकों ने भी सीएम योगी को पत्र भेजे हैं। इसको देखते हुए सीएम योगी ने सख्त रुख अपनाया है। योगी सरकार ने गाजियाबाद में तैनात एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राहुल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। साथ ही उन्हें मेरठ मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है। मेरठ में कार्यरत एग्जीक्यूटव इंजीनियर योगेश कुमार को भी सस्पेंड कर दिया गया है। दोनों अधिकारियों पर विभागीय काम में लापरवाही का आरोप लगा है। शनिवार को हुई इस कार्रवाई को पावर कारपोरेशन में जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भीषण गर्मी में बिजली संकट को लेकर सियासी घमासान भीषण गर्मी के बीच उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बिजली कटौती अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गई है। विपक्षी दलों के साथ-साथ भाजपा के विधायकों ने भी अपने क्षेत्रों में चरमराती बिजली व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही यह मामला सियासी तूल पकड़ चुका है। ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा है कि वे सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सुझावों का स्वागत करते हैं और जनता की शिकायतों के समाधान के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

## पेज एक का शेष

### एम्स की टीम देर रात ..

मेडिकल कराने के बाद 3 बजे उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली। वहीं, ट्विशा के परिजनों की ओर से दिए गए आवेदन पर कोर्ट ने समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने के भी आदेश दिए हैं। शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे पुलिस समर्थ को जबलपुर से भोपाल लेकर पहुंची थी। उसे कटारा हिल्स थाने में रखा गया। थाने के बाहर बैरिकेडिंग कर फोर्स तैनात रही। कोर्ट में पेश करने से पहले पुलिस ने भोपाल के जेपी हॉस्पिटल में उसका मेडिकल टेस्ट भी कराया। ट्विशा के शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम रविवार को होगा। इसके लिए एम्स दिल्ली ने चार वरिष्ठ डॉक्टरों की मेडिकल टीम बनाई गई है। यह टीम आधुनिक उपकरणों के साथ राज्य सरकार के चार्टर्ड विमान से शनिवार देर रात भोपाल पहुंच गई। एसीपी रजनीश कश्यप कौल के नेतृत्व में एसआईटी मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि समर्थ से विस्तृत पूछताछ की जाएगी। घटना वाले दिन की डिटेल भी पूछी जाएगी। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि फरारी के दौरान वह कहां-कहां रहा और किन लोगों ने उसकी मदद की? इधर, ट्विशा के आखिरी मेकअप का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें वह ससुराल के पास स्थित एक ब्यूटी पार्लर में तैयार होती नजर आ रही है। भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ट्विशा के घर के छत के उस हिस्से की तस्वीर भी सामने आई है, जहां उसका शव मिला था। जांच में यह भी सामने आया कि ट्विशा ने 12 मई को सुबह 9:52 बजे भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस में रिजर्वेशन कराया था। वह 15 मई को अजमेर जाने वाली थी, जहां उसके भाई मेजर हर्षित शर्मा की पोस्टिंग है।

### पोस्टमॉर्टम का ...

असल हाइट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में लिखी गई हाइट में फर्क है। ट्विशा की हाइट 5.73 इंच है जबकि पीएम रिपोर्ट में 5.7 इंच लिखी गई है। इस पर पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने तर्क दिया कि इससे जांच में कोई असर नहीं पड़ता है।

### हम गिरिबाला ...

को लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस लगातार समर्थ की तलाश में थी, लेकिन इस बात का अंदाजा नहीं था कि वह सीधे कोर्ट पहुंचकर सरेंडर कर देगा। हम गिरिबाला सिंह से भी पूछताछ करेंगे। हम उनको तीन बार नोटिस दे चुके हैं। वे पूछताछ के लिए नहीं आई हैं इसीलिए उनकी अग्रिम जमानत रद्द कराने के लिए कोर्ट में आवेदन दिया है।

### पवित्र गुफा में 6 से 7 ...

9 किमी और नुनवान-पहलगाम मार्ग पर 8 किमी ट्रैक से बर्फ हटाई जा चुकी है। ट्रैक को 12 फीट चौड़ा करने, सतह सुधारने, रिटेनिंग वॉल और कल्वर्ट बनाने का काम भी चल रहा है। इस बार बेस कैंप में टेंट की जगह प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं। बालटाल और नुनवान रास्तों के दोनों ट्रैक को चौड़ा किया गया है।

### राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री ...

किया था। जहां उन्होंने मदर टेरेसा हाउस यानी मिशनरीज ऑफ चैरिटी के मुख्यालय का भी दौरा किया। उसके बाद वह नई दिल्ली पहुंचे और फिर उनकी प्रधानमंत्री से रुबियो की यह मुलाकात हुई है।

### 14 अप्रैल को हुई थी ...

जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खुला और सुरक्षित बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बातचीत का यह पूरा घटनाक्रम 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के बाद अमेरिका द्वारा की गई होर्मुज की 360 डिग्री समुद्री तटीय नाकेबंदी की घोषणा के बीच सामने आया था।

### आज जयशंकर संग ...

वक्त में समूह देशों के अन्य विदेश मंत्री जैसे जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वांग इस अहम बैठक में भाग लेने के लिए स्वदेश पहुंचेंगे।

**गोर ने की निमंत्रण की पुष्टि** : भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पोस्ट में लिखा, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी को भविष्य में अमेरिका के व्हाइट हाउस की यात्रा करने के लिए निमंत्रण दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि विदेश मंत्री रुबियो के साथ पीएम मोदी के साथ बैठक में शामिल होना शानदार रहा है। हमारे बीच उत्पादक चर्चा हुई है। जिसमें सुरक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में दोनों देशों के सहयोग को और अधिक गहरा करने के तरीकों को शामिल किया गया है। यह ऐसे क्षेत्र हैं, जो न केवल भारत, अमेरिका को मजबूत करते हैं। बल्कि एक खुले हुए स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र को भी बढ़ावा देते हैं। अमेरिकी राजदूत ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा कि भारत, अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार देश है।

**साझेदारी को मिलेगी मजबूती- जायसवाल** : विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में बताया कि 23 मई से अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा की आधिकारिक रूप से शुरुआत हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी में उनका हार्दिक स्वागत है। उनकी यह यात्रा भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

### अमेरिकी विदेश मंत्री ...

और खाड़ी क्षेत्र में जारी ईरान के युद्ध के बीच रुबियो की भारत की यह पहली आधिकारिक यात्रा है। मार्को रुबियो की यह यात्रा चार दिवसीय है। जिसकी शुरुआत 23 मई को हुई और समापन 26 मई को होगा।

### ईरान का ट्रंप को ...

हम एक पूरी रिजीम को बदलना चाहते हैं। जहां एक बिलकुल अलग, स्मार्ट और कम कट्टरपंथी दिमाग वाले लोगों की जीत होगी। शायद यह बेहद क्रांतिकारी और बहुत अच्छा होगा। कौन जानता है? जिसका पता हमें आज रात चल जाएगा। यह दुनिया के एक लंबे और जटिल इतिहास का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पल होगा। 47 साल के शोषण, भ्रष्टाचार और मृत्यु के खेल का आखिरकार अंत हो जाएगा। भगवान ईरान के महान लोगों को हमेशा सलामत रखे'। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह पोस्ट ट्रूथ सोशल पर की थी।

**मिस्री की अमेरिका यात्रा के बाद आए रुबियो** : गौरतलब है कि अमेरिका के विदेश मंत्री की यह यात्रा भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री द्वारा की गई अमेरिका की यात्रा के ठीक पांच सप्ताह के बाद हो रही है। जो कुल तीन दिनों के लिए वाशिंगटन डीसी गए थे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य बीते समय में अमेरिका द्वारा लगाए गए सवार्धिक टैरिफ के बाद दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव और अस्थिरता के दौर के बीच स्थिरता लाना था। यह वह वक्त था जब अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत पर न केवल दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाया था। बल्कि उनके भारत और पाकिस्तान के बीच हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद विवाद को खत्म करने के लिए 10 मई 2025 की शाम करीब 5 बजे से हुए संघर्षविराम का लगातार श्रेय लेने के चलते भी हुआ था।

### पेमेंट गेटवे में....

री-इवैल्यूएशन के लिए सिर्फ एक रुपये का शुल्क दिखा, तो किसी से एक विषय की उत्तरपुस्तिका के लिए 69 हजार रुपए से अधिक मांगे गए। सोशल मीडिया पर वायरल स्क्रीनशॉट्स में कई छात्रों ने दावा किया कि उत्तरपुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी लेने के लिए फीस अचानक बदल रही थी। कुछ मामलों में यह राशि 69.7 दिखाई दी, जबकि कुछ छात्रों के लिए 8 हजार प्रति विषय और कुछ के लिए 69,420 तक का शुल्क दिखाया गया। एक वायरल स्क्रीनशॉट में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और इंग्लिश कोर विषयों के लिए 69,420 प्रति विषय शुल्क दिखने का दावा किया गया। इससे कुल राशि लाखों रुपये तक पहुंच गई। वहीं कुछ छात्रों ने दो विषयों के लिए 16 हजार और तीन विषयों के लिए 24 हजार शुल्क दिखने की शिकायत की।

### हर खेत तक पानी...

को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अगले 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संसाधन सीमित होने के बावजूद इनका बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। विभाग की योजनाएं धरातल पर भी दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि खेतों में खुले पानी के प्रयोग को नियंत्रित करने के लिए किसानों को जागरूक किया जाए। सिंचाई पर किसान द्वारा किए जाने वाले खर्च को न्यूनतम किया जाएगा। सरकार की जो योजना है उसके बाद किसान को सिंचाई के लिए ट्यूबवेल लगाने की भी जरूरत नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शुरुआत में 9 जिलों, भिवानी, चरखी दादरी, गुरुग्राम, महेंद्रगढ़, नूंह, रेवाड़ी, हिसार, झज्जर व सिरसा में किसानों के ग्रुप बनाकर कम से कम 10 एकड़ या इससे अधिक भूमि के लिए सामूहिक टैंक का निर्माण करवाएं जिन पर सरकार किसानों को 85 प्रतिशत सब्सिडी देगी। इन टैंकों में नहरों से पाइपों के माध्यम से पानी आपूर्ति की जाए और टैंकों पर सोलर पैनल लगाकर इससे जुड़े सभी खेतों में टपका सिंचाई अथवा फव्वारा सिंचाई की प्रणाली लगवाई जाए। इससे किसान जब चाहे अपनी फसलों की सिंचाई कर सकते हैं। किसानों को न तो ट्यूबवेल लगाने की जरूरत होगी और न ही बिजली-पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा। खेत में खुला पानी छोड़कर की जाने वाली सिंचाई बंद होगी तो कम पानी में अधिक खेतों को सिंचित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष से गन्ना व कपास की फसलों में माइक्रो इरिगेशन के प्रयोग शुरू करवाए जाएं। सैनी ने कहा कि सिंचाई विभाग लक्षित 9 जिलों में इस साल के अंत तक पूरे के पूरे गांव की कृषि भूमि को माइक्रो इरिगेशन पर स्थानांतरित करने के लिए टेंडर भी कर सकता है जिसमें एग्री डिस्कॉम जैसी आधुनिक तकनीक वाली कंपनियों की मदद ली जा सकती है। इससे किसानों को स्मार्ट तरीके से बिना खर्च सिंचाई का पानी उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की प्रधान सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार को इजराइल जैसे विकसित देशों में लागू की गई तकनीकों का अध्ययन कर सिंचाई के आधुनिकीकरण में विभाग की मदद करने को भी कहा।

### लेह में क्रैश हुआ सेना ...

जिस जगह पर यह हेलीकॉप्टर गिरा, वह बेहद दुर्गम थी। इसलिए मामले को किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह हेलीकॉप्टर सेना के चीता हेलीकॉप्टर की पुरानी फ्लीट का हिस्सा था। जिसमें एक लेफ्टिनेंट कर्नल, एक मेजर और मेजर जनरल सचिन मेहता (3 इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, जीओसी) सवार थे। तीनों को मामूली चोटें आई हैं और वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं। सेना ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। जिसके बाद इस घटना से जुड़े हुए तमाम कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं, हादसे के बाद घटनास्थल से वरिष्ठ सैन्य अधिकारी द्वारा ली गई सेल्फी में एक अन्य अधिकारी द्वारा बनाए गया विक्ट्री का निशान सभी की सकारात्मकता और मुश्किल वक्त में प्रदर्शित की गई एकजुटता को दिखाता है। सोशल मीडिया में यह तस्वीर काफी चर्चा में रही।

**20 मिनट में पहुंची सहायता**: सूत्रों ने कहा कि हादसे के करीब 20 मिनट के अंदर सहायता दल तांगसे पहुंच गया था। जिसके बाद तीनों अधिकारियों को एक अन्य हेलीकॉप्टर के माध्यम से सुरक्षित लेह वापस लाया गया। जिस वक्त यह क्रैश हुआ। उस वक्त मौसम में कहीं कोई दिक्कत नहीं थी यानी वह एकदम साफ था। इसलिए ये दुर्घटना कैसे हुई, उस बारे में अभी कुछ भी कहना बेहद जल्दबाजी होगा। चीता एक सिंगल इंजन वाला हेलीकॉप्टर है। जिसे सेना आगामी करीब 24 महीनों के अंदर फेज आउट करेगी और उसके बाद नए हल्के यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों (एलयूएच) को अगले 8 से 10 वर्षों में बल के जंगी बेड़े में शामिल किया जाएगा। सेना की हवाई यानी एविएशन कोर के पास फिलहाल 190 चीता, चेतक और चीतल हेलीकॉप्टर हैं। जिनका इस्तेमाल सियाचिन और लेह-लद्दाख के दुर्गम ऊंचाई वाले इलाकों में किया जाता है। जबकि उसकी कुल आवश्यकता 250 हेलीकॉप्टरों की है। तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नए हेलीकॉप्टरों की खरीद करने के साथ ही कुछ हेलीकॉप्टरों को सेना लीज पर भी लेने के बारे में विचार कर रही है।

**एचएएल से मिलेंगे सेना, वायुसेना को हेलीकॉप्टर** : गौरतलब है कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) सेना और वायुसेना को 187 स्वदेशी हल्के यूटिलिटी हेलीकॉप्टर सौंपने पर काम कर रही है। जिनमें से 126 सेना और 61 वायुसेना को दिए जाएंगे। सेना ने जिन एलयूएच का ऑर्डर दिया है। उनकी गति 220 किलोमीटर प्रति घंटा और मारक क्षमता (रेंज) 350 किलोमीटर है। बीते एक दशक में ऐसे करीब डेढ़ दर्जन से ज्यादा हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह हादसा सेना के पुराने पड़ चुके हेलीकॉप्टरों की स्थिति पर जरूर सवालिया निशान खड़े करता है।

### भाजपा की यात्रा राष्ट्रवाद...

कार्यकर्ताओं के संघर्ष, समर्पण एवं तपस्या की गाथा दर्शाने के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में हुए जनकल्याणकारी कार्यों, उपलब्धियों तथा बिहार में डबल इंजन सरकार द्वारा किए गए विकासात्मक प्रयासों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने वाली है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने "भाजपा का इतिहास, वैचारिक आधार एवं विकास यात्रा" विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की यात्रा केवल एक राजनीतिक दल के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्रा है। भाजपा की वैचारिक नींव श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी चिंतन और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन पर आधारित है। भाजपा का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोच्च रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है। वर्ष 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ से लेकर आज विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित भाजपा तक की यात्रा संघर्ष, समर्पण और कार्यकर्ताओं की तपस्या का परिणाम है। प्रारंभिक दौर में सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद कार्यकर्ताओं ने विचारधारा से समझौता नहीं किया और संगठन को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

नवीन ने आपातकाल के दौर का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए हजारों राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया, जेल गए, लेकिन राष्ट्रहित और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता नहीं छोड़ी। भाजपा की राजनीति सदैव सिद्धांत आधारित रही है। भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका समर्पित कार्यकर्ता है। भाजपा में बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी संगठन की रीढ़ माना जाता है। यही कार्यकर्ता आधारित संस्कृति भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से अलग पहचान देती है। आज भाजपा के नेतृत्व में भारत विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के अवसर, आधारभूत संरचना के विकास, डिजिटल परिवर्तन तथा वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत पहचान भाजपा सरकारों की प्राथमिकता रही है।

### 10 दिन में पांच रुपए ...

की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं, सीएनजी के दाम भी 1 रुपए बढ़कर दिल्ली में 81.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गए हैं, जिससे सीएनजी में हालिया कुल बढ़ोतरी 4 रुपये प्रति किलो हो गई है। महानगरों की बात करें तो मुंबई में पेट्रोल 108.49 और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। ईंधन की कीमतों में इस भारी बढ़ोतरी का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों का अस्थिर होना है। फरवरी के अंत से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके पीछे अमेरिका-इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए हमले और वैश्विक तेल पारगमन के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपमेंट में आई बाधाएं मुख्य वजह हैं। इसके अलावा, कमजोर रुपया और रिफाइनिंग मार्जिन का कड़ा होना भी आयात लागत को तेजी से बढ़ा रहा है।

### अभी भी तेल कंपनियों ...

3.48%और थोक महंगाई दर 42 महीने के उच्चतम स्तर 8.3% पर पहुंच गई है, जिसका मुख्य कारण ईंधन और ऊर्जा की लागत बढ़ना ही है।

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

**धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **लक्की, पुत्र कल्लू निवासी मकान नंबर 305, ग्राम सभा प्लॉट शाहबाद डेयरी, दिल्ली, ग्राम-देवीगंज पोस्ट ऑफिस, थाना लाल बंगला हरजिंदर नगर, कानपुर उत्तर प्रदेश** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 497/2017 भा.द.सं. की धारा 363 के तहत, थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **लक्की** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **लक्की** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 497/2017 भा.द.सं. की धारा 363 के तहत, थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **लक्की** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए 01.07.2026 को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
भारती बेनीवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05 (उत्तर)
कोर्ट कमरा नं.114, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/6722/ON/2026

**उत्तर रेलवे**

**INDIAN RAILWAY POST GRADUATE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES AND RESEARCH &**
**भारतीय रेलवे स्नातकोत्तर चिकित्सा विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान तथा ASSOCIATED NORTHERN RAILWAY CENTRAL HOSPITAL, NEW DELHI – 110055**
**संबद्ध उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल, नई दिल्ली–110055**

फाईल सं० ई/मेड/एस आर/74/आईआरपीजीआईएमएसआर/के०चि०/2026/01

विज्ञापन सं० आईआरपीजीआईएमएसआर & एन आर सी एच/एस आर/2026/01 दिनांक 23.05.2026

**सिनियर रेजीडेंट को आबंध करना**

आईआरपीजीआईएमएसआर & उत्तर रेलवे केंद्रीय चिकित्सालय में सीनियर रेजीडेंसी योजना के अंतर्गत सीनियर रेजीडेंट पद के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। हालाँकि, निर्धारित साक्षात्कार तिथियों में से एक दिन **राष्ट्रीय अवकाश घोषित किए जाने के कारण**, साक्षात्कार की तिथियों में संशोधन किया गया है तथा अब साक्षात्कार **दिनांक 02.06.2026** एवं **03.06.2026** को आयोजित किए जाएंगे। विज्ञापन की विस्तृत जानकारी सेवा शर्तें, आवेदन–पत्र, शपथ–पत्र आदि उत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.nr.indianrailways.gov.in & https://irpgimsr.indianrailways.gov.in** under head News & Recruitment Info पर उपलब्ध है।

For प्रधान प्रमुख चिकित्सा निदेशक/
1751/2026 उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल & आईआरपीजीआईएमएसआर

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

# जीवन की दिशा बदल देगा जापानी मेनीफेस्टेशन

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

एक मशहूर जापानी कहावत है- 'सात बार गिरो, आठ बार उठो।' इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जज्बे में छिपा होता है।

## क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की चर्चा जोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

## योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि 'भविष्य को वर्तमान में जीना' सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की 'बधाई' स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को 'धन्यवाद' कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, 'आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।' योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही 'जीत' महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

## अरिगातो व्यक्त करते रहें कृतज्ञता

जापानी संस्कृति में 'कृतज्ञता' को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। 'अरिगातो' यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है-'पैसों को धन्यवाद देना'। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे 'अरिगातो' कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएं, तब भी 'अरिगातो' कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

## दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

**दारुमा गुड़िया** जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

## कइजन हर दिन सीखें नई तकनीक

मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कइजन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है।

कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। *

## एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

**एमा एक** तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।

# स्मृतियां ही संजोती हैं यादें-रिश्ते-विरासत

जीवनशैली / लोकमित्र गौतम

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

**तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव:** आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

**स्मृतियां बनाती हैं संवेदनशील:** स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महत्ती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

**स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता:** जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

**प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति:** आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मनुष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

**इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव:** अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को सहेजने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चकाचौंध के गुलाम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

**तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल:** आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। *

दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

## दिन बरसाता आग

सूरज आतिश बन गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अकुलाहटें, ढूंढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बिलख रहा इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
चाबुक सड़कों पर चले, आतंकित हर एक।
दिनकर के तो आजकल, नहीं इरादे नेक।।
कूलर, पंखे हंस रहे, शीतलता का मान।
मटके ने इस पल 'शरद', पाया नवल विहान।।
किरणें ना किरणें लगें, बरस रही है आग।
बचना तुम चाहो अगर, तो लो बचकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिरथा ऊनी वस्त्र।
किरणें हमले कर रहीं, बनकर नित ही शस्त्र।।
नीर सरीखा बह रहा, तन से बेहद स्वेद।
इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
बिजली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
हम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे मीत।।
सुबह हमें लगती भली, दिन बरसाता आग।
फिर जी-भर फुंफकारता, आतप का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे मानव राह।
पर अब इस पल जग रही, हर दिल से ही आह।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

## सामाजिक बदलाव की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह 'हवा बहुत तेज है' हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी 'हवा बहुत तेज है' के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे 'एक पुराना आदमी' कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को 'दाग अच्छे हैं' कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। *

**पुस्तक:** हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), **लेखक:** कैलाश बनवासी, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित

## सड़क का दर्शनशास्त्र

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं।

सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क समान भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा लाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर लाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं।

सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है।

सड़क है तो गड्ढे हैं। गड्ढे हैं तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क 'राइट एट योर डोरस्टेप' कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।

कोरोना के दिनों में जब सड़कें सूनी हुईं, तो उन्हें भी बुरा लगा। पर जल्दी ही फैक्ट्री मालिकों ने मजदूरों को निकाला और सड़कें फिर गुलजार हो गईं। मजदूरों के रेलों ने सड़कों को धन्य कर दिया, मां की गोद फिर भर गई।

सड़कें हैं तो एक्सीडेंट हैं। ट्रैफिक पुलिस का डंडा अभियान निरंतर है। चालान से जेबें भी फुल टॉस फूल रही हैं। सड़कें हैं तो फुटपाथ हैं, और फुटपाथ हैं तो उन पर सोते लोग। वरना नशे में धुत्त रईसों को कुचलने के लिए लोग मिलेंगे कहां? सड़कें ही तो हैं जो रील और सेल्फी प्रेमियों की कर्मभूमि हैं, जहां जोखिम जितना बड़ा, व्यू उतने ज्यादा।

सड़कें हैं तो सड़कछाप गुंडे भी हैं। राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला यही है। रेहड़ियों से शुरू हुई हफ्तावसूली आगे चलकर बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी सब्र नहीं कि एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट कोई और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो पहला सवाल यही पूछा जाता है, 'सड़क तेरे बाप की है क्या?' पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, 'यह सड़क कहां जाती है?' भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सालों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। *

लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर

## गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी।

'छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितै को मर गए रे सब कै सब?' लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला।

एक तीखी गंध पूरे घर में पसर गई।

आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जेब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, 'का देख रया है बे! दौड़ कै एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।'

कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, 'बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछो हतो कि हम बड़े होकर का बनेहैं?'

मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, 'तुमने का कहौ फिर?' दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, 'बापू हमने कह दओ कि हम बड़े होकर तुमाओ जैसा नहीं बनहैं।'

'टन्न...!'

टन्न की यह जोरों की गूंज, घर की कच्ची दीवारों में समा गई।

दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनस्तर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। *

# समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति जिलों में जाकर लोगों के प्राप्त करेगी सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समान नागरिकता संहिता के संबंध में प्रदेश में प्राप्त सुझावों के संकलन के लिए की गई पहल सराहनीय है। जनता के मत प्राप्त करने के लिए बनाई गई वेबसाइट इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी होगी। जिलों में समान नागरिक संहिता समिति के भ्रमण से यह कार्य आसान होगा। लोगों के हितों की सुरक्षा के लिए पारिवारिक विधि के समग्र अध्ययन की जरूरत है। जन सामान्य, राजनीतिक दल, गैर शासकीय संगठन आदि इस संबंध में अपना मत प्रस्तुत करेंगे, जिनका सम्मान करते हुए विचार मंथन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में समान नागरिक संहिता मप्रकी वेबसाइट का विमोचन किया। इस तरह की वेबसाइट के निर्माण में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में है। मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता समिति के सदस्यों को वेबसाइट के निर्माण के लिए बधाई दी।

## आगामी 15 जून तक सुझाव दिए जा सकेंगे, जन परामर्श के लिए समिति की वेबसाइट का निर्माण, मुख्यमंत्री ने किया वेबसाइट का लोकार्पण

### जन परामर्श के उद्देश्य से समिति ने वेबसाइट का निर्माण कर महत्वपूर्ण कार्य किया

बैठक में अधिकारियों से चर्चा करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

सीएम ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। वेबसाइट लांच किए जाने के अवसर पर समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश रचना देसाई ने भी वर्चुअली संबोधित किया। समिति के सचिव अजय कटेसरिया ने समिति के कार्यों का विवरण दिया। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जन परामर्श के उद्देश्य से समिति ने वेबसाइट का निर्माण कर महत्वपूर्ण कार्य किया है।

### समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति बधाई की पात्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान के महत्व को समझते हुए इसके अलावा एक विधि के लिए आवश्यक दायित्व पूर्ण करेगा। निश्चित ही यह जन हितैषी कार्य है। इस नाते गठित समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति बधाई की पात्र है। राज्य शासनने विवाह, भरण पोषण, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार एवं अन्य परिवार संबंधित कानूनों से संबंधित विधिक, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में उपयुक्त अनुशंसाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। इस उद्देश्य से ही उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है विस्तृत अध्ययन के उद्देश्य से समान नागरिक संहिता के संबंध में उपयुक्त अनुसंधान प्रस्तुत करने के लिए यह समिति महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर समितिकी ओर से जन परामर्श के उद्देश्य से निर्मित की गई वेबसाइट https://ucc.mp.gov.in/ पर जनमानस से सुझाव सुगमता से प्राप्त किए जा सकेंगे। सुझाव देने की अंतिम तिथि 22 मई से आगामी 15 जून तक निर्धारित की गई है।

**सुझाव प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख 15 जून 2026**

---

## खबर संक्षेप

### त्योहार को लेकर सफाई के इंतजाम के निर्देश

**भोपाल।** निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने आगामी ईद-उल-अजहा के अवसर पर बेहतर से बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा वध किए गए पशुओं के अवशेष व अन्य प्रकार के कचरे को तत्काल निष्पादन स्थल पर पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर शुक्रवार को हेल्थ विभाग की बैठक ली। उन्होंने त्योहार पर विशेष साफ-सफाई व्यवस्था करने, जिन स्थानों पर ईद की नमाज अदा की जानी है वहां और अस्थाई पशुवध स्थलों पर भी साफ-सफाई एवं चूना व रसायन आदि डालने, ईद-उल-अजहा के तीनों दिन पशुओं के अवशेष व अन्य कचरे को त्वरित गति से निष्पादन स्थल पर पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्लाटर वेस्ट के एकत्रीकरण व निष्पादन स्थल पर पहुंचाने के लिए जरूरी वाहन व संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में अपर आयुक्त वरूण अवस्थी, उपायुक्त चंचलेश गिरहारे, कार्यपालन यंत्री प्रमोद मालवीय आदि मौजूद रहे।

### बच्चों के लिए तैयार होगा इंडिविजुअल केयर प्लान

**भोपाल।** आयुक्त महिला एवं बाल विकास सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि इंडिविजुअल केयर प्लान केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे के जीवन और भविष्य की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र बच्चे के लिए आईसीपी तैयार किया जाना अनिवार्य है तथा समय-समय पर उसका मूल्यांकन भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाल देखरेख संस्थाओं में रह रहे बच्चों के साथ समुदाय में संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए भी आईसीपी अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि हर बच्चे की परिस्थितियां, समस्याएं अलग होती हैं।

---

### मंत्रालय में हुई खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग के कार्यों की समीक्षा

# उपभोक्ता हित में अन्य विभागों से समन्वय बढ़ाकर कार्य करे खाद्य विभाग: मुख्यमंत्री

**अनाजों के भंडारण में क्षति कम करने भारतीय प्रबंध संस्थान मुंबई में प्रशिक्षण की पहल की प्रशंसा**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खाद्य विभाग अन्य विभागों से बेहतर समन्वय स्थापित कर उपभोक्ता हित में कार्य करे। खाद्य विभाग ने अनेक नवाचार किए हैं जिनका लाभ उपभोक्ताओं को मिल रहा है। नवाचारों और उपभोक्ता हित का कार्य निरंतर किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के परिवहनकर्ता के रूट ऑप्टिमाइजेशन के कार्य से परिवहन लागत में सरकार को 42 लाख रुपए प्रति माह की बचत हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि खाद्य विभाग ने उचित मूल्य दुकानों का जन पोषण मार्ट के रूप में उन्नयन किया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री अन्न सेवा जागरूकता कार्यक्रम के तहत पात्र हितग्राहियों को मोबाइल पर संदेश भेजकर राशन प्रदाय और वितरण की सूचना देने का प्रावधान किया गया है। यह नवाचार उपभोक्ताओं के कल्याण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

बैठक में सीएम डॉ. मोहन, मंत्री गोंविद सिंह व अफसरों से चर्चा करते हुए।

### निगम कर्मियों के कौशल उन्नयन की गतिविधियां जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निगम कर्मियों के कौशल उन्नयन की गतिविधियां जारी रखी जाएं। इसी तरह उपार्जन, मिलिंग और परिवहन के लिए उपयोग में लिए जा रहे वाहनों का यूलिप (यूएलआईपी) सॉफ्टवेयर से सत्यापन किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर खाद्यान्न उपार्जन के लिए जूट कमिश्नर से खाली बारदाने क्रय करने के लिए सीसी लिमिट से भुगतान की व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था लागू करने वाला मध्यप्रदेश, उड़ीसा और पंजाब के पश्चात तीसरा प्रांत है। इस प्रणाली से 18 करोड़ रुपए की ब्याज राशि की बचत करने में सफलता मिली है।

### जीपीएस से स्टेट लेवल कमांड कंट्रोल सेंटर से मॉनिटरिंग

मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के वाहनों में जीपीएस के माध्यम से स्टेट लेवल कमांड कंट्रोल सेंटर से मॉनिटरिंग व्यवस्था की गई। इसी तरह सिविल सप्लाई कारपोरेशन ने सभी स्तरों पर ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री ने गोदाम में स्कंध के भंडारण की क्षति को कम करने के लिए वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन के अमले को भारतीय प्रबंध संस्थान मुंबई में प्रशिक्षण दिलवाने की पहल की भी प्रशंसा की।

### अन्य योजनाओं की जानकारी प्राप्त की-

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूं उपार्जन कार्य की भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ऐसा मॉडल विकसित करने के निर्देश दिए जिससे गेहूं की जींस की प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग आदि के कार्य लघु मध्यम और सूक्ष्म विभाग के सहयोग से किए जा सकें। इस कार्य में स्व-सहायता समूह की भूमिका भी हो सकती है। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। बैठक में खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, मुख्य सचिव अनुराग जैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली, शहरी गैस वितरण और उपभोक्ता हित में किए गए प्रयासों की जानकारी प्रदान की गई।

## आयुर्वेद चिकित्सा के सफल प्रयोग की जानकारी व लाभ जन-जन तक पहुंचाएं

**बुजुर्ग रोगियों के लिए वयोमित्र कार्यक्रम एक आदर्श मॉडल | मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन से जुड़े स्थानों पर आयुर्वेद पद्धति से चिकित्सा व्यवस्था और वेलनेस केन्द्र स्थापित करने की पहल सराहनीय है। अन्य प्रदेशों में हुए ऐसे सफल प्रयोगों और नवाचारों का अध्ययन कर बेहतर कार्य करते हुए उन्होंने जन-जन तक इनकी जानकारी और इनका लाभ पहुंचाने के आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वृद्ध नागरिकों की डोर टू डोर आयुष देखभाल के लिए वयोमित्र कार्यक्रम उपयोगी है। इसी तरह कारूण्य के अंतर्गत असाध्य रोगों का कष्ट झेल रहे रोगियों के जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने का कार्य भी प्रशंसनीय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्री परमार से चर्चा करते हुए।

### 12 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस केंद्र बन रहे

डॉ. यादव ने मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में आयुष विभाग के कार्यों की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि मप्र पर्यटन विभाग के साथ किए गए एमओयू के तहत प्रदेश में 12 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें विश्व धरोहर स्थल खजुराहो जिला छतरपुर के साथ ही ओंकारेश्वर जिला खण्डवा, चंदेरी जिला अशोकनगर, चित्रकूट जिला सतना, पचमढ़ी जिला नर्मदापुरम, ओरछा जिला निवाड़ी के अलावा उज्जैन, दतिया, मंदसौर, आलीराजपुर, सिंगरौली और आगर-मालवा शामिल हैं।

### प्रत्येक आयुष विंग में पंचकर्म यूनिट की स्थापना

*मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एलोपैथी के साथ ही ऐसी चिकित्सा पद्धतियों का प्रोत्साहन आवश्यक है जो भारतीय परम्परा से जुड़ी हैं। प्रदेश के अनेक स्थानों पर प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य कार्यरत हैं। इनकी सेवाओं से बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित होते हैं। उज्जैन सहित प्रदेश के अनेक स्थानों पर आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का लाभ लेकर शल्य चिकित्सा के बिना रोगियों को लाभान्वित करने के उदाहरण मिलते हैं। सामान्य प्रसव करवाने वाले अस्पताल भी प्रदेश में संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजीवन आयुर्वेद चिकित्सा का लाभ लेने वाले नागरिकों को भी प्रोत्साहन कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य नीति-2017 और विजन-2047 के अनुक्रम में प्रदेश के जिला स्तरीय चिकित्सालयों में विकल्प के रूप में आयुष चिकित्सा के लिए पृथक विंग स्थापित करने का कार्य चल रहा है। प्रत्येक आयुष विंग में पंचकर्म यूनिट की स्थापना भी की जाएगी।*

### वर्षा पूर्व सड़क, पुल एवं भवनों के मेंटेनेंस का कार्य करें पूर्ण

**भोपाल।** लोक निर्माण विभाग के तहत प्रदेश में संचालित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा के लिए 20 मई को मुख्य अभियंताओं के सात दलों ने भोपाल, मण्डला, अशोकनगर, खंडवा, रीवा, नीमच एवं निवाड़ी जिलों में औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण में कुल 34 कार्यों का रेंडम आधार पर चयन कर परीक्षण किया गया। निरीक्षित कार्यों में 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क एवं पुल), 6 कार्य परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) के भवन निर्माण, 6 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम तथा एक कार्य मप्र भवन विकास निगम से संबंधित था। निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक मप्र सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख अभियंता (सड़क/पुल) केपीएस राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) एसआर बघेल, प्रमुख अभियंता (बीडीसी) अजय श्रीवास्तव, तकनीकी सलाहकार एमपीआरडीसी आरके मेहरा सहित विभाग के समस्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी ऑनलाइन उपस्थित थे। समीक्षा में निवाड़ी जिले में सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय से रियारा धाम तेहरका तक 1.50 किलोमीटर लंबाई की निर्माणाधीन सड़क के संबंध में संबंधित मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र को पुनः निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त 19 अन्य कार्यों में आंशिक सुधार कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए।

---

## सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता, पांच किलो वजनी कुकर बम बरामद

### बारसूर थाना क्षेत्र के ग्राम हिड़पाल के जंगलों में सुरक्षा बलों ने चलाया संयुक्त सर्च और कांबिंग अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

जिले के बारसूर थाना क्षेत्र के ग्राम हिड़पाल के जंगलों में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। जवानों ने सर्चिंग अभियान के दौरान पांच किलोग्राम वजनी एक कुकर बम बरामद किया। इस विस्फोटक को मौके पर ही सावधानीपूर्वक नष्ट कर दिया गया।

सीआरपीएफ के कमांडेंट अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना मिली। इसके आधार पर ग्राम हिड़पाल और आसपास के पहाड़ी तथा वन क्षेत्र में अभियान चलाया गया। सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से सर्च और कॉम्बिंग अभियान चलाया।

इस अभियान के दौरान लगभग पांच किलोग्राम वजनी एक प्रेशर कुकर आईईडी मिला। यह विस्फोटक सामग्री क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आम नागरिकों के लिए गंभीर खतरा थी। जवानों ने बम को खोजने के बाद सुरक्षित तरीके से नष्ट करने का निर्णय लिया। बीडीडी टीम और सिविल पुलिस ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया। उन्होंने मौके पर ही आईईडी को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया।

सुरक्षा बलों ने 23 मई को ग्राम हिड़पाल और उसके आसपास के क्षेत्रों में गहन तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान मुखबिर से मिली विशिष्ट सूचना पर आधारित था। संयुक्त सर्च और कॉम्बिंग के दौरान जंगल में छिपाया गया विस्फोटक मिला।

बरामद किया गया आईईडी एक प्रेशर कुकर में था और इसका वजन लगभग पांच किलोग्राम था। विस्फोटक सामग्री से क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आम नागरिकों की सुरक्षा को बड़ा खतरा था। जवानों ने सबसे पहले बम को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के बजाय मौके पर ही नष्ट करने का फैसला किया। बीडीडी टीम और सिविल पुलिस ने सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इसे नष्ट किया।

इस पूरी प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि या क्षति नहीं हुई। अभियान के सफल समापन के बाद सभी जवान सुरक्षित अपने आधार शिविर लौट गए।

## आखिरी पायदान से पहले नंबर तक: जानिए भारत के सबसे अनोखे शिक्षा बदलाव की कहानी

*नई दिल्ली। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मेघालय और राजस्थान के सरकारी स्कूलों में 24×7 एआई आधारित पर्सनल ट्यूटरिंग प्रोग्राम ने ऐसा बदलाव किया है, जिसने सिर्फ कुछ छात्रों को ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण स्कूलों को परीक्षा परिणामों में नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैंनई दिल्ली, 19 मई, 2026जहाँ कभी फेल होने वाले छात्रों की संख्या बड़ी चुनौती मानी जाती थी, वहीं अब एक ही साल में फेलियर रेट में 70% तक की गिरावट दर्ज की गई है। कई स्कूलों में पास प्रतिशत सिर्फ 12 महीनों में 87% से बढ़कर 99.3% तक पहुँच चुका है। वहीं, पहले शिक्षा के मामले में पिछड़े माने जाने वाले जिलों के सरकारी स्कूल, अब पहले स्थान तक पहुँचने लगे हैंइन आँकड़ों में बढ़त के मायने में जिस प्रोग्राम ने सबसे बड़ा बदलाव किया है, उसका नाम है 'संपूर्ण शिक्षा कवच' (एसएसके)। यह राज्य सरकारों और दिल्ली स्थित एआई एजुकेशन स्टार्टअप 'फिलो' के बीच पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत संचालित किया जा रहा है। फिलो की नेशनल काउन्सिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) के साथ औपचारिक अकादमिक साझेदारी भी है। इस मॉडल का तरीका बेहद आसान है। फिलो का प्लेटफॉर्म सरकारी स्कूलों के छात्रों को स्कूल के भीतर और बाहर, दोनों जगह 24x7 लाइव वन-ऑन-वन पर्सनल टीचर सपोर्ट देता है और इसके लिए परिवारों को कोई शुल्क नहीं देना पड़ता।*

---

## रिलायंस एमईटी सिटी ने ग्रेटर गुरुग्राम के पश्चिमी कॉरिडोर को दी नई पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

विकास हमेशा बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ आगे बढ़ा है। एनएच-8 ने शहर के विकास की शुरुआत की। इसके बाद गोल्फ कोर्स रोड, द्वारका एक्सप्रेसवे और एसपीआर ने आसपास के इलाकों को तेजी से आगे बढ़ाया। अब वजीरपुर, फर्रुखनगर और झज्जर से होकर गुजरने वाला नया विकास कॉरिडोर आकार ले रहा है और रिलायंस एमईटी सिटी इसी के बीचोंबीच स्थित है। श्रीवल्लभ गोयल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक, रिलायंस मॉडल आर्थिक टाउनशिप (एमईटी सिटी) ने बताया कि यहां पहले से मौजूद सुविधाएं और तेजी से हो रहा विकास, एमईटी सिटी को बाकी सामान्य प्रोजेक्ट्स से अलग बनाती है। टाउनशिप के आसपास पांच बड़े कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है।

अस्पताल, स्कूल और जरूरी नागरिक सेवाएं पहले से शुरू हो चुकी हैं। वहीं दूसरी ओर, रिलायंस फाउंडेशन 2008 से झज्जर जिले के एमईटी गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यक्रम चला रहा है, जिनका लाभ लाखों लोगों तक पहुंच चुका है। एनसीआर में बहुत कम ऐसे प्रोजेक्ट हैं जहां कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर और सामुदायिक विकास एक साथ आगे बढ़ रहे हों।

### मास्टर माइंड अब भी फरार, एक माह पहले नकाबपोश बदमाशों ने की थी वारदात

# चर्चित करही गोलीकांड मामले में पुलिस ने तीन आरोपी पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर-चांपा

जिले के चर्चित करही गोलीकांड मामले में पुलिस ने ऑपरेशन हंट के तहत 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ा खुलासा किया है, लेकिन इस सनसनीखेज हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर बताया जा रहा है। मृतक आयुष कश्यप के पिता सम्मेलाल कश्यप लगातार पुलिस से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। परिवार का आरोप है कि लंबे समय से चल रही रंजिश और सुपारी कनेक्शन के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस की जांच अब भी जारी है और कई अहम खुलासे होने बाकी बताए जा रहे हैं।

**पुलिस जांच जारी, कई अहम खुलासे होना बाकी**

**पुरानी रंजिश के चलते वारदात अंजाम देने के आरोप**

### मृतक का छोटा भाई भी हो गया था गंभीर घायल

23-24 अप्रैल की दरम्यानी रात ग्राम करही में नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर आयुष कश्यप की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जबकि उसके छोटे भाई को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग और पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में ऑपरेशन हंट चलाया गया। करीब एक महीने तक चली जांच में पुलिस टीमों ने 7 राज्यों में दबिश दी, 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले और साइबर इनपुट के आधार पर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि उधारी विवाद, बढ़ता प्रभाव और व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा के चलते आरोपियों ने हत्या की साजिश रची थी।

**पिस्टल, मैगजीन, बाइक बरामद**

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पिस्टल, मैगजीन और घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है। जांच के दौरान यह बात भी सामने आई कि वर्ष 2023 में मृतक के पिता सम्मेलाल कश्यप की हत्या के लिए भी 7 लाख रुपये में सुपारी दिए जाने का आरोप है। हालांकि परिवार का कहना है कि अब भी इस पूरे मामले का असली मास्टरमाइंड पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पीड़ित परिवार लगातार पुलिस से न्याय की गुहार लगा रहा है। इधर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है और मामले में शामिल अन्य सहयोगियों तथा मुख्य आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है।

### कई अहम तथ्य आए सामने

करही गोलीकांड मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और पूछताछ में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। मामले के मुख्य साजिशकर्ता और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है, जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

रामगोपाल गर्ग, आईजी बिलासपुर रेंज

### सभी आरोपी हों गिरफ्तार

पुलिस ने कुछ आरोपियों को पकड़ा है, लेकिन जो असली साजिशकर्ता हैं वो अभी भी बाहर घूम रहे हैं। हमें पूरा न्याय तब मिलेगा जब पूरे षड्यंत्र में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।

सम्मेलाल कश्यप (मृतक के पिता)

**वर्तमान परिवेश में ऊर्जा संकट एक वैश्विक समस्या बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के लिए वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में जो निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, उसने इस विषय को महज एक प्रशासनिक चर्चा से उठाकर हर घर के बजट को झकझोरने वाला एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना दिया है। इस संकट से भारत भी अछूता नहीं हैं। भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। चूंकि भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। ऐसे में क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में हितकारी साबित हो सकता है। भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# ऊर्जा सुरक्षा : आत्मनिर्भरता ही है विकल्प

विश्लेषण
डॉ. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

**अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज़ एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।**

वर्तमान परिवेश में हमें यह तथ्य स्वीकार करना होगा कि ऊर्जा संकट एक वैश्विक संकट है। इस संकट से उबरने के लिए आने वाले समय में हमें दीर्घकालीन योजनाओं के अंतर्गत नए विकल्पों की तलाश के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण जैसे उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस ऊर्जा संकट को पश्चिम एशिया के संघर्ष ने और भी बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए गए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज़ एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।

### व्यवस्था का पुनर्गठन जरूरी

भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। भारत के लिए सबसे क्रांतिकारी और दूरगामी विकल्पों में से एक हरित हाइड्रोजन है। पानी के अणुओं को सौर या पवन ऊर्जा की मदद से तोड़कर बनाई जाने वाली यह गैस शून्य कार्बन उत्सर्जन करती है। भारत ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह भारी उद्योगों, जैसे इस्पात, सीमेंट और शोधन शालाओं तथा लंबी दूरी के परिवहन जैसे ट्रक, ट्रेन और जहाजों को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त करने का एकमात्र व्यावहारिक विकल्प है, जहां सीधी बिजली या बैटरी काम नहीं आ सकती। चूंकि भारत में सौर ऊर्जा की प्रचुरता है, इसलिए हम दुनिया में सबसे सस्ती हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने की क्षमता रखते हैं। यह न केवल हमारी घरेलू फैक्ट्रियों को चलाएगी, बल्कि भविष्य में भारत को ऊर्जा निर्यातक देशों की कतार में खड़ा कर सकती है।इसके साथ ही, भारत ने सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, लेकिन प्रकृति पर निर्भर होने के कारण ये स्रोत चौबीसों घंटे बिजली नहीं दे सकते। इस चुनौती से निपटने और नवीकरणीय ऊर्जा को देश की मुख्यधारा बनाने के लिए हमें पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज जैसी तकनीकों पर ध्यान देना होगा। यह एक विशाल प्राकृतिक बैटरी की तरह काम करता है। साथ ही, निरंतर आपूर्ति के लिए परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है। हमें अपने घरेलू थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम को गति देनी होगी ताकि कोयले पर निर्भरता को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां हर साल लाखों टन कृषि अवशेष और शहरों में ठोस कचरा पैदा होता है।

**हमें ये करने होंगे उपाय**

- भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए हमें एक मिश्रित मॉडल अपनाना होगा।
- सौर, पवन, परमाणु, जैव-ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन से मजबूत तंत्र बनाएं।
- कचरे से गैस, धूप से बिजली और पानी से हाइड्रोजन निकालेंगे और अपनी गाड़ियां स्वदेशी बैटरियों से दौड़ाएंगे तो भारत की ऊर्जा संप्रभुता सच होगी।

### बायोगैस बनाने के संयंत्र

इन्हें अभिशाप मानने के बजाय ऊर्जा के स्रोत में बदलना भारत के लिए सबसे आसान विकल्प है। सतत योजना के तहत कचरे और गोबर से संपीडित बायोगैस बनाने के संयंत्र देश भर में लगाए जा रहे हैं। यह गैस सीधे प्राकृतिक गैस का स्थान ले सकती है। इससे न केवल शहरों का कचरा साफ होता है और किसानों की आय बढ़ती है, बल्कि देश के भीतर ही गैस का एक बड़ा भंडार तैयार हो जाता है, जो सीधे हमारी परिवहन व्यवस्था को गति देता है। सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों का घरेलू बिजली पर स्थानांतरित होना भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता को सीधे चोट करता है। विद्युत वाहन क्रांति इसमें बड़ी भूमिका निभा रही है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही, लचीला ईंधन तकनीक एक बेहतरीन विकल्प है। एथेनॉल को पेट्रोल में बीस प्रतिशत तक मिलाने का लक्ष्य भारत तेजी से हासिल कर रहा है। चूंकि एथेनॉल देश के भीतर गन्ने और खराब अनाज से बनता है, इसलिए परिवहन में इसका बढ़ता उपयोग विदेशी ईंधन की जरूरत को घटाता है। ऊर्जा सुरक्षा का एक नियम यह भी है कि जितनी ऊर्जा बचाएंगे, उतनी ही कम ऊर्जा हमें बनानी पड़ेगी।

### बायोगैस बनाने के संयंत्र

भारत ने उजाला योजना के जरिए दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम चलाया है। अब समय इसे अगले स्तर पर ले जाने का है, जिसके तहत मापन प्रणालियों के जरिए बिजली की बर्बादी को रोका जा सकता है और मांग के अनुसार आपूर्ति को वास्तविक समय में नियंत्रित किया जा सकता है। इसके अलावा नए बनने वाले व्यावसायिक और आवासीय भवनों में ऐसी रूपरेखा को अनिवार्य करना होगा जो प्राकृतिक रोशनी और हवा का अधिकतम उपयोग करें, जिससे वातानुकूलन की मांग खुद-ब-खुद कम हो जाए।वर्तमान नीतियां और तकनीकी नवाचार यह भरोसा जगाते हैं कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और आने वाले दशक में हम ऊर्जा के मामले में न सिर्फ सुरक्षित होंगे, बल्कि आत्मनिर्भरता के एक नए युग का सूत्रपात करेंगे।

# क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना लाभकारी

आर्थिकी
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में इस समय एक मूक क्रांति चल रही है। दुनिया का सबसे बड़ा कोयला उपभोक्ता और उत्सर्जक देश चीन, अपने पुराने और गहरे कोयला भंडारों से ऊर्जा निचोड़ने की एक बेहद आधुनिक तकनीक पर काम कर रहा है। हाल ही में चीनी सरकारी ऊर्जा कंपनियों ने गहरी कोयला परतों में फंसी मीथेन गैस को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर क्षैतिज ड्रिलिंग का व्यावसायिक इस्तेमाल शुरू किया है। इस तकनीक ने न केवल चीन के घरेलू गैस उत्पादन को बढ़ावा दिया है, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या भारत को भी इस दिशा में गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है?

### चीन अपना रहा कोल रॉक गैस तकनीक

पारंपरिक रूप से कोयले की परतों से जो गैस निकाली जाती है, उसे कोलबेड मीथेन कहा जाता है। भारत और चीन दोनों ही सालों से उथली खदानों से कोलबेड मीथेन निकाल रहे हैं। लेकिन चीन ने हाल ही में जिस तकनीक पर महारत हासिल की है, उसे कोल रॉक गैस कहा जा रहा है। ओर्डोस बेसिन के दाजी क्षेत्र में इसके बेहद सफल परिणाम मिले हैं, और चीन ने वहां सैकड़ों कुएँ खोदकर अरबों क्यूबिक मीटर गैस का उत्पादन शुरू कर दिया है। भारत वर्तमान में अपनी जरूरत का लगभग 50% प्राकृतिक गैस आयात करता है। लिक्विफाइड नेचुरल गैस के अंतरराष्ट्रीय दामों में उतार-चढ़ाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डालता है। चीन की तरह भारत के पास भी कोयले का विशाल भंडार है। इसलिए, भारत के लिए क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में लाभकारी साबित हो सकता है। भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। दामोदर घाटी (झारखंड-पश्चिम बंगाल), सोन घाटी (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) और गोदावरी घाटी (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना) में गहरे कोयले के ऐसे ब्लॉक मौजूद हैं, जहां पारंपरिक खनन व्यावहारिक या आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है। क्षैतिज ड्रिलिंग तकनीक के माध्यम से इन दुर्गम परतों से अरबों घन मीटर मीथेन गैस निकाली जा सकती है, जिससे भारत की गैस-आधारित अर्थव्यवस्था के सपने को उड़ान मिलेगी। भारत ने 2030 तक अपनी प्राथमिक ऊर्जा टोकरी में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.5% से बढ़ाकर 15% करने का लक्ष्य रखा है। यदि भारत घरेलू स्तर पर कोल रॉक गैस का उत्पादन शुरू कर देता है, तो उर्वरक उद्योग, सीएनजी वाहनों और पाइप्ड नेचुरल गैस के लिए विदेशों पर निर्भरता बेहद कम हो जाएगी। इससे विदेशी मुद्रा भंडार की भारी बचत होगी।

**भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। दामोदर घाटी, सोन घाटी और गोदावरी घाटी (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना) में गहरे कोयले के ऐसे ब्लॉक मौजूद हैं, जहां पारंपरिक खनन व्यावहारिक या आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है।**

### मीथेन गैस को बाहर निकालने पर सुरक्षा

भारतीय कोयला खदानों, विशेषकर झारखंड के झरिया और रानीगंज क्षेत्रों में, भूमिगत आग और मीथेन गैस के रिसाव के कारण होने वाले विस्फोट एक पुरानी समस्या रही है। यदि कोयला निकालने से पहले ही क्षैतिज ड्रिलिंग के जरिए उस क्षेत्र की मीथेन गैस को खींच लिया जाए तो खदानों के भीतर विस्फोट का खतरा लगभग शून्य हो जाता है। यह भारतीय खनिकों की सुरक्षा के लिए एक क्रांतिकारी कदम होगा। मीथेन एक बेहद खतरनाक ग्रीनहाउस गैस है, जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में वातावरण को कई गुना तेजी से गर्म करती है। इस गैस को क्षैतिज ड्रिलिंग से सुरक्षित निकालकर ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने से भारत को अपने नेट-जीरो लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी।चीन की सफलता यह साबित करती है कि यदि सरकारी नीतियों का समर्थन हो, तो भूवैज्ञानिक चुनौतियों को पार किया जा सकता है। भारत को भी इस दिशा में एक सोची-समझी रणनीति अपनानी होगी। आवश्यकतानुसार वैश्विक ऊर्जा दिग्गजों को भारत में आमंत्रित किया जाना चाहिए, ताकि देश में तकनीक का हस्तांतरण हो सके। महानदी या दामोदर बेसिन के कुछ चुनिंदा ब्लॉकों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुनकर वहां परीक्षण शुरू किए जाने चाहिए। चीन द्वारा कोयले की गहरी परतों में क्षैतिज ड्रिलिंग का सफल उपयोग यह दिखाता है कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल नए संसाधनों को खोजने में नहीं, बल्कि मौजूदा संसाधनों के स्मार्ट दोहन में है। भारत अपने कोयला भंडारों को केवल 'प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन' के रूप में नहीं देख सकता। यदि सही नीति, विदेशी तकनीक और घरेलू इच्छाशक्ति का समन्वय हो, तो भारत भी अपनी गहरी कोयला खदानों से स्वच्छ ऊर्जा का अकूत भंडार निकाल सकता है। चीन के इस कदम से सीख लेते हुए भारत को बिना देर किए इस दिशा में अपने कदम बढ़ा देने चाहिए, क्योंकि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता ही भविष्य की वास्तविक संप्रभुता है।

# पेट्रो उत्पाद भी जीएसटी के दायरे में हों

मंथन
डॉ. विजेंद्र कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

जहां विज्ञान की प्रगति ने 'भारत की पूरी धरती एक कुटुंब की तरह है' अवधारणा को सिद्ध कर दिया है, वही व्यक्ति और समष्टि के अंतरद्वंद्व के दूरगामी प्रभाव को भी हमें देखना होगा। आज के दौर में ईंधन केवल वाहनों को गति देने वाला माध्यम नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था की रगों में दौड़ता हुआ रक्त है, जिसका सीधा नाता हर आम नागरिक की रसोई और उसकी आजीविका से है। वैश्विक ऊर्जा संकट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहराते तनावों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जो अप्रत्याशित उछाल आया है, उसकी तपिश अब हमारे घरेलू बाजारों में भी साफ महसूस की जा रही है।

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में जो निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, उसने इस विषय को महज एक प्रशासनिक चर्चा से उठाकर हर घर के बजट को झकझोरने वाला एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना दिया है। जब भी पेट्रो पदार्थों के दाम बढ़ते हैं, तो उसकी पहली चोट आम आदमी की जेब पर लगती है। विकासशील देशों में माल की आवाजाही का एक बहुत बड़ा हिस्सा सड़क मार्ग पर निर्भर है, इसलिए जैसे ही डीजल के दाम बढ़ते हैं, वैसे ही ट्रकों और भारी वाहनों का किराया अपने आप बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि कारखानों में बनने वाले सामान से लेकर खेतों से मंडियों तक आने वाली फल-सब्जियों जैसी अनिवार्य वस्तुओं की ढुलाई बेहद महंगी हो जाती है। हमारा कृषि प्रधान समाज आज भी खेती की जुताई से लेकर फसलों की सिंचाई तक के लिए काफी हद तक डीजल पर निर्भर है। जब लागत और परिवहन दोनों महंगे हो जाते हैं, तो आटा, दाल, दूध, फल और सब्जियों के दाम आसमान छूने लगते हैं। ऐसे में एक सीमित आय वाले मध्यमवर्गीय परिवार या रोजाना कमाने-खाने वाले मजदूर के लिए अपनी थाली के पोषण और स्वाद को बचाए रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। इसी तरह दुपहिया वाहन, ऑटो या टैक्सी चलाकर परिवार का पेट पालने वाले चालकों के लिए यह समय किसी कड़ी परीक्षा से कम नहीं होता, क्योंकि ईंधन पर खर्च बढ़ने से उनकी रोज की कमाई का एक बड़ा हिस्सा तेल में ही जल जाता है और सवारी का किराया तुरंत बढ़ा पाना उनके बस में नहीं होता।

आर्थिक विश्लेषकों का भी स्पष्ट मानना है कि तेल की कीमतों में होने वाली मामूली वृद्धि भी देश की खुदरा महंगाई दर को सीधे ऊपर ले जाती है, जो महज कंपनियों के नफे-नुकसान का मामला नहीं, बल्कि सीधे तौर पर आम उपभोक्ता की क्रय शक्ति और उसके जीवन स्तर पर किया गया प्रहार है। इस कठिन चक्रव्यूह से पार पाने के लिए तात्कालिक राहत और दूरगामी सोच, दोनों ही मोर्चों पर एक साथ कदम बढ़ाने होंगे, जहां शासन और समाज दोनों को मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रशासनिक स्तर पर देखें तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में केंद्र और राज्यों के करों यानी उत्पाद शुल्क और मूल्य संवर्धित कर की हिस्सेदारी काफी बड़ी होती है। संकट के इस दौर में सरकारों को लोक-कल्याणकारी कदम उठाते हुए टैक्स के बोझ को थोड़ा कम करना चाहिए, ताकि जनता को तुरंत राहत मिल सके। साथ ही देश में अरसे से यह मांग भी उठ रही है कि पेट्रो उत्पादों को भी वस्तु एवं सेवा कर के दायरे में लाया जाए, जिससे पूरे देश में करों की विसंगतियां समाप्त होंगी, कीमतों में स्थिरता आएगी और अप्रत्याशित उछाल से काफी हद तक बचा जा सकेगा। नीतियों के साथ-साथ सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर भी हमें अपनी आदतों को बदलना होगा। रोजमर्रा के सफर में हमें वाहनों को साझा करने की आदत डालनी होगी और जहां तक संभव हो, निजी गाड़ियों के बजाय मेट्रो, बसों या स्थानीय ट्रेनों का उपयोग करना होगा, जो न केवल हमारी जेब का बोझ हल्का करेगा, बल्कि देश के भारी-भरकम आयात बिल को भी कम करने में मदद करेगा। अब वह समय आ चुका है जब हमें बिजली से चलने वाले वाहनों और मिश्रित ईंधन तकनीकों को पूरी गंभीरता से अपनाना होगा। पेट्रोल में कृषि अपशिष्ट से तैयार इथेनॉल के मिश्रण को और अधिक विस्तार देना भी एक बेहतरीन विकल्प है, जिससे हमारे खेतों के कचरे का सही उपयोग होगा, किसानों की आमदनी बढ़ेगी और विदेशी कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता भी कम होगी। प्रशासनिक ढांचे के अंतर्गत फिजूल खर्ची को रोक कर तर्कसंगत उपयोगिता प्रणाली को विकसित करना होगा तथा सरकारी संसाधनों की दुरुपयोग की अपनी मानसिकता को भी बदलना होगा।

**विकासशील देशों में माल की आवाजाही का एक बहुत बड़ा हिस्सा सड़क मार्ग पर निर्भर है, इसलिए जैसे ही डीजल के दाम बढ़ते हैं, वैसे ही ट्रकों और भारी वाहनों का किराया अपने आप बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि तमाम अनिवार्य वस्तुओं की ढुलाई बेहद महंगी हो जाती है।**

# रणनीतिक प्रबंधन दूर करेगा संकट

व्यवस्था
जूही पाठक
स्वतंत्र पत्रकार

भारत वर्तमान में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता और आयातक देश है। हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और औद्योगिक प्रगति पूरी तरह से ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति पर टिकी हुई है। आज की तारीख में भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का लगभग पचासी प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात करता है। यह भारी-भरकम आयात न केवल देश के राजकोषीय घाटे को प्रभावित करता है, बल्कि भारत की विदेश नीति और आर्थिक निर्णयों में भी बड़ी भूमिका निभाता है। ऐसे में इस बिन्दु पर विचार करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि ईंधन व्यवस्था की दृष्टि से भारत के मौजूदा तेल स्रोत क्या हैं और आने वाले भविष्य में देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर क्या संभावनाएं और चुनौतियां छिपी हैं।

भारत का घरेलू तेल उत्पादन मुख्य रूप से तीन प्रमुख हिस्सों में बंटा हुआ है, जिनमें तटीय तेल क्षेत्र, उथले अपतटीय क्षेत्र और गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र शामिल हैं। तटीय यानी जमीन पर स्थित तेल स्रोतों में राजस्थान का बाड़मेर ब्लॉक सबसे महत्वपूर्ण है, जहां मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या जैसे तेल क्षेत्र देश के घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा असम के डिगबोई, नाहरकटिया और मोरान-हुगरीजन जैसे पारंपरिक क्षेत्र आज भी देश को तेल की आपूर्ति कर रहे हैं, जबकि गुजरात का कैम्बे बेसिन और अंकलेश्वर भी प्रमुख ऑनशोर तेल स्रोत बने हुए हैं। उत्पादन का दूसरा हिस्सा उथले अपतटीय क्षेत्र हैं, जिनका सबसे बड़ा उदाहरण अरब सागर में स्थित मुंबई हाई है। यह बेसिन दशकों से देश के घरेलू उत्पादन की रीढ़ रहा है। तीसरा और सबसे आधुनिक हिस्सा गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र हैं, जो मुख्य रूप से बंगाल की खाड़ी के कृष्णा-गोदावरी बेसिन में स्थित हैं। यदि हम आने वाले दस से बीस वर्षों की ईंधन व्यवस्था पर नजर डालें, तो भारत का तेल परिदृश्य एक बहुत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत मुख्य रूप से चार रणनीतिक मोर्चों पर आगे बढ़ रहा है, जिसमें सबसे पहला मोर्चा गहरे और अति-गहरे समुद्र में नए भंडारों की खोज का है। भारत सरकार ने अंडमान-निकोबार बेसिन, महानदी बेसिन और गहरे अरब सागर के विशाल क्षेत्रों को पुराने कड़े नियमों से मुक्त कर दिया है ताकि इन अनछुए क्षेत्रों का दोहन किया जा सके। दूसरा महत्वपूर्ण मोर्चा सामरिक तेल भंडारों का विस्तार है, ताकि अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक उथल-पुथल, युद्ध या आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की स्थिति में देश की ईंधन व्यवस्था ठप न हो। वर्तमान में विशाखापत्तनम, मंगलौर और पादुर में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के रूप में लाखों टन कच्चा तेल आपातकाल के लिए सुरक्षित रखा गया है और भविष्य की योजना के तहत ओडिशा के चंडीखोल तथा पादुर के दूसरे चरण में इस क्षमता को दोगुना किया जा रहा है। रणनीतिक स्तर पर तीसरा बड़ा बदलाव आयात का विविधीकरण है, जिसके तहत भारत किसी एक क्षेत्र या संगठन पर अपनी निर्भरता को समाप्त कर रहा है। भारत ने अपनी कूटनीतिक रणनीति बदलते हुए रूस, अफ्रीकी देशों और लैटिन अमेरिकी देशों से तेल का आयात बढ़ाना शुरू किया है, जो भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर मोलतोल की शक्ति देता है और वैश्विक संकटों के प्रभाव से देश को सुरक्षित रखता है। भविष्य का चौथा और सबसे बड़ा कदम यह है कि भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार, पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग, और नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी नीतियां यह सुनिश्चित कर रही हैं कि भविष्य में परिवहन और उद्योगों के लिए कच्चे तेल की मांग को धीरे-धीरे कम किया जा सके। ईंधन व्यवस्था के दृष्टिकोण से भारत का भविष्य एक बेहद संतुलित रणनीति पर टिका है। एक तरफ जहां घरेलू स्तर पर गहरे समुद्र में नए कुओं की खोज और सामरिक तेल भंडारों को सुरक्षित करना देश की वर्तमान जरूरत है, वहीं दूसरी तरफ तेल पर निर्भरता हटाकर अक्षय ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाना भारत का अंतिम लक्ष्य है। जब तक देश ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो जाता, तब तक कच्चे तेल के स्रोतों का रणनीतिक प्रबंधन ही भारत के विकास की रफ्तार को बनाए रखने की महत्वपूर्ण कुंजी है।

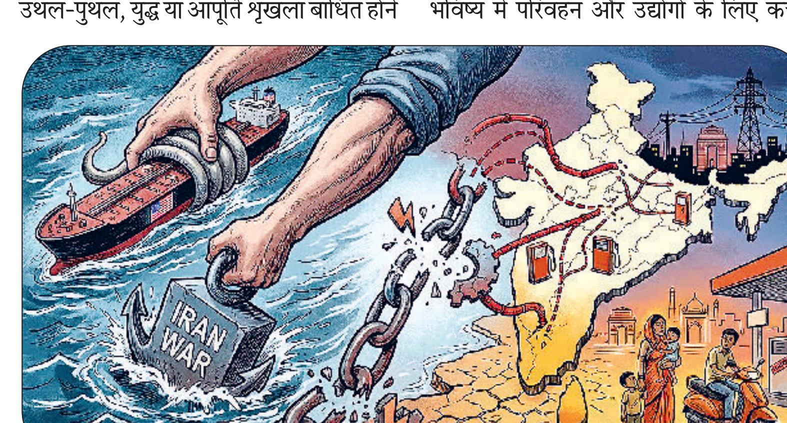


**भारत का घरेलू तेल उत्पादन मुख्य रूप से तीन प्रमुख हिस्सों में बंटा हुआ है, जिनमें तटीय तेल क्षेत्र, उथले अपतटीय क्षेत्र और गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र शामिल हैं। तटीय यानी जमीन पर स्थित तेल स्रोतों में राजस्थान का बाड़मेर ब्लॉक सबसे महत्वपूर्ण है।**

ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव कंसल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई

# वीबी-जी आरएएम जी अधिनियम, 2025 को लागू करने के लिए राज्यों की तैयारियों की समीक्षा की

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण विकास विभाग (डीओआरडी) के सचिव, रोहित कंसल की अध्यक्षता में वीबी–जी आरएएम जी अधिनियम, 2025 को लागू करने और उसे चालू करने की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान, डीओआरडी सचिव ने महात्मा गांधी एनआरईजीएस से वीबी-जी आरएएम जी अधिनियम के तहत संशोधित ढांचे में सुचारू रूप से बदलाव के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा की जा रही तैयारियों की गतिविधियों की स्थिति की समीक्षा की। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई कि वे सभी महत्वपूर्ण तैयारी के उपायों को समय-सीमा के भीतर पूरा करें, ताकि अधिनियम के लागू होने के बाद उसको बिना किसी रुकावट के लागू किया जा सके।

बैठक के दौरान जिन तैयारियों की समीक्षा की गई, उनमें संशोधित फ्रेमवर्क को लागू करने के लिए ज़रूरी राज्य-स्तरीय उपाय शामिल थे, जैसे-राज्य वीबी-जी आरएएम जी योजना की अधिसूचना जारी करने की तैयारी, अधिनियम के तहत राज्य-विशिष्ट नियम बनाना, डीबीटी-स्पर्श और एसएनए-स्पर्श के लिए तकनीकी एकीकरण और युक्तधारा पोर्टल के जरिए कामों की एक पर्याप्त सूची तैयार करना-जिसे अन्य जरूरी वित्तीय, तकनीकी और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ-साथ सहभागी योजना दृष्टिकोण के तहत ग्राम सभा द्वारा विधिवत मंजूरी दी गई हो। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी सलाह दी गई कि वे आवश्यक बजटीय प्रावधान करें और 1 जुलाई से वीबी- जी आरएएम जी को लागू करने के लिए पर्याप्त वित्तीय आवंटन सुनिश्चित करें। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को आगे यह भी सलाह दी गई कि वे संशोधित फ्रेमवर्क में सुचारू रूप से बदलाव के लिए महात्मा गांधी एनआरईजीएस के तहत लंबित देनदारियों का समय पर मिलान और निपटान सुनिश्चित करें।

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई कि वे जमीनी स्तर पर काम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें, रोजगार की सभी वास्तविक मांगों को पूरा करें, और ग्रामीण परिवारों को खासकर खेती के सबसे कम काम वाले मौसम के दौरान समय पर रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए जरूरी कदम उठाएं।

### नियमों का व्यापक दायरा

ये मसौदा नियम कई महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करते हैं। इनमें राष्ट्रीय स्तर की संचालन समिति की भूमिका और जिम्मेदारियां शामिल हैं। केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद के गठन और कार्यों का भी इसमें उल्लेख है। प्रशासनिक खर्चों का प्रबंधन और शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना भी नियमों का हिस्सा है। मजदूरी और बेरोजगारी भत्ते के भुगतान के तरीके भी स्पष्ट किए गए हैं। सामान्य आवंटन से अधिक होने वाले खर्चों का प्रबंधन भी इन नियमों के दायरे में आता है।

### अब मनरेगा की जगह यह योजना

ग्रामीण भारत में रोजगार की गारंटी देने वाली दशकों पुरानी मनरेगा योजना की जगह अब एक नया ऐतिहासिक कानून लेने जा रहा है। केंद्र सरकार आगामी 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में 'वीबी-जी राम जी' (विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन - ग्रामीण) योजना को आधिकारिक तौर पर लागू करने जा रही है। सरकार का उद्देश्य इस नई योजना के जरिए ग्रामीण परिवारों को अधिक दिनों का गारंटीशुदा रोजगार देना और पूरी व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना है।

# स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने सीएम सुवेंदु के साथ वर्चुअल बैठक में पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य प्रणालियों की समीक्षा की

पश्चिम बंगाल के लिए एनएचएम के तहत आवंटित 3,505.59 करोड़ रुपए में से पहली किश्त के रूप में 527.58 करोड़ रुपए जारी किए गए

*केंद्र और पश्चिम बंगाल ने सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया*

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), पीएम-एबीएचआईएम तथा अन्य प्रमुख योजनाओं के तहत निधियों के प्रभावी उपयोग पर चर्चा की गई।

स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी पहलों, टीबी एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों के उन्मूलन, गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की शीघ्र जांच एवं निदान और सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दवाओं एवं निदान उपकरणों की उपलब्धता के जरिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने पर चर्चा की गई।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल 3505.59 करोड़ रुपये का संसाधन आवंटन राज्य को सूचित किया गया। इस आवंटन में से 527.58 करोड़ रुपये की पहली मंजूरी आज राज्य को जारी कर दी गई है।

बैठक में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को बेहतर नियामक निगरानी, निदान एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रणालियों को सुदृढ़ करने और प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य समाधानों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया। गहन जांच, उपचार संबंधी अनुपालन और जिला स्तरीय निगरानी को प्राथमिकता के जरिए राज्य में लागू होने वाले टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने पर विशेष बल दिया गया। केन्द्रीय मंत्री ने राज्य में जल्द से जल्द एचपीवी टीकाकरण शुरू करने का भी उल्लेख किया।

बैठक को संबोधित करते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि मातृ मृत्यु दर (एमएमआर), पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) और नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) जैसे प्रमुख जन स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार और उन्हें बनाए रखने हेतु निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों और उनसे जुड़ी जन स्वास्थ्य संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए ये प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों में निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने हेतु सशक्त निगरानी, समय पर हस्तक्षेप और समन्वित स्वास्थ्य सेवा वितरण तंत्र के महत्व पर बल दिया।

इस अवसर पर सुवेंदु ने पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य सेवा इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में भारत सरकार और केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहेगी।

इस संवाद के दौरान, अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु मंत्रालय से समर्थन और मार्गदर्शन मांगा, ताकि व्यापक और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सबसे कमजोर तथा वंचित आबादी तक पहुंच सके। उन्होंने राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाओं की कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु स्वास्थ्य सेवा के प्रशासनिक तंत्र और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन प्रणालियों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

## खबर संक्षेप

### जिमखाना क्लब 5 जून तक खाली करें

**नई दिल्ली।** देश के सबसे प्रतिष्ठित क्लबों में से एक दिल्ली जिमखाना क्लब जल्द ही इतिहास बन जाएगा। केंद्र ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग से सटी सार्वजनिक भूमि पर स्थित क्लब को 5 जून तक परिसर खाली करने का आदेश दिया। सरकार ने कहा है कि 27.3 एकड़ का यह भूखंड 'रक्षा बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करने के लिए जरूरी है।

### राज्यसभा की याचिका समिति के अध्यक्ष बने चड्ढा

**नई दिल्ली।** आप पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। चड्ढा को उच्च सदन यानी राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस समिति का पुनर्गठन करते हुए इसमें दस सदस्यों को नामांकित किया है। यह नियुक्ति तत्काल लागू हो गई है।

### बच्ची का अपहरण और मर्डर, आरोपी गिरफ्तार

**कोयंबटूर।** कोयंबटूर की सुलूर पुलिस ने सुलूर के कन्नमपालयम के पास एक 10 वर्षीय बच्ची के अपहरण और हत्या के आरोप में शनिवार तड़के 33 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बच्ची गुरुवार शाम को अपने घर के पास एक किराने की दुकान पर गई थी। इसी दौरान आरोपी ने दोपहिया वाहन पर उसका अपहरण कर बाद में हत्या भी कर दी।

### फंदे पर मिली महिला, बीमा के लिए पति पर आरोप

**खम्मन।** तेलंगाना के खम्मन जिले के तिरुलायपालेम मंडल के गोल थंडा गांव में शादीशुदा महिला संदिग्ध हालात में मृत पाई गई। मृतक की पहचान बनोथ मीनाक्षी के तौर पर हुई। पुलिस ने बताया कि उसका शव उसके घर पर लटका हुआ मिला। परिवार वालों का आरोप है पति ने बीमा के लिए हत्या कर दी और उसकी मौत को आत्महत्या दिखाने की कोशिश की।

### शिअद में कलह तेज 3 गुटों में बंटी पार्टी

**खडूर साहिब।** 2027 के चुनावों में अपने बलबूते सरकार बनाने का दावा करते हुए शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आप छोड़कर आई रमनदीप कौर शेरों को खडूर साहिब का हलका इंचार्ज लगाया तो पार्टी में बखेड़ा पैदा हो गया। नतीजन शिअद तीन गुटों में बंट गया। तीनों ही नेता अपने हठ पर कायम हैं। पार्टी में कलह बढ़ रही है।

## रोजगार मेले में 51,000 युवाओं को पीएम मोदी ने दिए नियुक्ति पत्र

# देशभर के युवा 'विकसित भारत' की बढ़ती यात्रा को गति देने में अहम भूमिका निभा रहे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 19वें रोजगार मेले में अलग-अलग सरकारी विभागों और संगठनों में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि भारत के युवा 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रही यात्रा को गति देने में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं।

'रोजगार मेला' युवाओं को नए अवसर प्रदान कर सशक्त बनाने के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज देशभर के हजारों युवाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। इस उपलब्धि के लिए मैं सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नवनियुक्त युवाओं से संवाद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज आप सभी देश की विकास यात्रा में अहम जिम्मेवार भागीदार बन रहे हैं। रेलवे, बैंकिंग, डिफेंस, हेल्थ, एजुकेशन और दूसरे कई क्षेत्रों में आप सभी नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं। आने वाले वर्षों में विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में आप सभी अहम भूमिका निभाने वाले हैं।

### पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से युवाओं से संवाद भी किया

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित भी किया

### दुनिया भारत के युवाओं और टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस को लेकर बहुत उत्साहित दिख रही

पीएम मोदी ने कहा कि अभी दो दिन पहले मैं पांच देशों की यात्रा करके लौटा हूं। कहने को तो ये सिर्फ पांच देशों की यात्रा थी, लेकिन इस दौरान मेरी दर्जनों देशों की बड़ी बड़ी कंपनियों के लीडर्स से बातें हुईं, विस्तार से चर्चा हुईं। इस दौरान हर जगह मैंने एक बात समान रूप से महसूस की है। दुनिया भारत के युवाओं और भारत की टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस को लेकर बहुत उत्साहित है। आज दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है।

### देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिलना चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि भारत भी दुनिया के अलग-अलग देशों के साथ पार्टनरशिप कर रहा है। इसका उद्देश्य यही है कि भारत के युवाओं को अवसर मिले, रोजगार मिले और उनका सामर्थ्य खिल उठे। साथ ही साथ, मैं चाहता हूं कि देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिले।

### देश के कई क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहे

उन्होंने कहा कि आज स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, हरित हाइड्रोजन और टिकाऊ विनिर्माण से जुड़े क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इनसे जुड़ी साझेदारी एक नई अर्थव्यवस्था के नए अवसर के दरवाजे खोल रही हैं। स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ 'ग्रीन ट्रांजिशन एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी' में भी सहयोग बढ़ रहा है। ये भारत को क्लीन मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी फ्यूचर इंडस्ट्री में मजबूत करेगा।

### हर भारतीय एक बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय एक बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ये संकल्प, 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आज देश अलग-अलग क्षेत्र में निवेश कर रहा है और इस निवेश से देश के युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर बन रहे हैं।

### एआई से लेकर ग्रीन टेक्नोलॉजी तक युवाओं को मिलेगा लाभ

पीएम मोदी ने कहा कि विदेश यात्रा के दौरान नीदरलैंड के साथ सेमीकंडक्टर, जल (वाटर), कृषि और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, स्वीडन के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल इनोवेशन पर सहयोग , नॉर्वे के साथ ग्रीन टेक्नोलॉजी और समुद्रीसहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बन। यूएई के साथ रणनीतिक ऊर्जा और तकनीकी साझेदारी पर विस्तार से बातचीत हुई।इटली से रक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स, विज्ञान और तकनीक जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी के समझौते हुए। इन सभी समझौतों का लाभ भारत के युवाओं को मिलने वाला है।

### सेमीकंडक्टर तकनीक से वैश्विक नेतृत्व की ओर

उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य विकसित भारत 2047 के विजन के साथ आगे बढ़ना है। इसके लिए देश हर क्षेत्र में लगातार निवेश कर रहा है, जिससे नए रोजगार पैदा हो रहे हैं। खासकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में पूरी सप्लाई चेन तैयार की जा रही है और भारत की 10 प्रमुख सेमीकंडक्टर इकाइयां पहचान बनाएंगी।

### एक घंटे तक थमी रही 160 यात्रियों की सांसें

**लखनऊ।** चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में रवाना हुआ एक विमान शनिवार को दोहरे संकट में फंस गया। दिल्ली का मौसम खराब होने के कारण विमान को उतरने की अनुमति नहीं मिली। दूसरा विमान जब आसमान में चक्कर काट रहा था तो हवा के तेज झोंके में फंस गया। इससे विमान यात्री कुछ देर के लिए भयभीत हो गए। करीब 1 घंटे चक्कर काटने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति मिली, तब लोगों में जान आई।

## पीएम मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी

# अजय के साथ 30 समर्थकों पर एफआईआर, सौंपी 'पेन ड्राइव'

एजेंसी ⏭ महोबा

जिले में अपहरण व दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली नीट की तैयारी कर रही छात्रा से मिलने आए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य और अधिवक्ता नीरज रावत की तहरीर पर अजय राय, बृजराज सिंह समेत 30 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

### विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज

ड्यूटी पर तैनात पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों को शांति व्यवस्था बनाए रखने में मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने वायरल वीडियो की पैन ड्राइव पुलिस को साक्ष्य के तौर पर सौंपी। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह का कहना है आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में तहरीर मिली है। तहरीर के आधार पर सरकारी कार्य में बाधा समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

## मुख्यमंत्री सुवेंदु ने पारदर्शिता लाने के कदम उठाए

# भर्ती परीक्षाओं में अब परीक्षार्थियों को दी जाएगी ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी

एजेंसी ⏭ सियालदेह

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राज्य में भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने बड़ा कदम उठाया है। अब से परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। सीएम अधिकारी ने मध्य कोलकाता के सियालदह में सरकार की ओर से आयोजित एक रोजगार मेले में यह घोषणा की। उन्होंने कहा, हर युवा उम्मीदवार को कार्बन कॉपी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अभी कार्बन कॉपी नहीं दी जाती थीं।

### सियालदेह में रोजगार मेले में यह बात कही

#### 61 रेल परियोजनाएं शुरू होंगी

सुवेंदु ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य में पूर्ववर्ती टीएमसी सरकार के असहयोग के कारण रुकी हुई 61 रेल परियोजनाओं को पूरा करने के लिए संबंधित विभागों को रेलवे को अविलंब भूमि सौंपने का निर्देश दिया है।

### हर गरीब को मिलेगा फ्री इलाज, खुलेगा एम्स

सुवेंदु ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ अहम वर्चुअल बैठक की। बंगाल की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 2103 करोड़ आवंटित किए गए। सुवेंदु ने कहा जुलाई से राज्य में आयुष्मान भारत कार्ड देने का काम शुरू हो जाएगा। नया एम्स भी खोला जाएगा।

## गोयल ने कहा- विश्व स्तरीय औद्योगिक बुनियादी ढांचा तैयार करेंगे

# 33,660 करोड़ का बजट तय, 4 माह में राज्य आवेदन दें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राज्यों को भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के तहत 50 औद्योगिक पार्क स्थापित करने का अवसर दिया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 33,660 करोड़ का बजट तय किया है। राज्यों से आवेदन करने के लिए 4 महीने समय दिया है। यह पहल देश में विश्व स्तरीय औद्योगिक बुनियादी ढांचा तैयार करेगी।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 मार्च को देश भर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित करने की इस योजना को मंजूरी दी थी। इसका मुख्य लक्ष्य विनिर्माण क्षमता को बढ़ावा देना है।

**50** औद्योगिक पार्क पहले बनेंगे

**20** पार्क पहले 2 माह में बनेंगे

**30** पार्क इसके 2 माह बाद बनेंगे

**50** अंतिम चरण में होंगे स्थापित

### देश भर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे

#### चयन प्रक्रिया चुनौती विधि के माध्यम से होगी

योजना के तहत 100 से 1,000 एकड़ तक के औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। प्रति एकड़ एक करोड़ तक की वित्तीय सहायता मिलेगी। पहाड़ी राज्यों के लिए 25 एकड़ भूमि पर भी पार्क होंगे।चयन प्रक्रिया चुनौती विधि से होगी।

**निजी साझेदारी का प्रावधान**

योजना में राज्यों के लिए निजी खिलाड़ियों के साथ साझेदारी का भी प्रावधान है। ऐसे प्रस्तावों के लिए केंद्र प्रति एकड़ 50 लाख की सहायता देगा।गोयल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

### औद्योगीकरण बढ़ेगा

भव्य योजना क्लस्टर आधारित विकास को बढ़ावा देगी। यह उद्योगों, आपूर्तिकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं के सह-स्थान को सक्षम बनाएगी। इससे घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और क्षेत्रीय औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा। यह लाखों लोगों के लिए नए अवसर पैदा करेगी। विनिर्माण इकाइयों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप और वैश्विक निवेशकों को इसका लाभ मिलेगा। 3 साल में ये 50 पार्क चालू हो जाएंगे।

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

(धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **फरीद पुत्र हुमायूँ पताः 15/2, गांव कोटला, दिल्ली ने जीडी 107ए, दिनांक 12.09.2024 धारा 40ए दिल्ली एक्साईज एक्ट के तहत** थानाः जगतपुरी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **फरीद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **फरीद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **जीडी संख्या 107ए, दिनांक 12.09.2024 धारा 40ए दिल्ली एक्साईज एक्ट के तहत थाना जगतपुरी, दिल्ली के उक्त फरीद** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अनुष्ठा श्रीवास्तव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05
शाहदरा जिला, कमरा नं.07,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6633/SHD/2026

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुशील यादव पुत्र चद्रा देव पताः ए–347, साउथ गामरी गढी मेंढू न्यू उस्मानपुर दिल्ली ने एफआईआर संख्या 26/2019 धारा 279/337/338 भा.द.स. एवं 3/181, 5/181 एमवी एक्ट के तहत** थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सुशील यादव** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सुशील यादव** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 26/2019 धारा 279/337/338 भा.द.स. एवं 3/181, 5/181 एमवी एक्ट के तहत थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली के उक्त सुशील यादव** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
वैभव गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11
(केन्द्रीय), कमरा नं.138
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6479/N/2026

# 5 म्यूचुअल फंड्स ने बनाया निवेशकों का भरोसा मजबूत

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में लगातार बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सही म्यूचुअल फंड चुनने की होती है। आज बाजार में 1500 से ज्यादा म्यूचुअल फंड स्कीम मौजूद हैं और हर फंड खुद को सबसे बेहतर साबित करने की कोशिश करता है। ऐसे में केवल ज्यादा रिटर्न देखकर निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी भी फंड का सही आकलन केवल रिटर्न से नहीं, बल्कि उसके "रिस्क एडजस्टेड रिटर्न" से किया जाना चाहिए। यानी ऐसा फंड जो जोखिम कम रखते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन करे। हाल ही में किए गए एक विस्तृत विश्लेषण में कई म्यूचुअल फंड स्कीमों को शार्प रेशियो, सॉर्टिनो रेशियो, स्टैंडर्ड डिविएशन और रोलिंग रिटर्न जैसे मानकों पर परखा गया। इस विश्लेषण में पांच फंड सबसे मजबूत विकल्प बनकर सामने आए।

### एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

सूची में पहला नाम एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड का है। यह फंड हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) पार करने वाला चुनिंदा फंड बना है। फंड ने पिछले कई वर्षों में लगातार मजबूत प्रदर्शन किया है। रोलिंग रिटर्न के आधार पर इसने तीन और पांच साल की अवधि में 19 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस फंड की सबसे बड़ी ताकत बाजार गिरने के दौरान नुकसान को सीमित रखना रही है। इसका शार्प रेशियो और सॉर्टिनो रेशियो भी श्रेणी के अन्य फंड्स से बेहतर रहा। फंड का बड़ा निवेश बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर और आईटी सेक्टर में है। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई जैसी कंपनियां इसकी प्रमुख होल्डिंग्स में शामिल हैं।

### बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड

दूसरे स्थान पर बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। इस फंड ने पिछले 10 वर्षों में अपनी श्रेणी के अधिकांश फंड्स से बेहतर प्रदर्शन किया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इस फंड ने औसतन 24 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया, जबकि श्रेणी का औसत लगभग 18 प्रतिशत रहा। यह फंड लगातार बदलते बाजार के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करता है और इसी रणनीति ने इसे मजबूत बनाया है। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनेंशियल, सर्विसेज, एनर्जी और हेल्थकेयर सेक्टर में है।

### निप्पोन इंडिया लार्ज कैप फंड

निप्पोन इंडिया लार्ज कैप फंड भी जोखिम और रिटर्न के संतुलन के मामले में मजबूत विकल्प माना गया। पिछले 10 वर्षों में किसी भी सात साल की अवधि में इस फंड ने औसतन 15 प्रतिशत से ज्यादा रोलिंग रिटर्न दिया। यह श्रेणी औसत और निफ्टी 100 दोनों से बेहतर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी सबसे बड़ी ताकत स्थिर प्रदर्शन और मजबूत स्टॉक चयन है। लंबे समय से एक ही फंड मैनेजर के नेतृत्व में रहने का फायदा भी इसे मिला है। फंड की प्रमुख हिस्सेदारी बैंकिंग, एनर्जी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर सेक्टर में है।

### एचडीएफसी मिड कैप फंड एसआईपी

एचडीएफसी मिड कैप फंड लंबे समय से मिडकैप निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू की होती, तो आज उसका निवेश लगभग 35 लाख रुपये तक पहुंच चुका होता। फंड ने लंबे समय में करीब 20 प्रतिशत सालाना रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मिडकैप श्रेणी में अस्थिरता ज्यादा होती है, लेकिन इस फंड ने लगातार बेहतर संतुलन बनाए रखा। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनेंशियल, हेल्थकेयर और ऑटोमोबाइल सेक्टर में फैला हुआ है।

### इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड

सूची में पांचवां नाम इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड का रहा। स्मॉलकैप फंड्स को आमतौर पर ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है, लेकिन इस फंड ने जोखिम के मुकाबले मजबूत रिटर्न दिया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इसने लगभग 26 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि पांच और सात साल की अवधि में भी प्रदर्शन मजबूत रहा। फंड का फोकस तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों की पहचान कर शुरुआती दौर में निवेश करना है। इसकी प्रमुख हिस्सेदारी हेल्थकेयर, सर्विसेज, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर सेक्टर में है।

### आखिर क्या होता है रिस्क एडजस्टेड रिटर्न

विशेषज्ञों के मुताबिक, केवल ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड हमेशा बेहतर नहीं होता। अगर किसी फंड में उतार-चढ़ाव बहुत ज्यादा हो, तो वह निवेशकों के लिए जोखिम बढ़ा सकता है। रिस्क एडजस्टेड रिटर्न ऐसे फंड्स को पहचानने का तरीका है जो कम जोखिम के साथ स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न देते हैं।

# बाजार में बढ़ी अनिश्चितता, निवेशकों की पहली पसंद बन रहे लिक्विड फंड

**अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक रिटर्न दिया**

**पूंजी सुरक्षित और जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला जा सकता है पैसा**

**शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई, रहना होगा अलर्ट**

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

**विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को जोखिम लेने से रोक रहे**

वैश्विक तनाव, शेयर बाजार की अस्थिरता और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा अब सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में निवेश सात साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। निवेशक फिलहाल जोखिम से दूरी बनाकर ऐसे विकल्प चुन रहे हैं जहां पूंजी अपेक्षाकृत सुरक्षित रहे और जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला भी जा सके। म्यूचुअल फंड उद्योग से जुड़े संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में शुद्ध निवेश 1.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पिछले वर्ष अप्रैल में यह आंकड़ा 1.19 लाख करोड़ रुपये था। यानी एक साल में लगभग 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह बीते कई वर्षों में सबसे बड़ा उछाल माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को ज्यादा जोखिम लेने से रोक रहे हैं। ऐसे माहौल में लोग अपने निवेश को सुरक्षित रखने के लिए लिक्विड फंड्स का सहारा ले रहे हैं।

### बैंकिंग सिस्टम में बढ़ी नकदी बनी बड़ी वजह

विशेषज्ञों के अनुसार इस बढ़ोतरी के पीछे बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी भी अहम कारण रही। अप्रैल के दौरान बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त नकदी 2 लाख करोड़ से 5.5 लाख करोड़ रुपये के बीच रही, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा काफी कम था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों और बाजार में पर्याप्त लिक्विडिटी बनाए रखने के प्रयासों का असर भी साफ दिखाई दिया। बैंकों और कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी रही, जिसे उन्होंने बेहतर रिटर्न और सुरक्षित पार्किंग के लिए लिक्विड फंड्स में निवेश किया।

### कम जोखिम में बेहतर रिटर्न का आकर्षण

लिक्विड फंड्स में बढ़ती दिलचस्पी की एक और बड़ी वजह इनका अपेक्षाकृत बेहतर रिटर्न रहा। अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि ओवरनाइट दरें लगभग 5 प्रतिशत के आसपास रहीं। इसके अलावा सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीडी) की ब्याज दरें 6.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक पहुंचीं, जिसने निवेशकों को आकर्षित किया। ऐसे में कम जोखिम के साथ थोड़े बेहतर रिटर्न की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए लिक्विड फंड्स एक बेहतर विकल्प बनकर उभरे। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, तब निवेशक पूंजी बचाने को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे समय में इक्विटी निवेश की तुलना में लिक्विड फंड्स ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं क्योंकि इनमें पैसा कम अवधि वाले डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है।

### आखिर क्या होते हैं लिक्विड फंड्स

लिक्विड फंड्स डेट म्यूचुअल फंड की श्रेणी में आते हैं। ये निवेशकों का पैसा ट्रेजरी बिल्स, सरकारी प्रतिभूतियों, कॉल मनी और अन्य शॉर्ट टर्म मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह होती है कि इनमें निवेश की मैच्योरिटी अवधि बहुत कम होती है। आमतौर पर ये 91 दिनों तक की अवधि वाले साधनों में निवेश करते हैं। इसी कारण इनमें जोखिम अपेक्षाकृत कम माना जाता है और जरूरत पड़ने पर निवेशक आसानी से पैसा निकाल सकते हैं। यही वजह है कि कम समय के लिए पैसा पार्क करने वाले निवेशक लिक्विड फंड्स को पसंद करते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति को दो-तीन महीने बाद बच्चों की फीस जमा करनी हो, यात्रा पर जाना हो या कोई अन्य छोटा वित्तीय लक्ष्य पूरा करना हो, तो वह रकम लिक्विड फंड में रख सकता है।

### सेविंग अकाउंट से बेहतर विकल्प क्यों

वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि लिक्विड फंड्स कई मामलों में सेविंग अकाउंट से बेहतर साबित हो सकते हैं। बैंक सेविंग अकाउंट में जहां ब्याज दरें सीमित रहती हैं, वहीं लिक्विड फंड्स थोड़े बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। इसके अलावा इनमें निवेश और निकासी की सुविधा भी काफी आसान होती है। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि लिक्विड फंड्स पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होते, लेकिन अन्य म्यूचुअल फंड श्रेणियों की तुलना में इनमें जोखिम कम माना जाता है।

### निवेशकों को क्या रखना चाहिए ध्यान

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि लिक्विड फंड्स को लंबी अवधि के निवेश विकल्प के तौर पर नहीं देखना चाहिए। ये मुख्य रूप से कम अवधि की जरूरतों और अस्थायी निवेश के लिए बेहतर माने जाते हैं। अगर निवेशक लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो इक्विटी या हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं। वहीं जिन लोगों को कुछ महीनों के लिए सुरक्षित निवेश चाहिए, उनके लिए लिक्विड फंड्स उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसके साथ ही निवेशकों को किसी भी फंड में निवेश करने से पहले उसकी रेटिंग, पोर्टफोलियो गुणवत्ता, एक्सपेंस रेशियो और फंड हाउस की विश्वसनीयता जरूर जांचनी चाहिए।

### सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ता रुझान

वर्तमान आर्थिक माहौल यह संकेत दे रहा है कि निवेशक अब केवल ऊंचे रिटर्न नहीं, बल्कि सुरक्षा और स्थिरता को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। बाजार में अनिश्चितता बढ़ने पर सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग तेज होना स्वाभाविक माना जाता है। लिक्विड फंड्स में रिकॉर्ड निवेश इसी बदलती निवेश मानसिकता को दर्शाता है, जहां निवेशक फिलहाल जोखिम कम रखते हुए स्थिर और सुरक्षित विकल्पों की तलाश में हैं।

# निवेश के ऑप्शन, जहां सुरक्षित रहेगा पूरा पैसा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में कमाई करना जितना कठिन हो गया है, उतना ही मुश्किल सही जगह निवेश करना भी हो गया है। शेयर बाजार, क्रिप्टो और हाई रिटर्न वाले कई विकल्प लोगों को आकर्षित जरूर करते हैं, लेकिन इनमें जोखिम भी काफी रहता है। ऐसे में ज्यादातर लोग ऐसी स्कीम चाहते हैं जहां पैसा सुरक्षित रहे और रिटर्न भी भरोसेमंद मिले। भारत में सरकार समर्थित कई निवेश योजनाएं हैं जो सुरक्षा, स्थिरता और टैक्स बचत तीनों का फायदा देती हैं। अगर आप भी बिना ज्यादा जोखिम उठाए अपने भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना चाहते हैं, तो ये कुछ निवेश विकल्प आपके लिए बेहद काम के साबित हो सकते हैं।

### 1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

भारतीय परिवारों में फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में से एक है। इसमें एक तय अवधि के लिए पैसा जमा किया जाता है और बैंक पहले से निश्चित ब्याज देता है। एफडीकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाजार के उतार-चढ़ाव का इस पर कोई असर नहीं पड़ता। निवेशक को पहले दिन से ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी रकम मिलेगी। 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी पर आयकर की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट भी मिलती है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जाती है। यही वजह है कि सुरक्षित निवेश चाहने वालों के लिए एफडी आज भी पहली पसंद बनी हुई है।

### 2. पब्लिक प्रोविडेंट फंड

अगर आपका लक्ष्य बच्चों की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना है, तो पीपीएफ शानदार विकल्प माना जाता है। यह सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। पीपीएफ की अवधि 15 साल होती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें मिलने वाला ब्याज, निवेश और मैच्योरिटी राशि तीनों टैक्स फ्री होते हैं। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का फायदा मिलने से छोटी-छोटी बचत भी बड़ा फंड बन जाती है। यही कारण है कि इसे सबसे भरोसेमंद लॉन्ग टर्म निवेश योजनाओं में गिना जाता है।

### 3. नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस)

एनपीएसयानी नेशनल पेंशन सिस्टम एक बेहतरीन विकल्प है। इसे पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) संचालित करती है। इस योजना में निवेश का एक हिस्सा सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में लगाया जाता है, जिससे जोखिम कम रहता है। एनपीएस में धारा 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती ही है, साथ ही अतिरिक्त 50 हजार की अलग टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

### 4. गोल्ड निवेश

भारत में सोना सिर्फ गहना नहीं, बल्कि सुरक्षित निवेश भी माना जाता है। हालांकि अब फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय लोग एसजीबी और गोल्ड ईटीएफ जैसे विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। सोने की कीमतें लंबे समय में आमतौर पर बढ़ती रही हैं, इसलिए इसे महंगाई के खिलाफ मजबूत सुरक्षा माना जाता है। खास बात यह है कि एसजीबी में निवेश करने पर सरकार करीब 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज भी देती है। मैच्योरिटी पर टैक्स छूट का फायदा इसे और आकर्षक बनाता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ निवेश पोर्टफोलियो में कुछ हिस्सा गोल्ड में रखने की सलाह देते हैं।

## धैर्य रखने वालों को ही मिलता है बड़ा मुनाफा, बनाएं बेहतर रणनीति

**8 साल से ज्यादा निवेश में नुकसान की संभावना लगभग न के बराबर**

# लंबी अवधि की एसआईपी बनेगी बाजार की ढाल

सुझाव

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा निवेशकों की चिंता बढ़ाता है। बाजार कभी तेजी से ऊपर जाता है तो कभी अचानक गिरावट निवेशकों का भरोसा डगमगा देती है। खासकर छोटे निवेशक अक्सर इसी डर में रहते हैं कि कहीं उनकी मेहनत की कमाई बाजार की मंदी में डूब न जाए। लेकिन अब एक नई स्टडी ने यह साबित कर दिया है कि अगर निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि तक एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में निवेश जारी रखें, तो बाजार की वोलैटिलिटी भी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा पाती। हाल ही में सामने आई एक रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि इक्विटी एसआईपी में जितनी लंबी अवधि तक निवेश किया जाता है, नुकसान का खतरा उतना ही कम होता जाता है। यहां तक कि 8 साल या उससे अधिक समय तक लगातार निवेश करने वाले निवेशकों को किसी भी अवधि में नुकसान नहीं हुआ। यह रिपोर्ट उन लाखों निवेशकों के लिए राहत भरी खबर है जो हर महीने म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं।

**15 साल की एसआईपी में रिटर्न ज्यादा स्थिर और भरोसेमंद**

**विशेषज्ञ बोले-कम से कम एक दशक तक रखें निवेश**

### 30 साल के आंकड़ों से निकला निष्कर्ष

अगस्त 1996 से अप्रैल 2026 तक के सेंसेक्स टीआरआई के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें अलग-अलग अवधियों की एसआईपी के रिटर्न को देखा गया। अध्ययन का मकसद यह समझना था कि समय बढ़ने के साथ निवेशकों का जोखिम किस तरह कम होता है। रिपोर्ट में पाया गया कि कम अवधि की एसआईपी में रिटर्न काफी अस्थिर रहे। तीन साल की अवधि में निवेशकों को जहां एक ओर 55.6 प्रतिशत तक का शानदार रिटर्न मिला, वहीं दूसरी ओर कुछ निवेशकों को 24.6 प्रतिशत तक का नुकसान भी उठाना पड़ा। इसका मतलब साफ है कि कम समय में बाजार की चाल निवेशकों को बड़ा फायदा भी दे सकती है और भारी नुकसान भी। लेकिन जैसे-जैसे निवेश की अवधि बढ़ती गई, जोखिम घटता गया। 8 साल या उससे ज्यादा की अवधि में किए गए किसी भी एसआईपी निवेश में नुकसान दर्ज नहीं हुआ।

### क्यों असरदार लंबी अवधि की एसआईपी

विशेषज्ञों के मुताबिक, एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा "रुपी कॉस्ट एवरेजिंग" होता है। जब बाजार नीचे होता है, तब निवेशक को कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर होता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। लंबे समय में यह औसत निवेश लागत को संतुलित कर देता है। इसके अलावा लंबी अवधि में बाजार की गिरावट का असर धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। शेयर बाजार भले ही कुछ महीनों या वर्षों तक कमजोर रहे, लेकिन ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो लंबे समय में बाजार ने हमेशा रिकवरी की है। यही कारण है कि धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिलता है। रिपोर्ट के अनुसार 15 साल की एसआईपी में रिटर्न का दायरा काफी सीमित हो गया। यहां रिटर्न 7.3 प्रतिशत से 18.2 प्रतिशत के बीच रहा। इसका मतलब यह है कि लंबी अवधि में निवेशकों को अपेक्षाकृत स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न मिलता है।

## युवाओं के लिए छोटी रकम से बड़ा फंड बनाने का आसान तरीका

### दस साल तक निवेश बनाए रखें

एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लंबे समय तक निवेश बनाए रखे। उनका मानना है कि कम से कम 10 साल तक निवेश करना चाहिए ताकि बाजार के विभिन्न चक्रों का फायदा मिल सके।

### समय के साथ बढ़ी रिटर्न की संभावना

स्टडी में यह भी सामने आया कि निवेश की अवधि बढ़ने के साथ 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना भी तेजी से बढ़ती गई। 3 साल की एसआईपी में केवल 67 प्रतिशत मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिला। 10 साल की एसआईपी में यह आंकड़ा 95 प्रतिशत तक पहुंच गया।12 से 15 साल की अवधि में 98 प्रतिशत निवेशकों को 10 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला। यानी निवेशक जितना अधिक समय तक बाजार में बने रहते हैं, उनके अच्छे रिटर्न पाने की संभावना उतनी ही मजबूत हो जाती है।

### एसआईपी बंद करना बड़ी गलती

अक्सर देखा जाता है कि बाजार में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं। विशेषज्ञ इसे सबसे बड़ी गलती मानते हैं। दरअसल, बाजार में गिरावट के दौरान ही निवेशकों को कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जो भविष्य में बाजार सुधरने पर बड़ा मुनाफा देती हैं। अगर निवेशक गिरावट के समय निवेश बंद कर देता है, तो वह बाजार की रिकवरी का पूरा फायदा नहीं उठा पाता। इसलिए निवेशकों को बाजार की अस्थायी गिरावट से घबराने के बजाय अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

### युवा निवेशकों के लिए बड़ा अवसर

विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं के लिए एसआईपी सबसे अच्छा निवेश विकल्प बनकर उभरा है। नौकरी की शुरुआत में छोटी रकम से निवेश शुरू करके लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। अगर कोई निवेशक 25 साल की उम्र में हर महीने 5 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो 25-30 साल में करोड़ों रुपये का फंड तैयार हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार एसआईपी को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का सबसे प्रभावी तरीका मानते हैं।

### धैर्य ही सफलता की कुंजी

इस पूरी स्टडी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि शेयर बाजार में सफलता पाने के लिए धैर्य बेहद जरूरी है। कम समय में बाजार का उतार-चढ़ाव निवेशकों को परेशान कर सकता है, लेकिन लंबी अवधि में यही बाजार संपत्ति बनाने का सबसे मजबूत माध्यम बन जाता है। एसआईपी निवेशकों के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वे नियमित निवेश जारी रखें, बाजार की गिरावट से न डरें और लंबी अवधि का नजरिया अपनाएं। क्योंकि समय के साथ बाजार की अस्थिरता कम होती जाती है और निवेशकों के लिए बेहतर रिटर्न की संभावना मजबूत होती जाती है।

# निवेश से पहले यह रखें ध्यान

**फंड का कम से कम 5-10 साल का रिकॉर्ड देखें, फंड मैनेजर का अनुभव जांचें**

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में केवल बचत करना आर्थिक सुरक्षा के लिए काफी नहीं माना जाता। बढ़ती महंगाई, रिटायरमेंट की चिंता और भविष्य की जरूरतों ने निवेश को हर नौकरीपेशा व्यक्ति की प्राथमिकता बना दिया है। ऐसे में म्यूचुअल फंड एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में शामिल हो चुका है। हालांकि निवेशकों के मन में एक सवाल हमेशा रहता है कि आखिर किस उम्र में कितनी एसआईपीकरनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश में सबसे बड़ा अंतर ज्यादा रकम नहीं, बल्कि जल्दी शुरुआत पैदा करती है। जितना जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, कंपाउंडिंग उतना ही बड़ा फायदा देती है।

**अपने जोखिम और निवेश अवधि के हिसाब से फंड चुनें**

### 20 की उम्र में शुरुआत सबसे ताकतवर

वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक 20 से 29 साल की उम्र निवेश की शुरुआत के लिए सबसे बेहतरीन समय माना जाता है। इस दौर में जिम्मेदारियां कम होती हैं और जोखिम लेने की क्षमता ज्यादा होती है। अगर कोई व्यक्ति 20 साल की उम्र में हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो 60 साल की उम्र तक करीब 11.88 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। लेकिन अगर वही निवेश 30 साल की उम्र से शुरू किया जाए, तो अंतिम फंड घटकर लगभग 3.5 करोड़ रुपये रह जाता है। यानी सिर्फ 10 साल की देरी से संभावित संपत्ति में 8 करोड़ रुपये से ज्यादा का अंतर आ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस उम्र में फ्लेक्सी कैप, मिडकैप, इंडेक्स और ईएलएसएस फंड बेहतर विकल्प माने जाते हैं क्योंकि लंबी अवधि में इनमें बेहतर ग्रोथ की संभावना रहती है। हालांकि इस उम्र में सबसे बड़ी गलती निवेश टालते रहना और जल्दी अमीर बनने के चक्कर में हाई रिस्क थीमेटिक या स्मॉलकैप फंड्स में जरूरत से ज्यादा पैसा लगाना माना जाता है।

### 30 की उम्र में संतुलन जरूरी

30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते आमतौर पर आय बढ़ती है, लेकिन जिम्मेदारियां भी तेजी से बढ़ने लगती हैं। घर का लोन, शादी, बच्चों की पढ़ाई, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसी जरूरतें निवेश रणनीति को प्रभावित करती हैं। अगर कोई व्यक्ति 30 साल की उम्र से हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और 60 साल तक निवेश जारी रखता है, तो 12 प्रतिशत अनुमानित रिटर्न के आधार पर लगभग 3.5 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। लेकिन यदि वही निवेश 40 की उम्र तक टाल दिया जाए, तो अंतिम फंड करीब 1 करोड़ रुपये तक सीमित रह सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस उम्र में संतुलित निवेश रणनीति अपनाना ज्यादा जरूरी होता है। फ्लेक्सी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड अच्छे विकल्प माने जाते हैं। इसके अलावा हर साल एसआईपी बढ़ाने की आदत यानी "स्टेप-अप एसआईपी" लंबे समय में बड़ा अंतर पैदा कर सकती है।

### 40 की उम्र में फोकस बदलना जरूरी

40 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते निवेशकों का ध्यान केवल ज्यादा रिटर्न कमाने पर नहीं, बल्कि पूंजी की सुरक्षा और रिटायरमेंट प्लानिंग पर भी होता है। अगर कोई व्यक्ति 40 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है और 60 साल तक करीब 3.5 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहता है, तो उसे हर महीने लगभग 35 से 40 हजार रुपये की **SIP** करनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा इसलिए क्योंकि निवेशक कंपाउंडिंग के 10 अहम साल खो देता है और समय की कमी को ज्यादा निवेश से पूरा करना पड़ता है। इस उम्र में लार्जकैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मल्टी एसेट और शॉर्ट ड्यूरेशन डेट फंड जैसे विकल्प बेहतर माने जाते हैं।

### हर उम्र में अलग होती है निवेश रणनीति

विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ निवेशकों को इक्विटी से पूरी तरह बाहर नहीं निकलना चाहिए, बल्कि अपने जोखिम और वित्तीय जरूरतों के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करना चाहिए। युवा निवेशक ज्यादा जोखिम लेकर ग्रोथ पर फोकस कर सकते हैं, जबकि 40 के बाद स्थिरता और पूंजी संरक्षण ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

### निवेशकों की सबसे बड़ी गलतियां

- निवेश शुरू करने में देरी करना
- बाजार गिरने पर एसआईपी बंद कर देना
- सोशल मीडिया टिप्स पर आंख बंद कर भरोसा करना
- बार-बार फंड बदलना
- बिना लक्ष्य के निवेश करना

### क्या कहते हैं जानकार

विशेषज्ञों का कहना है कि म्यूचुअल फंड कोई जल्दी अमीर बनने का जरिया नहीं है। यह लंबे समय तक अनुशासन और धैर्य के साथ संपत्ति बनाने का माध्यम है। जो निवेशक जल्दी शुरुआत करते हैं, नियमित निवेश बनाए रखते हैं और बाजार की गिरावट से घबराने के बजाय टिके रहते हैं, वही लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर पाते हैं।

### निवेश से पहले समझें जोखिम

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होते हैं। फंड का प्रदर्शन बाजार, ब्याज दरों और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार बदल सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार की मदद लेना भी बेहतर विकल्प हो सकता है।

## आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| बेंगलुरु | 14 | 9 | 5 | 18 |
| गुजरात | 14 | 9 | 5 | 18 |
| हैदराबाद | 14 | 9 | 5 | 18 |
| पंजाब | 14 | 7 | 6 | 15 |
| राजस्थान | 13 | 7 | 6 | 14 |
| कोलकाता | 13 | 6 | 6 | 13 |
| चेन्नई | 14 | 6 | 8 | 12 |
| दिल्ली | 13 | 6 | 7 | 12 |
| मुंबई | 13 | 4 | 9 | 8 |
| लखनऊ | 14 | 4 | 10 | 8 |

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
638 रन
गुजरात

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
24 विकेट
बेंगलुरु

## खबर संक्षेप

### सौडल ओपन : संधू ने बनाई कट में जगह, शर्मा चूके

**एंटवर्प।** भारतीय गोल्फर युवराज संधू (70-68) ने बेल्जियम के एंटवर्प के पास रिंकवेन इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में चल रहे सौडाल ओपन में कट हासिल किया लेकिन शुभंकर शर्मा (70-72) चूक गए। डीपी वर्ल्ड टूर पर पहली बार खेल रहे संधू ने पहले दिन तीन बोगी के मुकाबले चार बर्डी लगाईं थी और तब वह संयुक्त 72वें स्थान पर थे। उन्होंने दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन किया तथा दो बोगी के मुकाबले पांच बर्डी के साथ 68 का स्कोर बनाया, जिससे वह संयुक्त 51वें स्थान पर पहुंच गए हैं। डीपीडब्ल्यूटी में छह बार कट से चूकने के बाद संधू ने टर्किश एयरलाइंस ओपन और एस्ट्रेला डाम कैटालुन्या चैंपियनशिप में भी कट में जगह बनाई थी। दक्षिण अफ्रीका के ज़ैंडर लोम्बार्ड और फ्रांस के टॉम वैलियंट दूसरे दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं।

### तलवार ने किया कट हासिल शीर्ष 20 में बरकरार

**ओडेंसे।** भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए होटल प्लानर टूर के डेनिश चैलेंज ओपन में 67-70 का स्कोर बनाकर आसानी से कट हासिल कर लिया। घरेलू डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई टूर पर एक प्रतियोगिता जीतने वाले तलवार ने पहले दौर में एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाईं थी। उन्होंने दूसरे दौर में फ्रंट नाइन पर एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। तलवार तब शीर्ष पांच में जगह बनाने के करीब थे। लेकिन 16वें होल पर डबल बोगी और 17वें होल पर बोगी के कारण वह संयुक्त 16वें स्थान पर खिसक गए। इस बीच मार्टिन सिमोनसेन, लार्स वैन डेर विघ्ट और एल्गोट क्लीन ने 11 अंडर पार के कुल स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है।

### प्रणवी ने बनाया दो अंडर का स्कोर, शीर्ष 10 में शामिल

**रबात।** लेडीज यूरोपियन टूर में अपना पहला खिताब जीतने की कवायद में लगी भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने लल्ला मेरियम कप में दूसरे दौर में दो अंडर का स्कोर बनाकर शीर्ष 10 में अपनी जगह बरकरार रखी। पहले दौर के बाद दूसरे स्थान पर रहीं प्रणवी अब 36 होल के बाद पांच अंडर (70-71) के कुल स्कोर के साथ आठवें स्थान पर हैं। वह शीर्ष पर चल रही केल्सी बेनेट से 8 शॉट पीछे हैं।

## सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

### लखनऊ को सात विकेट से हराया, चहल-यानसन को 2-2 विकेट

# अय्यर के शतक से पंजाब जीता प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

एजेंसी ⏭ लखनऊ

23 मई (भाषा) लखनऊ, 23 मई (भाषा) कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद 101 रन की शानदार पारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने लगातार छह हार के सिलसिले को तोड़ते हुए शनिवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को सात विकेट से करारी शिकस्त देकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ की दौड़ में अपनी उम्मीदें कायम रखीं। अय्यर ने 51 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 69 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी कर एलएसजी के छह विकेट पर 196 रन के स्कोर को बौना साबित कर दिया। पंजाब किंग्स ने 12 गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 200 रन बनाए। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने अपने सभी 14 लीग मुकाबले पूरे कर 15 अंक हासिल किए और अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। अब टीम को अपनी किस्मत जानने के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि रविवार को मुंबई में राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला खेला जाएगा। राजस्थान रॉयल्स यह मैच जीतती है तो टीम 16 अंकों के साथ चौथी टीम के रूप में प्लेऑफ में पहुंचेगी। राजस्थान अगर यह मैच हारती है तो पंजाब किंग्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें काफी बढ़ जायेंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स (13 अंक) रविवार को दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। राजस्थान के हारने की स्थिति में उसके पास भी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका होगा लेकिन पंजाब किंग्स का नेट रनरेट काफी बेहतर है। बेंगलुरु, हैदराबाद और गुजरात टाइटंस पहले ही प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं।

**लखनऊ-196/6 (20)**

| खिलाड़ी | रन |
|---|---|
| इंग्लिस का अय्यर बो शशांक | 72 |
| अर्शिन का प्रभसिमरन बो ओमरजई | 00 |
| निकोल्स पूरन बो यानसेन | 02 |
| आयुष स्टं. प्रभसिमरन बो चहल | 43 |
| ऋषभ पंत का यानसेन बो चहल | 26 |
| अब्दुल समद नाबाद | 37 |
| मुकुल का स्थानापन्न (पी दुबे) बो यानसेन | 01 |
| अर्जुन तेंदुलकर नाबाद | 05 |

अतिरिक्त: 10
कुल योग: 20 ओवर में छह विकेट पर 196
विकेट पतन: 1-16, 2-20, 3-69, 4-134, 5-169 , 6-172
गेंदबाजी: अर्शदीप 3-0-52-0, ओमरजई 3-0-29-1, यानसेन 4-0-33-2, चहल 4-0-25-2, वैशाख 3-0-26-0, शशांक 3-0-29-1

**पंजाब-200/3 (18)**

| खिलाड़ी | रन |
|---|---|
| प्रियांश आर्य का अर्जुन बो शमी | 00 |
| प्रभसिमरन सिंह पगबाधा अर्जुन | 69 |
| कूपर कोनोली बो शमी | 18 |
| श्रेयस अय्यर नाबाद | 101 |
| सूर्यांश शेडगे नाबाद | 09 |

अतिरिक्त: 03
कुल योग: 18 ओवर में तीन विकेट पर 200 रन
विकेट पतन: 1-0, 2-22, 3-162
गेंदबाजी: शमी 4-0-45-2, प्रिंस 3-0-32-0, मोहसिन 4-0-48-0, राठी 3-0-39-0, अर्जुन 4-0-36-1

## प्लेऑफ पर आरआर की नजर जीत भरी विदाई चाहेगी एमआई

**मुंबई।** राजस्थान रॉयल्स की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को होने वाले लीग चरण के अपने अंतिम मैच में जीत हासिल करके इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है और वह जीत के साथ विदाई लेने के लिए प्रतिबद्ध होगा लेकिन राजस्थान रॉयल्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है, जिसमें जीत पर वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली अंतिम टीम बन जाएगी।

**मैचः आज दोपहर 3.30 बजे से**

## केकेआर को प्लेऑफ की आस दिल्ली से आज कांटे का मुकाबला

**कोलकाता।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग की मौजूदा सत्र के अंतिम लीग मैच में जब आमने-सामने होंगे तो उन्हें प्लेऑफ की अपनी धुंधली उम्मीद बरकरार रखने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। मौजूदा स्थिति के अनुसार छठे स्थान पर काबिज केकेआर और आठवें स्थान पर चल रही दिल्ली की टीम अगर मगर के समीकरणों से अभी भी प्लेऑफ का अंतिम स्थान हासिल करने की दौड़ में हैं, लेकिन यह भी हो सकता है कि रविवार को मुकाबला शुरू होने से पहले ही यह मैच महज औपचारिकता बन जाए। प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में फिलहाल सबसे आगे चल रही पंजाब किंग्स शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेगी।

**मैचः शाम 7.30 बजे से**

## टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड रवाना हुई महिला टीम, स्क्वाड में शामिल 15 खिलाड़ी

एजेंसी ⏭ मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने से इंग्लैंड की मेजबानी में शुरू होने जा रहे आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो चुकी है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में विमेन इन ब्लू को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से वे इतिहास रचने के इरादे से इंग्लैंड के लिए उड़ान भर चुकी हैं। यह महिला टी20 विश्व कप का दूसरा ऐसा सीजन है, जिसमें 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 6-6 के दो ग्रुपों में बांटा गया है। इस टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से होगा, जहां उद्घाटन मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड का सामना श्रीलंका से एजबेस्टन के मैदान पर होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ महामुकाबले से करेगी।

टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से

## दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया स्टार पहलवान के पक्ष में फैसला | विनेश को मिली ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति

एजेंसी ⏭ दुबई

भारत की स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट को बड़ी राहत मिली है। भारतीय कुश्ती महासंघ (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने एशियन गेम्स के ट्रायल्स के लिए ऐसा नियम बनाया था, जिससे विनेश फोगाट का इसमें भाग लेना मुश्किल नजर आ रहा था। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अब दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दे दी है।

### भारतीय कुश्ती महासंघ ने किया था नया क्राइटेरिया जारी

6 मई को भारतीय कुश्ती महासंघ ने एशियन गेम्स ट्रायल्स के लिए एक नया क्राइटेरिया जारी किया था। इसमें कहा गया था कि केवल वही खिलाड़ी ट्रायल्स में हिस्सा ले सकेंगे, जिन्होंने 2025 सीनियर नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में मेडल जीता हो, 2026 सीनियर फेडरेशन कप में मेडल जीता हो, 2026 अंडर-20 नेशनल चैंपियनशिप में मेडल जीता हो। विनेश फोगाट ने 2024 पेरिस ओलंपिक में महज 100 ग्राम अधिक वजन के कारण अपना पक्का सिल्वर मेडल गंवा दिया था।

### प्रज्ञाननंदा ने गंवाए जीत के मौके, ड्रॉ से करना पड़ा संतोष

**बुखारेस्ट।** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने सुपर शतरंज क्लासिक के आठवें दौर में जीत हासिल करने के कुछ अच्छे मौके गंवा दिए और आखिर में उन्हें फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। दिन के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारुआना और जर्मनी के विंसेंट कीमर के बीच बाजी ड्रॉ रही, जबकि विश्व चैंपियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। नीदरलैंड के एक अन्य खिलाड़ी अनीश गिरी को रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल से हार का सामना करना पड़ा।

## अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप: भारत के नाम पांच पदक, चार हरियाणा के पहलवानों ने जीते

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में पहले दिन भारत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच पदक जीते। यह प्रतियोगिता वियतनाम के दा नांग में आयोजित की जा रही है। इसमें भारत के खिलाड़ियों ने दो रजत और तीन कांस्य सहित पांच पदक जीते है। इसमें 60 किलोग्राम में रोहतक के सूरज ने और 67 किलोग्राम में पंजाब के सागर सिंह ने रजत पदक जीता। वहीं, 77 किलोग्राम में हिसार सचिन ने, 97 किलोग्राम में हिसार के रोहित ने और 130 किलोग्राम में झज्जर के हरदीप ने कांस्य पदक जीता। सूरज, सचिन और रोहित रोहतक के मेहर सिंह अखाड़ में कोच रणबीर ढाका के पास अभ्यास करते हैं। कोच रणबीर ढाका ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। भारत का ग्रीको-रोमन अभियान रविवार को विभिन्न भार वर्गों में होने वाले क्वालिफिकेशन मुकाबलों के साथ फिर से शुरू होगा। नीरज 55 किलोग्राम श्रेणी में चुनौती की शुरुआत करेंगे, जिसके बाद 63 किलोग्राम वर्ग में सुमित और 87 किलोग्राम श्रेणी में रोहित अपना दमखम दिखाएंगे।

### सूरज की उपलब्धियां

वर्ष 2022 अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 2022 अंडर-17 नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2023 अंडर-17 में एशिया चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2023 अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2024 अंडर-23 एशिया चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2024 अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लिया। 2024 में नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता व सीनियर नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। 2025 अंडर-20 नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

### रोहित की उपलब्धियां

2024 में जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2024 में एशियन जूनियर प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। 2024 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लिया था। अप्रैल में आयोजित जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2025 अंडर-23 एशियन प्रतियोगिता में भाग लिया था। 2025 जूनियर एशियन में रजत पदक जीता। 2025 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लिया।

### प्रस्तावित नियम टेस्ट, वनडे और टी20 की बदल सकते हैं सूरत

## हेड कोच को लेकर आईसीसी कर सकता है नियमों में बड़ा बदलाव

एजेंसी ⏭ दुबई

आईसीसी क्रिकेट को और अधिक रोमांचक, पारदर्शी और रणनीतिक बनाने के लिए खेल के मौजूदा नियमों में कुछ क्रांतिकारी बदलाव करने पर विचार कर रही है। आईसीसी की आगामी बैठक और चर्चाओं में जिन प्रस्तावों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, उनमें सबसे बड़ा बदलाव टीमों के हेड कोच की भूमिका को लेकर है। नए संशोधनों के तहत अब मैच के दौरान हेड कोच को सीधे मैदान के भीतर जाने की अनुमति मिल सकती है। आईसीसी की ओर से प्रस्तावित ये बड़े नियम खेल के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) की सूरत बदल सकते हैं।

### ड्रिंक्स ब्रेक में सीधे मैदान पर जा सकेंगे हेड कोच

वर्तमान नियमों के मुताबिक, मैच के दौरान केवल सबस्टीट्यूट खिलाड़ी ही ड्रिंक्स या अन्य सामान लेकर मैदान के भीतर जा सकते हैं। लेकिन आईसीसी के नए प्रस्ताव के अनुसार, अब टीमो के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर अपने खिलाड़ियों से सीधे बातचीत करने की अनुमति दी जा सकती है। हालांकि कोच अभी भी बाउंड्री लाइन या डगआउट से खिलाड़ियों को रणनीतिक संदेश भेजते हैं, लेकिन मैदान के अंदर जाने की अनुमति मिलने से वे कप्तान और प्रमुख खिलाड़ियों से सीधे लाइव मैच की रणनीति पर चर्चा कर सकेंगे।

### टी-20 में कम होगा इनिंग्स ब्रेक का समय

आईसीसी टी20 इंटरनेशनल मैचों की गति को और तेज करने तथा खेल को तय समय सीमा के भीतर खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में आईसीसी टी20 मैचों के दौरान होने वाले इनिंग्स ब्रेक को घटाकर सिर्फ 15 मिनट करने की योजना बना रही है। इस नियम के लागू होने से दर्शकों को बिना किसी लंबे इंतजार के दूसरी पारी का रोमांच देखने को मिलेगा। इससे खेल और भी ज्यादा रोमांचक हो जाएगा।

### वनडे फॉर्मेट पर दिखेगा असर

यह नियम खासकर वनडे फॉर्मेट को ध्यान में रखकर लाया जा रहा है, जहां हर पारी में करीब 70-70 मिनट के अंतराल पर दो ड्रिंक्स ब्रेक होते हैं। नियम बदलने पर कोच को दोनों ब्रेक में मैदान पर जाने का एक्सेस मिलेगा। हालांकि, अभी यह पूरी तरह साफ नहीं है कि मैदान पर जाने के लिए हेड कोच को टीम की जर्सी पहननी होगी या नहीं। मौजूदा नियम कहता है कि मैदान पर ड्रिंक्स ले जाने वाले किसी भी खिलाड़ी का उचित क्रिकेट पोशाक में होना अनिवार्य है।

### संदिग्ध बॉलिंग एक्शन को पकड़ने हॉक-आई तकनीक

क्रिकेट में अक्सर किसी गेंदबाज के संदिग्ध या अवैध बॉलिंग एक्शन को लेकर विवाद खड़ा हो जाता है, जिसकी जांच मैच के कई दिनों बाद आईसीसी की लैब में होती है। लेकिन अब आईसीसी इसे मैच के दौरान ही ट्रैक करने की तैयारी में है। नए नियमों के तहत अंपायरों को लाइव मैच के दौरान ही किसी खिलाड़ी के बॉलिंग एक्शन की वैधता की जांच करने के लिए हॉक-आई तकनीक का उपयोग करने का अधिकार दिया जा सकता है। इससे अगर कोई गेंदबाज अपनी कोहनी को तय नियम यानी कि 15 डिग्री से ज्यादा मोड़ रहा होगा, तो अंपायर मैदान पर ही तकनीक की मदद से तुरंत फैसला ले सकेंगे, जिससे खेल में पारदर्शिता और बढ़ेगी।

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

**धारा 82 Cr.P.C. देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रोहित, पुत्रः भूरा सिंह उर्फ ओमबीर सिंह, पताः एफ–40, गली नं. 4, विकास नगर, दिल्ली** ने **FIR No. 108/2017, U/s 394/411 IPC, पुलिस थाना रणहौला, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रोहित** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रोहित** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 108/2017, U/s 394/411 IPC, पुलिस थाना रणहौला, दिल्ली** के अभियुक्त **रोहित** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

**आदेशानुसार – श्री अंकित करण सिंह**
**न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–08**
**DP/6693/OD/2026** **कमरा नं. 30, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

**धारा 82(2) (ii) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल @ दीपक @ हाडी** पुत्र अशोक कुमार, **निवासः** म.नं. 1008, काली माता मंदिर, पचकुँईया रोड़, पहाड़ गंज, दिल्ली ने **FIR No. 142/2020, U/s 392/34 IPC., थानाः डी.बी.जी. रोड़, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राहुल @ दीपक @ हाडी** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राहुल @ दीपक @ हाडी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 142/2020, U/s 392/34 IPC., थानाः डी.बी.जी. रोड़, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल @ दीपक @ हाडी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

**आदेशानुसार**
**हर्षिता मिश्रा**
**DP/6740/CD/2026** एलड़ी सीजेएम (मध्य), कमरा नं. 38
**(Court Notice)** तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

**धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोनू कुमार पुत्रः बाबू कुमार पताः मकान नं. ई–138, दीपक कॉलोनी, दिलशाद गार्डेन, दिल्ली** ने case **FIR No. 395/2020 U/s 356/379/411 IPC, थानाः सब्जी मंडी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोनू कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोनू कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 395/2020 U/s 356/379/411 IPC, थानाः सब्जी मंडी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोनू कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 30.06.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

**आदेशानुसार**
**सुश्री प्रीति राजौरिया**
**न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–07**
**केन्द्रीय, रूम नं. 32**
**DP/6408/N/2026 (Court Matter)** **तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

## खबर संक्षेप

### राजौरी में आतंकियों संग मुठभेड़, अभियान जारी

**जम्मू।** जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में तलाशी अभियान के बाद शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। इलाके में दो से तीन आतंकवादियों की गतिविधियों का संदेह था। व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि पूर्वाह्न लगभग 11.30 बजे, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ मिलकर खुफिया जानकारी पर आधारित एक संयुक्त अभियान के दौरान राजौरी के गंभीर मुगलन इलाके में आतंकवादियों के साथ आमना सामना हुआ। सैनिकों ने त्वरित कार्रवाई के साथ जवाब दिया। 'ऑपरेशन शेरुवाली' जारी है।

### मेजर अभिलाषा बराक यूएन अवार्ड से सम्मानित

**न्यूयॉर्क।** लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवारत भारतीय शांतिरक्षक, मेजर अभिलाषा बराक को विश्व

संस्था द्वारा प्रतिष्ठित 'यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' के लिए नामित किया गया है। उन्हें पश्चिम एशियाई देश में तैनाती के दौरान महिलाओं और किशोरियों के साथ संपर्क कायम करने और सामुदायिक गतिविधियों तथा शांतिरक्षकों को लैंगिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। बराक संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल लेबनान में महिला सहभागिता दल की कमांडर के रूप में भारतीय बटालियन में कार्यरत हैं। वह भारतीय सेना की पहली महिला लड़ाकू हेलीकॉप्टर पायलट भी हैं।

चीन 2030 तक चंद्रमा पर मानवयुक्त यान उतारने की तैयारी में

# चीन का नया चंद्र मिशन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पर्यावरण व संसाधन संबंधी सर्वेक्षण करेगा

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

इस साल के आखिर के लिए प्रस्तावित चीन का चंद्र अन्वेषण मिशन चांग'ई-7 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पर्यावरण और संसाधन संबंधी सर्वेक्षण करेगा। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार यह मिशन कक्षीय परिक्रमा, 'लैंडिंग', 'रोविंग' और 'हॉपिंग' को शामिल करते हुए एक व्यापक अन्वेषण दृष्टिकोण अपनाएगा। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के लिए लक्षित यह रोबोटिक मिशन पानी-बर्फ की

खोज करेगा और भविष्य में एक शोध आधार स्थापित करने की दृष्टि से उस क्षेत्र का आकलन करेगा। झांग ने बताया कि अप्रैल में 'चांग'ई-7' यान को दक्षिणी द्वीपीय प्रांत हैनान के प्रक्षेपण स्थल पर पहुंचाया गया, जहां प्रक्षेपण-पूर्व तैयारियां की जा रही है और सभी संबंधित कार्य योजना के अनुसार सुचारू रूप से आगे बढ़ रहे हैं। वर्ष 2023 में भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के उस क्षेत्र के करीब सफलतापूर्वक उतरने वाला दुनिया का पहला देश बना गया था, जहां अब तक बहुत कम खोजबीन हुई है। प्रज्ञान' रोवर को साथ लेकर गया चंद्रयान-3 मिशन का लैंडर वहां सफलतापूर्वक उतरा था। अगले ही वर्ष चीन के 'चांग'ई-6' यान ने ने चंद्रमा के उस दूरस्थ हिस्से से पहली बार नमूने जुटाने का काम सफलतापूर्वक पूरा किया, जहां अब तक कोई खोजबीन नहीं हुई थी, और नमूनों को लेकर धरती पर लौटा। चीन 2030 तक चंद्रमा पर मानवयुक्त यान उतारने के लक्ष्य के साथ काम कर रहा है।

चीन ने मानवयुक्त चंद्र अभियान और मानव रहित चंद्र अन्वेषण से जुड़ी अपनी मौजूदा परियोजनाओं को एकीकृत कर एक व्यापक चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम का रूप दे दिया है।

ईरान पर फिर हमले की तैयारी में अमेरिका?

डोनाल्ड ट्रंप

मोजतबा खामेनेई

# ट्रंप अचानक व्हाइट हाउस लौटे सैन्य अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन/ तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना वीकेंड गोल्फ कार्यक्रम अचानक रद्द कर दिया और वे तुरंत व्हाइट हाउस लौट आए। इसके साथ कई वरिष्ठ प्रशासनिक और सैन्य अधिकारियों ने अपने निर्धारित अवकाश और छुट्टियां रद्द कर दी हैं। इस फैसले के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर कई तरह की अटकलें तेज हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस में ईरान पर 'फ्रैश राउंड' स्ट्राइक की योजना तैयार की जा रही है। अगर अगले 24 घंटे में कोई बड़ा कूटनीतिक समझौता नहीं हुआ,तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े सैन्य ऑपरेशन को मंजूरी दे सकते हैं।

अमेरिकी हमले की आशंका के बीच ईरान ने अपना पूरा हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। इस कदम को साफ संकेत माना जा रहा है कि ईरान भी किसी बड़े टकराव की आशंका देख रहा है।

ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने अमेरिका को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उसने फिर से युद्ध शुरू करने की गलती की, तो उसे पहले से कहीं अधिक कड़ा जवाब झेलना पड़ेगा। ईरान की सशस्त्र सेनाएं संघर्ष विराम के दौरान अपनी क्षमताओं को और मजबूत कर चुकी हैं। ईरानी सेना किसी भी आक्रामक कदम का कड़ा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। संघर्ष जारी रहने पर इसका असर केवल क्षेत्र ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी देखने को मिलेगा।

### अराघची से मिले आसिम मुनीर

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच शुक्रवार देर रात तक बातचीत चली, जिसमें पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव बढ़ने से रोकने के लिए जारी कूटनीतिक प्रयासों और नई पहलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। अराघची ने अपने तुर्की, कतर, जापान, ओमान और इराक के समकक्षों के साथ हालिया क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। हाकान फिदान, शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी, तोशिमित्सु मोतेगी और फुआद मोहम्मद हुसैन के साथ अलग-अलग फोन वार्ताओं में अराघची ने द्विपक्षीय मुद्दों पर विचारों पर बात किया है। अराघची ने ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से भी फोन पर बात की। वहीं, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर अहम बातचीत हुई। ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेजा तलई-निक ने कहा कि ट्रंप के पास ईरानी की मांगें मानने और ईरान के अधिकारों को स्वीकार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि चाहे जंग हो या बातचीत, दोनों हालात में अमेरिका और इजराइल के लिए यही एक रास्ता बचा है।

महाराष्ट्र के शिरडी में एक निजी क्षेत्र के रक्षा विनिर्माण परिसर का उद्घाटन करते हुए बोले रक्षा मंत्री

# अपने हथियारों को खुद बनाने वाला देश ही स्वयं अपना भाग्य निर्माता बन सकता है: राजनाथ सिंह

**देश की पहली 300 किमी. की यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चिंग प्रणाली 'सूर्यस्त्र' को हरीझंडी दिखाकर किया रवाना**

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को महाराष्ट्र के शिरडी में एक रक्षा विनिर्माण परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने रक्षा हथियारों के निर्माण के मामले में आत्मनिर्भरता यानी देश के भीतर ही उनके निर्माण पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा करने वाला देश ही अपना भाग्य स्वयं लिख सकता है। उन्होंने कहा कि भारत को गोला बारूद और स्वचालन के अंतरराष्ट्रीय केंद्र में बदलने की जरूरत है। जिसके लिए सरकार तमाम बड़े और महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

इस विनिर्माण परिसर का निर्माण निजी क्षेत्र की कंपनी एनआईबीई ग्रुप द्वारा किया गया था। जिसे खासतौर पर अत्याधुनिक परिसर उन्नत तोपखाना प्रणालियों, मिसाइल, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रॉकेट प्रणालियों, स्वायत्त रक्षा प्लेटफार्मों के निर्माण के लिए विकसित किया गया है। कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र

फडणवीस व कई अन्य अतिथि भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

### यूक्रेन युद्ध की दी मिसाल

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भावी युद्धों के परिणाम देश की सैन्य शक्ति के आकार से नहीं बल्कि गोला बारूद और स्वचालन के क्षेत्र में उसकी प्रगति, क्षमताओं से तय होगा। इस वास्तविकता की झलक रूस-यूक्रेन, पश्चिम एशिया संकट की स्थिति से देखी जा सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपनी इस क्षमता का प्रदर्शन किया है। राजनाथ ने इस बात को स्वीकार किया कि देश के निजी उद्योगों को भविष्य के युद्धों की बारीकी से गहरी समझ है। साथ ही वह भारत को अत्याधुनिक प्रणालियों से लैस करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने सभी हितधारकों से देश को गोला बारूद, स्वचालन के वैश्विक केंद्र में तब्दील करने के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया।

### कम नहीं होंगी सैनिकों की क्षमताएं

राजनाथ के मुताबिक, प्रौद्योगिकी का मुख्य उद्देश्य सैनिकों की क्षमताओं को कम करना नहीं। बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त बनाना है। अंतिम निर्णय हमेशा ही मानव हाथों में ही रहना चाहिए। आधुनिक हथियार प्रणालियां और स्वचालित तकनीक भविष्य के युद्धों में निर्णायक भूमिका निभाने जा रही है। ऐसे में इस दिशा में हमारा तीव्र गति से आगे बढ़ना आवश्यक है। उन्होंने देशवासियों और रक्षा उद्योगों से भी आह्वान करते हुए कहा कि हम सब मिलकर रक्षा-अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें।

### रखी मिसाइल परिसर की आधारशिला

रक्षा मंत्री ने कार्यक्रम में देश की पहली 300 किलोमीटर की सार्वभौमिक रॉकेट प्रक्षेपण 'सूर्यस्त्र' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे संबंधित मिसाइल प्रणाली के लिए एक आधारशिला भी रखी गई। साथ ही स्वदेशी टीएनटी संयंत्र प्रौद्योगिकी, आरडीएक्स संयंत्र प्रौद्योगिकी और नवीनीकरण जैव-ऊर्जा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र का अनावरण किया गया। इस दौरान उपग्रह संयोजन के क्षेत्र में एनआईबीई समूह और ब्लैक स्काई के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

### सीएम ने किया सिंदूर अभियान का जिक्र

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कार्यक्रम में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और मेक इन इंडिया पहलों के जरिए देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में सरकार के प्रयासों की सराहना की और ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सैनिकों की अद्वितीय वीरता और देश की बढ़ती स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि निजी, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की सक्रिय, समान भागीदारी की वजह से यह परिवर्तन देखने को मिला है। कार्यक्रम में मौजूद अन्य अतिथियों में सीडीएस, महाराष्ट्र सरकार के कई मंत्री, रक्षा मंत्रालय और डीआरडीओ के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

## हेमकुंड साहिब में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

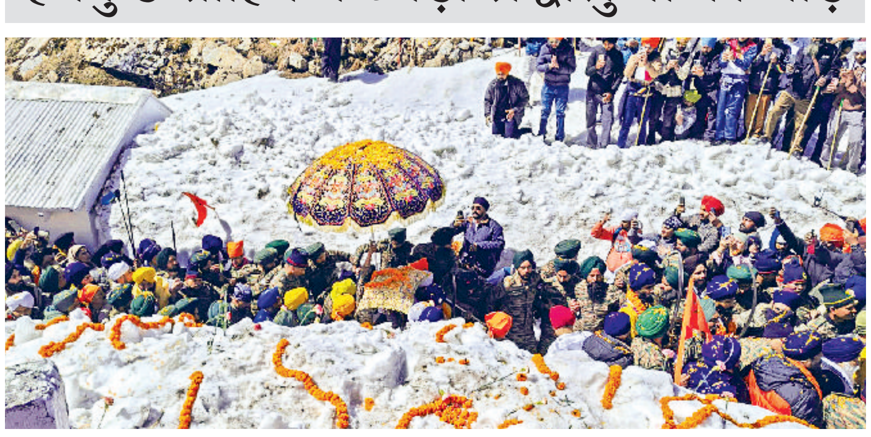

**चमोली।** उत्तराखंड के चमोली में भारी बर्फबारी और भीषण मौसम के कारण सर्दियों में बंद रहे विश्व प्रसिद्ध सिख तीर्थस्थल गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब जी के कपाट खुलने के बाद श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ रहा है। हिमालय की दुर्गम बर्फीली चोटियों के बीच स्थित इस पवित्र धाम के कपाट पूरे विधि-विधान के साथ खोल दिए गए हैं। मौसम की चुनौतियों और 15,000 फीट की अत्यधिक ऊंचाई के बावजूद, भक्तों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। गुरुद्वारा साहिब को फूलों और रंग-बिरंगी पताकाओं से सजाया गया है। हेमकुंड साहिब यात्रा का मुख्य बेस कैंप गोविंदघाट है।

चीन की कोयला खदान में भीषण हादसा

# गैस विस्फोट में 90 की मौत पीएम मोदी ने जताया दुख

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन के उत्तरी प्रांत शांक्सी में एक कोयला खदान में हुए भीषण गैस विस्फोट में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार शाम चांगझी शहर स्थित लिउशेन्यू कोयला खदान में हुआ, जहां विस्फोट के समय बड़ी संख्या में मजदूर भूमिगत काम कर रहे थे। करीब 247 मजदूरों के खदान में फंसे होने की आशंका जताई गई थी। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि दुर्घटना में लोगों की जान जाने से मैं दुखी हूं। भारत की जनता

की ओर से, मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीन की जनता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर शोक संतप्त परिवारों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करे। घटना के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

नहीं थम रहा रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष

# पुतिन का आरोप: स्टारोबिल्स्क में बेबस बच्चों पर हमला, यह अमानवीय आतंक

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को लुहांस्क के स्टारोबिल्स्क में एक कॉलेज पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा किए गए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। राष्ट्रपति पुतिन ने इसे एक 'आतंकी हमला' करार देते हुए कहा कि कीव की सत्ता पर काबिज 'नियो-नाजी शासन' ने जानबूझकर एक स्टूडेंट हॉस्टल को निशाना बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेन का मौजूदा प्रशासन लगातार नागरिक ठिकानों को निशाना बना रहा है।

### कीव ने कूटनीतिक कोशिशें कमजोर की

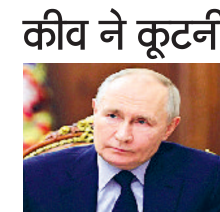

व्लादिमीर पुतिन

राष्ट्रपति पुतिन ने जोर देकर कहा कि हमला रात में हुआ, जब स्टूडेंट्स सो रहे थे। बेबस बच्चों के खिलाफ खुला, अमानवीय आतंक फैलाना, हथियारों से होने वाली लड़ाई का एक नया अध्याय है, जिसे कीव शासन शुरू कर रहा है, जिसे लड़ाई के मैदान में हार का सामना करना पड़ा।

### यूक्रेन के ड्रोन हमले से रूसी तेल डिपो में लगी आग

यूक्रेन द्वारा शुक्रवार रात ड्रोन से किए गए हमले में रूस के एक और तेल टर्मिनल में आग लग गई। ड्रोन का मलबा गिरने से एक तेल टर्मिनल में आग लग गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। ड्रोन ने शेस्खारिस तेल टर्मिनल और डिपो पर हमला किया, जो सरकारी कंपनी ट्रांसनेफ्ट का है।

## वायु सेना के 'गरुड़' बल के जवानों के प्रशिक्षण का सफल समापन

गरुड़ प्रशिक्षुओं को मैरून बेरेट, गरुड़ प्रवीणता बैज प्रदान किए

# चांदीनगर में मैरून बेरेट की औपचारिक परेड, विजेताओं को प्रदान की ट्रॉफियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वायु सेना के 'गरुड़' बल के विशेष बलों के जवानों के प्रशिक्षण के सफल समापन के उपलक्ष्य में, 23 मई 2026 को गरुड़ रेजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर (जीआरटीसी), वायु सेना स्टेशन चांदीनगर में मैरून बेरेट औपचारिक परेड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एवीएम राहुल गुप्ता, एसीएएस ऑपरेशन (अंतरिक्ष) ने परेड का निरीक्षण किया। गरुड़ रेजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर के कमांडेंट ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और उन्हें प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

'गरुड़' बल बंधक बचाव का प्रदर्शन करते हुए

### बदलते समय में कौशल को निखारने पर जोर

मुख्य अतिथि एवीएम राहुल गुप्ता ने गरुड़ कमांडो को उनकी सफल पासिंग आउट पर बधाई दी। उन्होंने युवा कमांडो को संबोधित करते हुए तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य के अनुरूप कठोर प्रशिक्षण और विशेष बलों के कौशल को निखारने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सफल गरुड़ प्रशिक्षुओं को मैरून बेरेट, गरुड़ प्रवीणता बैज और विशेष बल टैब प्रदान किए और पुरस्कार विजेताओं को ट्रॉफियां वितरित की।

### विभिन्न कौशल का प्रदर्शन

पासिंग आउट समारोह के दौरान, 'गरुड़ों' ने युद्धक फायरिंग, बंधक बचाव, फायरिंग ड्रिल, विस्फोटक सामग्री का उपयोग, बाधा पार करना, दीवार पर चढ़ना, रेंगना, रस्सियों से उतरना और सैन्य मार्शल आर्ट जैसे विभिन्न कौशल का प्रदर्शन किया।

### ऑपरेशन सिंदूर में निभाई अहम भूमिका

मैरून बेरेट सेरेमोनियल परेड 'गरुड़ों' के लिए गौरव और उपलब्धि का क्षण होता है। यह एक अत्यंत कठिन प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयुक्त परिणति और विशिष्ट 'गरुड़' बल में शामिल 'युवा विशेष बल संचालकों' के रूप में उनके परिवर्तन का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना के विशेष बलों की भूमिका को देखते हुए, हाल ही में पास आउट विशेष बल संचालक नए विशेष अभियानों को अंजाम देने के लिए भारतीय वायु सेना की क्षमता को और मजबूत करेंगे।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान बोले

# भविष्य के युद्ध बहु-क्षेत्रीय होंगे मनोवैज्ञानिक तरीके से लड़ेंगे

एजेंसी ▶▶ शिरडी

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि भविष्य के युद्ध बहु-क्षेत्रीय होंगे, जहां लड़ाइयां भूमि, समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से भी लड़ी जाएंगी।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी में एक रक्षा विनिर्माण इकाई के उद्घाटन के अवसर पर जनरल चौहान ने कहा कि आधुनिक युद्ध केवल जनशक्ति, पारंपरिक हथियारों या प्लेटफॉर्म-केंद्रित अभियानों पर आधारित नहीं हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, रोबोटिक्स, साइबर प्रणालियां, स्वायत्त प्लेटफॉर्म, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सटीक मारक क्षमता वाले हथियार और सूचना प्रभुत्व भविष्य के युद्धों को निर्णायक आकार देंगे। जनरल चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी, गति और नवाचार आने वाले दिनों में अभियानों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व होंगे। भविष्य के युद्ध बहु-क्षेत्रीय होंगे, जहां लड़ाइयां भूमि, समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से भी लड़ी जाएंगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109